धनबाद
मंगलवार 02.12.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-277 पृष्ठ- 12
अग्रहण शुक्ल पक्ष- 12
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू, पीएम मोदी बोले- सदन में ड्रामा नहीं, डिलीवरी चाहिए

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया। सदन की कार्यवाही से पहले पीएम मोदी ने संसद के बाहर मीडिया से १० मिनट बात की। उन्होंने कहा, विपक्ष हाल के चुनावों में पराजय की निराशा से बाहर निकले और सदन में मजबूत मुद्दे उठाए। अगर विपक्ष चाहे तो मैं उन्हें टिप्स देने के लिए तैयार हैं कि कैसे परफॉर्म किया जाए।

पीएम ने कहा- यह सत्र पराजय की हताशा या विजय के अहंकार का मैदान नहीं बनना चाहिए। नई पीढ़ी के सदस्यों को अनुभव का लाभ मिलना चाहिए। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां जोर नीति पर होना चाहिए, नारों पर नहीं।

धनखड़ को फेयरवेल नहीं मिला, इसका दुख

पीएम ने इसके बाद राज्यसभा में नए सभापति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया और उनके अभिवादन में स्पीच दी। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का अभिवादन किया। खड़गे ने इस दौरान पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा- मुझे इस बात का दुख है कि सदन को पूर्व सभापति को फेयरवेल देने का मौका नहीं मिला।

डॉक्टर को तकलीफ बताइए

खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पलटवार किया। नड्डा ने कहा- आपको बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र की हार ने काफी तकलीफ पहुंचाई है। आपको अपनी तकलीफ डॉक्टर को बताना चाहिए।

पान मसाला पर सेस लगाने वाले दो बिल पेश किए

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दो अहम बिल पेश किया। दोनों बिल उन उत्पादों पर नई कर व्यवस्था से जुड़े हैं, जिन पर अभी जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस लगता है- जैसे सिगरेट, तंबाकू और पान मसाला। इसके जरिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क एक्ट, १९४४ में संशोधन कर सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद एक्साइज ड्यूटी के जरिए राजस्व संग्रह जारी रखा जाएगा। इसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, २०२५ नाम दिया गया है। वित्त मंत्री ने स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, २०२५ भी पेश किया। नया सेस उन उत्पादों पर लगेगा जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा जोखिम माना जाता है। पान मसाला जैसे उत्पादों पर यह सेस लगाया जाएगा। तंबाकू और पान मसाला जैसी हानिकारक उत्पादों पर अभी २८ प्रतिशत जीएसटी लगता है। क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद, तंबाकू और संबंधित ▶▶ 8

स्कूटर में छिपाकर रखा था मादक पदार्थ, नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार

गोवा (ईएमएस): गोवा पुलिस ने एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार करके उसके स्कूटर में छिपाकर रखे गए। १.०५ लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने शनिवार को उत्तर गोवा जिले के कोरगांव के पेठेचावाड़ा में छापेमारी की। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस ने नाइजीरियाई नागरिक जोसेफ ओसुआगु केलेची (४०) को गिरफ्तार किया है, जो मापुसा क्षेत्र के कोरगांव और कुंचेलिम में रहता था।

उन्होंने बताया कि केलेची के स्कूटर की डिक्की से १३ गुलाबी गोलियां बरामद की गईं, जिनका वजन ३.६६ ग्राम था और जिनके एक्स्टसी मादक पदार्थ होने का शक है। इसके अलावा २३.८८ ग्राम काला चिपचिपा पदार्थ भी बरामद किया है, जिसके चरस होने का शक है। इन सबकी कुल अनुमानित कीमत १,०५,००० रुपए है। पुलिस ने आरएफआईडी टैग लगा काले रंग का चमड़े का एक ▶▶ 8

झारखंड विधानसभा का सत्र 5 से गरमाएगा राजनीतिक समर

रांची (एजेंसी): झारखंड विधान सभा का शीतकालीन सत्र ५ दिसंबर से शुरू होकर ११ दिसंबर तक चलेगा। राज्यपाल की मंजूरी के बाद विधानसभा सचिवालय ने जो औपबंधिक कार्यक्रम जारी किया है, उसके मुताबिक इस बार कुल पांच कार्यदिवस तय किए गए हैं। सत्र शुरू होने से पहले ही सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपनी-अपनी रणनीतिक बैठकों से राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

सत्र के सुचारू संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने ४ दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। एक दिन पहले, ३ दिसंबर को वे अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय समीक्षा करेंगे, जिसमें प्रशासनिक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। स्पीकर की प्राथमिकता है कि सत्र में अधिक से अधिक जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो।

इस शीतकालीन सत्र में ८ दिसंबर को हेमंत सरकार चालू वित्त वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट पेश करेगी। चार दिनों तक प्रश्नकाल भी चलेगा, जिसके दौरान विपक्ष सरकार को घेरने की पूरी तैयारी में है। खासकर भाजपा सत्र में विशेष रूप से सक्रिय है। सरकार के एक साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा जारी आरोप पत्र के आधार पर पार्टी सदन में मुखर होगी। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ७ दिसंबर को विधायकों की बैठक बुलाई है, जिसमें अवैध कोयला, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर सरकार को कड़ी चुनौती देने की रणनीति तैयार की जाएगी। भाजपा की कोशिश होगी कि अनुपूरक बजट पर बहस के दौरान सरकार के वित्तीय दावों पर सवाल उठाए जाएं।

सत्ता पक्ष की संयुक्त तैयारियों से पहले कांग्रेस ने भी ४ दिसंबर को दोपहर ढाई बजे विधायक दल की बैठक बुलाई है। कांग्रेस प्रभारी के राजू, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश समेत पार्टी के सभी विधायक इसमें शामिल होंगे। यह बैठक ▶▶ 8

दिल्ली ब्लास्ट में 8 जगहों पर एनआईए की रेड

श्रीनगर (ईएमएस): दिल्ली आतंकी ब्लास्ट मामले को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में ८ जगहों पर छापेमारी की। एजेंसी ने कश्मीर में मौलवी इरफान अहमद, डॉ. आदील, डॉ. मुजम्मिल, आमिर राशिद और जसीर बिलाल और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शाहीन के घर पर धावा बोला। एनआईए की छापेमारी शोपियां के नादिगाम गांव, पुलवामा के कोइल, चंदगाम, मलंगपोरा, संबूरा और कुलगाम में की गई। इसके अलावा डॉ. उमर नबी के साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश के घर पर भी छानबीन की गई। उस पर हमास की तरह भारत में ड्रोन हमलों की साजिश रचने का आरोप है।

सीएम ममता एसआईआर के खिलाफ मालदा मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में करेंगी रैलियां

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस सप्ताह मालदा और मुर्शिदाबाद में रैलियां आयोजित कर चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ अपना रोष जताएंगी इसके बाद अगले सप्ताह कूचबिहार में एक जनसभा भी करेंगी। टीएमसी सूत्रों ने बताया कि सीएम ममता बनर्जी द्वारा एसआईआर के विरोध में यह दूसरे चरण का अभियान होगा। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह शरणार्थी बहुल मतुआ क्षेत्र में बनगांव में रैली की थी और रैली में उन्होंने आरोप लगाया था कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों को डराने के लिए एसआईआर का दुरुपयोग किया जा रहा है।

टीएमसी अपने जिलावार अभियान को बीजेपी के घुसपैठियों का सफाया के बयान के जवाब के रूप में पेश कर रही है। टीएमसी नेताओं ने कहा कि मालदा, मुर्शिदाबाद में ३ और ४ दिसंबर को जबकि कूचबिहार में ९ दिसंबर को रैलियां आयोजित करने का फैसला लिया ▶▶ 8

देशभर में बढ़ते डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला
डिजिटल अरेस्ट स्कैम की जांच अब सीबीआई के हवाले

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम को बेहद गंभीर मानते हुए इसके सभी मामलों की जांच सीबीआई को सौंप दी है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के साइबर फ्रॉड पर तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अन्य स्कैम से अलग सीबीआई अब सबसे पहले डिजिटल अरेस्ट स्कैम के मामलों की जांच करेगी।

डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े सभी मामलों की जांच अब सीबीआई करेगी। साइबर क्राइम में जिन बैंक अकाउंट्स का इस्तेमाल हुआ है, उनकी जांच के लिए सीबीआई को पूरी स्वतंत्रता दी गई है। संबंधित बैंक अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा सकेगी। यह फैसला देशभर में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड पर नकेल कसने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट स्कैम को बेहद गंभीर मुद्दा मानते हुए इसकी जांच अब सीबीआई को सौंप दी है और इसके साथ ही एजेंसी को कई खास अधिकार भी प्रदान किए हैं। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने सीबीआई को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उन बैंक अधिकारियों की जांच करने की भी पूरी अनुमति दी है, जिनके बैंक खातों का इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड में किया गया है।

सभी एजेंसियां देंगी सीबीआई को सहयोग

कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आईटी इंटरमीडियरी रूल्स के तहत सभी प्राधिकरण सीबीआई को पूरा सहयोग देंगे। जिन राज्यों ने अभी तक सीबीआई को सामान्य अनुमति नहीं दी है, उन्हें आईटी एक्ट २०२१ के मामलों ▶▶ 8

वक्फ की संपत्तियों की डीटेल उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करने की समय सीमा नहीं बढ़ेगी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): वक्फ की संपत्तियों की डीटेल उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करने की समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर इंकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे संबंधित ट्राइब्यूनल में जाकर अपनी बात रख सकते है।

बता दें कि समय सीमा बढ़ाने वाली याचिकाओं में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोल्ड (एआईएमपीएलबी) और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल थी। वक्फ संपत्तियों का ब्यौरा पोर्टल पर अपलोड करने के लिए ५ दिसंबर तक का समय मिला है। अगर ऐसा नहीं किया जाता हैं, तब संबंधित व्यक्ति या संस्था को सजा भी हो सकती है।

इसके पहले १५ सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में वक्फ (संशोधन) अधिनियम २०२५ को पूरी तरह से स्थगित करने से इंकार किया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी थी।

नियमों के मुताबिक वक्फ संपत्ति ना अपलोड करने वालों को छह माह की सजा और २० हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। जो लोग संपत्तियों को पोर्टल पर दर्ज नहीं करवाएंगे उनकी संपत्ति का दर्जा खत्म किया जाएगा और बाद में केवल वक्फ ट्राइब्यूनल के आदेश पर ही फिर से पंजीकरण हो सकेगा।

विशाखापट्टनम में बनेगा 11 अरब डॉलर का एआई डेटा सेंटर

विशाखापत्तनम (ईएमएस): भारत के तकनीकी क्षेत्र में एक और बड़ी छलांग लगाकर डिजिटल कनेक्सियन जो मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज, ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट और डिजिटल रियल्टी ट्रस्ट की संयुक्त पहल है ने कहा कि वह २०३० तक ११ अरब डॉलर का निवेश करेगी।

निवेश से आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में ४०० एकड़ में फैला १ गीगावॉट का एआई-नेटिव डेटा सेंटर कैंपस तैयार होगा। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना के लिए आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड (एपीईडीबी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह कदम उस वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप है, जहाँ सरकारें और टेक कंपनियाँ एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को तेज़ी से विस्तार दे रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि अल्फाबेट इंक (गूगल) ने हाल ही में विशाखापट्टनम में ही १५ अरब डॉलर के निवेश से एआई सेंटर स्थापित करने का ऐलान किया।

अब डिजिटल कनेक्सियन के निवेश से यह क्षेत्र भारत का अगला बड़ा टेक हब बनता दिख रहा है। रिलायंस समर्थित यह संयुक्त उद्यम उन अंतरराष्ट्रीय टेक दिग्गजों की सूची में शामिल हो गया है जो भारत में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं।

अमेजन पहले ही २०३० तक भारत में १२.७ अरब डॉलर क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च ▶▶ 8

चंडीगढ़ में नहीं बनेगी हरियाणा की अलग विधानसभा, गृह मंत्रालय ने प्रपोजल रद्द किया

चंडीगढ़ (ईएमएस): केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हरियाणा सरकार की चंडीगढ़ में नए विधानसभा भवन बनाने की मांग को खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को साफ सलाह दी है कि इस मामले में अब चंडीगढ़ प्रशासन से किसी तरह की आगे की कार्रवाई न करें।

केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ को स्वतंत्र यूनियन टेरेटरी का ऐलान करने के लिए १३१वें शोध बिल को वापस लेने के बाद पंजाब के लिए यह दूसरा बड़ा फैसला लिया है। यह मुद्दा तब चर्चा में आया था जब जुलाई २०२२ में जयपुर में हुई उत्तरी जोनल काउंसिल की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा को नई विधानसभा के लिए भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसके बाद जुलाई २०२३ में यूनियन टेरेटरी प्रशासन ने १० एकड़ जमीन हरियाणा को देने पर सहमति जताई थी। यह जमीन चंडीगढ़ के आईटी पार्क के पास रेलवे लाइट पॉइंट के नजदीक है और इसकी कीमत करीब ६४० करोड़ रुपए आंकी गई।

स्वैप डील फेल, हरियाणा का प्रस्ताव खारिज

योजना के तहत हरियाणा ने बदले में पंचकूला के सेक्टोरियल क्षेत्र के पास १२ एकड़ ▶▶ 8

किस रुट से भारत आएंगे पुतिन फंसा पेंच आईसीसी देशों के रुट से निकले तो...

इंटरनेशनल क्रिमिनल्स कोर्ट ने यूक्रेन युद्ध को लेकर किया है अरेस्ट वारंट जारी

नई दिल्ली (ईएमएस): रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन भारत आ रहे हैं तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत आने पर उनकी गिरफ्तारी होगी? क्योंकि उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है और यह अरेस्ट वारंट आज से नहीं २०२३ से जारी किया गया और युक्रेन युद्ध के लिए उन्हें अपराधी माना गया इसलिए अरेस्ट वारंट जारी किया गया तो इंटरनेशनल क्रिमिनल्स कोर्ट ने जारी किया जिसके बाद से ही चर्चा तेज है कि क्या भारत आने पर पुतिन को गिरफ्तार किया जा सकता है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया है। १२५ देश उसके मेंबर हैं, लेकिन भारत, अमेरिका और चीन जैसे मजबूत और शक्तिशाली देश इसके मेंबर नहीं हैं। ये लगातार देखने को मिला है कि जब से यूक्रेन के साथ युद्ध के बाद से राष्ट्रपति पुतिन ना ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेते हैं ना जी से या जी८ में शामिल होते हैं। उन्हें डर है कि जैसे ही उन देशों की यात्रा पर जाएंगे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बता दें ४ से ५ दिसंबर को पुतिन भारत के पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। तेल, डिफेंस ▶▶ 8

वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार का उल्लंघन हो गया

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आदेश पर उठाया सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी आदेश पर आपत्ति जाहिर की हैं, जिसमें सदन में वंदे मातरम और जय हिंद सहित विभिन्न नारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की सलाह दी गई थी।

राज्यसभा सांसद चतुर्वेदी ने बताया कि इन नारों परप्रतिबंध लगाना ब्रिटिश काल के शासन जैसा है और उनकी पार्टी मामले पर सचिवालय से जवाब मांगेगी। हमारी पार्टी का मुख्य एजेंडा राज्यसभा सचिवालय और केंद्र से जवाब मांगना है कि वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार और नियमों का उल्लंघन हो गया। यह ब्रिटिश काल की शासन-व्यवस्था जैसा है।

राज्यसभा सचिवालय के नोटिस को राष्ट्र-विरोधी बताकर उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि वंदे मातरम और जय हिंद हमारे देश और इसके स्वतंत्रता संग्राम के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये नारे लगाना देश प्रेम के कारण है, लेकिन अब वे जो कर रहे हैं, वहां राष्ट्र-विरोधी है। केंद्र को राज्यसभा में जय हिंदी और वंदे मातरम के लिए जारी किया नोटिस वापस लेना चाहिए। यूबीटी सांसद ने कथित वोट चोरी और चुनाव आयोग द्वारा चुनावों को कमज़ोर करने के साथ-साथ दिल्ली में प्रदूषण पर भी चिंता जाहिर की है। इसी तरह, लोगों के ▶▶ 8

नई दौड़ और मल्टीपोलर दुनिया में भारत संतुलित व शक्तिशाली खिलाड़ी बना

अमेरिका-चीन दोनों अन्य देशों के सामने कठिन विकल्प खड़ा करने के जिम्मेदार

कोलकाता (ईएमएस): भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका जो दशकों तक वैश्विक व्यवस्था को चलाता था, अब नई शर्तों पर इंगेजमेंट कर रहा है। ग्लोबलाइजेशन के टूटने से लेकर चीन की मोनोपॉली, एनर्जी जियोपॉलिटिक्स, एफटीए की नई दौड़ और मल्टीपोलर दुनिया में भारत सबसे संतुलित और सबसे शक्तिशाली खिलाड़ी बनकर उभर रहा है।

जयशंकर ने मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल पर कोलकाता में कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका और चीन दोनों ही अन्य देशों के सामने कठिन विकल्प खड़ा करने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब नए नियमों और शर्तों के तहत देशों से जुड़ रहा है और एक समय में एक ही देश के साथ डील कर रहा है। दूसरी ओर, चीन हमेशा अपने तय नियमों के तहत काम करता रहा है। अब उसमें और इजाफा ही हुआ है। इस स्थिति ने दुनिया के कई देशों को दुविधा में डाल दिया है। वे समझ नहीं पा रहे कि उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देना चाहिए या उन सौदों पर, जो इसी प्रतिस्पर्धा की आड़ में खामोशी से आकार ले रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर ने कहा कि ग्लोबलाइजेशन के दबाव, सप्लाई चेन की अस्थिरता और बढ़ते जोखिमों ने देशों को ऐसी रणनीतियां अपनाने पर मजबूर कर दिया है, जिनसे वे हर परिस्थिति के लिए तैयार रहें। यही कारण है कि देश एक ओर अमेरिका और चीन से सीधे संवाद बनाए हुए हैं, तो दूसरी ओर वे एक-दूसरे के साथ भी नए विकल्प और साझेदारियां तलाश रहे हैं। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स को लेकर देशों की बढ़ती दिलचस्पी इसी प्रवृत्ति की ओर इशारा करती है। जयशंकर ने इसे हेजिंग की नीति बताया।

उन्होंने कहा कि दुनिया की करीब एक-तिहाई मैन्युफैक्चरिंग चीन में होती है, जिससे सप्लाई चेन की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वैश्विक सप्लाई चेन की अनिश्चितता जोखिम बढ़ा रही है। उन्होंने यूरोप, एशिया और मध्य पूर्व की बदलती परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थितियां तेजी से बदल रही हैं। लैटिन अमेरिका में नए अवसर दिखाई दे रहे हैं। अब कृपया यह भी ध्यान रखें कि कई क्षेत्रों में राष्ट्रों का सापेक्षिक भार भी एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है।

उन्होंने कहा कि चाहे वह विनिर्माण हो, ऊर्जा हो, व्यापार हो, वित्त हो, प्रौद्योगिकी हो, प्राकृतिक संसाधन हों, संपर्क हो या गतिशीलता हो, दुनिया अब वैसी नहीं रही जैसी एक दशक पहले थी। वर्तमान में वैश्विक उत्पादन का एक तिहाई हिस्सा चीन में होता है। इसने आपूर्ति श्रृंखलाओं के लचीलेपन और विश्वसनीयता पर प्रकाश डाला है। ऊर्जा की बात करें तो, अमेरिका जीवाश्म ईंधन का एक प्रमुख आयातक से एक अहम निर्यातक बन गया है।

संपादकीय | सुप्रीम कोर्ट का आधार उम्र सत्यापन प्रस्ताव...

पिछले कुछ समय से इंटरनेट की असीमित दुनिया में पसरी वैसी सामग्री को लेकर एक व्यापक चिंता पैदा हुई है, जो बच्चों और किशोरों के व्यक्तित्व पर नकारात्मक असर डालती है, उनके सोचने-समझने की दिशा को बुरी तरह प्रभावित करती है। इसके मद्देनजर दुनिया के कई देशों ने अपने स्तर पर ऐसे नियम-कायदे भी बनाए हैं, जिनके जरिए सोशल मीडिया और इस तरह के अन्य इंटरनेट मंचों तक बच्चों और किशोरों की पहुंच को सीमित किया गया। भारत में भी इस मसले पर चिंता के स्वर उभरे हैं कि व्यापक उपयोगिता के समांतर इंटरनेट की निर्बाध दुनिया में मौजूद आपत्तिजनक सामग्री को लेकर एक ठोस नियमन हो, ताकि नाबालिगों को उसके नकारात्मक असर से बचाया जा सके।

इसके अलावा, अगर कोई व्यक्ति अपने सोशल मीडिया खाते या वीडियो चैनल पर किसी तरह की आपत्तिजनक सामग्री तैयार करके जारी करता है, तो उसे रोकने को लेकर नियम-कायदे की भी कमी है। यही वजह है कि किशोरों या नाबालिगों सहित इंटरनेट की सुविधा रखने वाला हर व्यक्ति अलग-अलग मंचों पर उपलब्ध अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री तक भी आसान पहुंच रखता है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि इस संबंध में एक स्वायत्त नियामक संस्था के गठन की जरूरत है, जो इस पर लगाम लगा सके। एक मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सुझाव के तौर पर यह भी कहा कि इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील या वयस्क प्रकृति की सामग्री को बच्चों से दूर रखने के लिए आधार नंबर से उम्र की पुष्टि करने पर विचार किया जाना चाहिए। इसमें कोई दोराय नहीं

कि नई तकनीक और प्रौद्योगिकी के तेजी से विस्तार के दौर में आसपास की दुनिया और व्यवस्थागत ढांचे में भी व्यापक बदलाव आ रहे हैं। रोजगार से लेकर पढ़ाई-लिखाई और मनोरंजन जैसी जरूरतों के लिए इंटरनेट पर निर्भरता का दायरा बहुत ज्यादा बढ़ा है। मुश्किल यह है कि जिस साइबर संसार ने जीवन को आसान बनाया है और अध्ययन तथा शोध से संबंधित मामलों में अपनी उपयोगिता साबित की है, उसी में ऐसी सामग्री का असीमित भंडार भी है, जिसे समाज के लिए नुकसानदेह माना जाता है। ओटीटी मंचों, यूट्यूब या फिर सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो भरे पड़े हैं, जिन्हें आपत्तिजनक और अश्लील सामग्री की श्रेणी में रखा जा सकता है और जो बच्चों के लिए नुकसानदेह हैं।आस्ट्रेलिया और डेनमार्क जैसे देशों ने सोशल मीडिया तक अपने यहां के नाबालिगों की पहुंच को सीमित करने के लिए नियम-कायदे बनाए हैं, तो इसके पीछे यही चिंता है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की यह राय गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर उम्र की जांच के लिए आधार नंबर का उपयोग किया जा सकता है। मगर एक पहलू यह भी है कि आधार नंबर की संवेदनशीलता और उसके जोखिम के मद्देनजर उसे सभी जगहों पर न देने की सलाह दी जाती है।

ऐसे में अगर साइबर संसार का कोई मंच उम्र की पुष्टि के लिए किसी व्यक्ति का आधार और उससे जुड़े ब्योरे लेता है, तो यह कैसे सुनिश्चित होगा कि उसका किसी भी तरह से दुरुपयोग न हो। जाहिर है, इंटरनेट की व्यापक दुनिया के कुछ नुकसानों को देखते हुए नियमन के लिए एक ढांचा खड़ा करने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत होगी कि इसके नाम पर लोकतंत्र तथा अभिव्यक्ति के अधिकार को चोट न पहुंचे और वह लोगों की स्वस्थ, आलोचनात्मक और जनतांत्रिक चेतना को बाधित न करे।

असम में स्कूलों का हाल बुरा

शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ स्कूलों में विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और खेल मैदान जैसी बुनियादी सुविधाओं का होना बेहद जरूरी है। ये सुविधाएं एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण बनाती हैं, जो विद्यार्थियों को अच्छे से पढ़ाई करने में सहायक होता है। स्कूलों में इस व्यवस्था का अभाव न केवल पठन-पाठन को प्रभावित करता है, बल्कि छात्रों खासकर लड़कियों के पढ़ाई बीच में छोड़ने का कारण भी बनता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में सरकारी स्तर पर स्कूलों में ढांचागत सुविधाएं मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, लेकिन वस्तुस्थिति आज भी संतोषजक नहीं है। हाल में असम से आई एक खबर ने चिंता पैदा कर दी है कि राज्य के चार क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में एक हजार चार सौ सरकारी स्कूलों में पेयजल एवं शौचालय की सुविधा नहीं हैं। साथ ही अट्ठाईस हजार शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं। प्रदेश सरकार ने विधानसभा में यह जानकारी दी है। असम के मुख्यमंत्री अपने भाषणों में राज्य को अगले पांच वर्षों में एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और समग्र विकास करने के दावे करते हैं। मगर हकीकत यह है कि वहां के बहुत सारे स्कूलों का बुनियादी ढांचा अभाव और बदहाली का शिकार है। देश भर में स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए सरकार ने मध्याह्न भोजन योजना लागू की है। मगर बच्चों को व्यापक स्तर पर शिक्षा से जोड़ने के लिए क्या नामांकन बढ़ाना ही काफी है? क्या इसके लिए स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का होना जरूरी नहीं है? ये ऐसे सवाल हैं, जिन पर शासन और प्रशासन के स्तर पर विचार तो किया गया, योजनाएं-परियोजनाएं भी बनीं, लेकिन धरातल पर उनका नतीजा लक्ष्य से काफी पीछे नजर आ रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष नवंबर में एक मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में शपथपत्र दायर कर बताया था कि देश में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों सहित 97.5 फीसद से अधिक स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है। मगर सिर्फ ढांचा खड़ा कर देना ही सुविधा नहीं है। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि उसका बेहतर रखरखाव हो, ताकि विद्यार्थी उस सुविधा को सुलभ और निर्बाध रूप से इस्तेमाल कर सकें।

आज का कार्टून

श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेजी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेजी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

ललित गर्ग

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताज़ा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर

अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेज़ी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेज़ी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो 'बुकलेट्स' और 'शिकायतें' अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां का अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है। लेकिन भारत का रास्ता स्पष्ट है-वह आगे बढ़ेगा, अपनी सभ्यता को सशक्त करेगा, अपनी संस्कृति को विश्व-पटल पर स्थापित करेगा और किसी भी अनर्गल हस्तक्षेप का दृढ़ता से सामना करेगा। पाकिस्तान चाहे कितने ही मोर्चों पर खतरा बने, भारत हर मोर्चे पर उत्तर देने में सक्षम है-साहस से भी, और संस्कार से भी।

भारत एशिया की तीसरी प्रमुख सैन्य शक्ति बना...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत अब यूएसए और चीन के बाद एशिया की तीसरी प्रमुख सैन्य शक्ति बन चुका है। यह पाकिस्तान और बांग्लादेश के लिए किसी सदमे की तरह है। वहीं उनके आका देश अमेरिका और चीन के लिए भी एक झटके की तरह है, क्योंकि आने वाले वर्षों में इन्हें भी बारी-बारी पूर्वक पीछे छोड़ेगा। यह बात मैं नहीं बल्कि एशियन पॉवर इंडेक्स 2025 के8 एक वार्षिक सूची बोल रही है जो एशिया में देशों की समग्र शक्ति को मापती है। गौरतलब है कि इसमें आर्थिक, सैन्य, कूटनीतिक प्रभाव आदि आठ कैटेगिरी में देशों के संसाधन और प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है। इस सूची में भारत 40.0 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और इसे 'मेजर पावर' यानी प्रमुख शक्ति घोषित किया गया है। भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए यह पायदान हासिल किया है, जबकि टॉप पर संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरे नंबर पर चीन हैं।

कमलेश पांडे

एपीआई के अनुसार, भारत की आर्थिक क्षमता, फ्यूचर रिसोर्सेज और राजनयिक प्रभाव में खासा सुधार हुआ है। भारत की सैन्य क्षमता में भी निरंतर सुधार के चलते उसकी क्षेत्रीय और ग्लोबल भूमिका मजबूत हुई है। वहीं, पाकिस्तान इस सूची में 16वें स्थान पर है और टॉप 10 में नहीं है। एशियाई पावर इंडेक्स लोवी इंस्टीट्यूट द्वारा जारी किया जाता है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 27 देशों को देखता है और उनकी शक्ति संरचना का आकलन करता है। यह इंडेक्स सिर्फ सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है बल्कि कुल प्रभाव क्षमता को मापता है, जिसमें अर्थव्यवस्था, कूटनीति, रक्षा नेटवर्क, संस्कृति आदि शामिल हैं।

लोवी इंस्टीट्यूट एशिया पावर इंडेक्स 2025 को मापने के लिए आठ मुख्य मापदंडों का उपयोग किया जाता हैः सैन्य क्षमता, आर्थिक क्षमता, रक्षा नेटवर्क, कूटनीतिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, पुनःस्थापन क्षमता (रेजिलिएंस), भविष्य के संसाधन और अंतरराष्ट्रीय संबंध। कुल मिलाकर इसमें 30 उप-माप और 131 संकेतक शामिल हैं, जो किसी देश की व्यापक प्रभाव क्षमता का आंकलन करते हैं। यह इंडेक्स केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह देशों

की असली ताकत को उनके क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव, पड़ोसी देशों के साथ उनके रिश्ते, तकनीकी और व्यापारिक शक्तियों, और उनके भविष्य के विकास की संभावनाओं के हिसाब से मापता है।

इस इंडेक्स के अंतर्गत हर देश को 100 अंकों के पैमाने पर स्कोर दिया जाता है, जो यह दर्शाता है कि वे एशिया में कितना प्रभावशाली हैं। लोवी इंस्टीट्यूट इस सूचकांक को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 27 देशों पर लागू करता है और यह वार्षिक रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित होता है। इस इंडेक्स के परिणाम से देशों के भू-राजनीतिक और आर्थिक स्थिति में बदलाव और उनकी क्षेत्रीय भूमिका का पता चलता है।

एशियन पॉवर इंडेक्स (एपीआई) के आठ माप निम्नलिखित हैंः पहला, सैन्य क्षमता- इसमें देश की सैन्य ताकत, हथियार, सैन्य कर्मियों और रक्षा बजट को मापा जाता है। दूसरा, आर्थिक क्षमता- देश की आर्थिक स्थिति, जीडीपी, मुद्रा रिजर्व, और अन्य आर्थिक संसाधनों का आकलन। तीसरा, रक्षा नेटवर्क- क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधनों और सहयोग को मापा जाता है। चतुर्थ, कूटनीतिक प्रभाव- अन्य देशों के साथ राजनयिक संबंध, द्विपक्षीय समझौते और वैश्विक मंच पर देश की भूमिका।पंचम, सांस्कृतिक प्रभाव- देश की संस्कृति, भाषा, मीडिया प्रसारण और अन्य सांस्कृतिक माध्यमों के प्रभाव को दिखाता है। षष्टम, पुनःस्थापन क्षमता- प्राकृतिक आपदाओं, आर्थिक संकटों आदि का सामना करने की देश की सामर्थ्य। सप्तम, भविष्य के संसाधन- शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान-प्रौद्योगिकी विकास और युवा आबादी की संभावना। अष्टम, अंतरराष्ट्रीय संबंध- देश की विदेश नीति, व्यापार साझेदार और वैश्विक संगठनों में उसकी भागीदारी।

वस्तुतः ये आठ माप 30 उप-मापों और 131 संकेतकों के जरिए विस्तृत रूप से मूल्यांकन किए जाते हैं, जिससे किसी देश की समग्र शक्ति का आंकलन होता है। पूरे इंडेक्स का स्कोर 100 अंकों के पैमाने पर दिया जाता है, जिससे यह पता चलता है कि कोई देश एशिया में कितना प्रभावशाली है। एशियन पावर इंडेक्स के उपर्युक्त आठ मापों का भारत के कुल स्कोर पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। भारत की सैन्य क्षमता, आर्थिक क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव, और भविष्य के संसाधन जैसे माप उसकी पूरी ताकत को बढ़ाते हैं, जिससे भारत को बेहतर कुल स्कोर मिलता है।

उदाहरण के लिए, भारत की आर्थिक प्रगति और कूटनीतिक नेटवर्क में सुधार से इसकी रैंकिंग में मजबूती आई है। वहीं, पुनःस्थापन क्षमता और सांस्कृतिक प्रभाव जैसे माप भी भारत के क्षेत्रीय प्रभाव और वैश्विक छवि को मजबूत बनाते हैं। हालांकि, कुछ चुनौतियां जैसे प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने की क्षमता और संसाधनों का प्रभावी उपयोग भारत के स्कोर को सीमित भी कर सकता है। कुल मिलाकर, ये आठ माप मिलकर भारत की समग्र शक्ति और क्षेत्रीय भूमिका का आंकलन करते हैं, जो इस इंडेक्स में भारत के तीसरे स्थान पर आने का कारण हैं। इसलिए भारत की कुल रैंकिंग इन सभी क्षेत्रों में उसके प्रदर्शन का समग्र प्रतिबिंब होती है।

भारत ने एशियन पावर इंडेक्स के आठ मापों में सबसे अधिक सुधार आर्थिक क्षमता के क्षेत्र में किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले दशक में वैश्विक औसत के मुकाबले लगभग 90% की वृद्धि दर्ज की है, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में सबसे उल्लेखनीय प्रगति है। यह सुधार भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), निवेश, विनिर्माण, और सेवा क्षेत्र में तेज विकास की वजह से हुआ है। इस तेजी से बढ़ती आर्थिक ताकत ने भारत को एशिया में तीसरे स्थान पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सैन्य क्षमता और कूटनीतिक प्रभाव में भी भारत ने सकारात्मक सुधार दिखाया है, लेकिन आर्थिक प्रगति सबसे प्रमुख योगदानकर्ता रही है। वहीं, कुछ क्षेत्रों जैसे प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की पुनःस्थापन क्षमता में अभी भी सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। कुल मिलाकर, आर्थिक मापों में भारत का मजबूत प्रदर्शन उसकी समग्र शक्ति और एशिया में प्रभाव बढ़ाने में सबसे बड़ा कारण है।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली गयी जागरूकता रैली

धनबाद (कासं) : विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिले के

सीएचसी कार्यालय से सदर अस्पताल एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी, छात्र-छात्राएं और आम लोग शामिल हुए। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर एड्स से बचाव, सुरक्षित व्यवहार और जागरूकता से जुड़े संदेशों का प्रचारप्रसार किया। रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना, इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना तथा लोगों को इससे बचाव के तरीकों की जानकारी देना रहा।

सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि विश्व एड्स दिवस जैसे अभियान लोगों को यह समझाने का माध्यम है कि जानकारी और जागरूकता ही इस बीमारी से बचने का सबसे बड़ा हथियार है।

उन्होंने कहा कि एड्स एक घातक बीमारी है लेकिन सही जानकारी सावधानी और समय पर जांच से इसके प्रसार को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि संक्रमित व्यक्ति के साथ सामान्य संपर्क, हाथ मिलाने, भोजन साझा करने या साथ रहने से एचआईवी नहीं फैलता। यह केवल असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त चढ़ाने, साझा सुई के इस्तेमाल या गर्भावस्था/स्तनपान के दौरान मां से बच्चे को हो सकता है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि समाज में पहले की तुलना में जागरूकता काफी बढ़ी है और शुरुआती वर्षों की तुलना में एड्स मरीजों की संख्या में कमी देखी जा रही है। यह सकारात्मक बदलाव निरंतर जनजागरूकता कार्यक्रमों का परिणाम है। अधिकारियों ने बताया कि विश्व एड्स दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना, सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

एड्स दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन

कतरास (ससे) : विश्व एड्स दिवस के अवसर पर पेटिया पंचायत और भेलाटांड में एचआईवी/एड्स की रोकथाम, देखभाल और सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देने हेतु दो जागरूकता रैलियों का आयोजन किया। इन रैलियों में स्थानीय ग्रामीणों, स्वास्थ्यकर्मियों और स्वयंसेवकों सहित कुल १६० लोगों ने सक्रिय भागीदारी की, जो समुदाय की जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम को भेलाटांड फीडर हॉस्पिटल की सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. निधि प्रसाद, आरसीएमयू सिजुआ कोलियरी के अध्यक्ष संजय सिंह तथा टाटा स्टील और टाटा स्टील फाउंडेशन के अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधनों में उन्होंने एचआईवी/एड्स से निपटने के लिए जागरूकता, समय पर परीक्षण और भ्रांतियों को दूर करने की महत्ता पर विशेष जोर दिया।

रैली के दौरान प्रतिभागियों ने सुरक्षित व्यवहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और एचआईवी के साथ जी रहे व्यक्तियों के प्रति भेदभाव समाप्त करने जैसे संदेशों वाले बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए। कार्यक्रम में विश्व एड्स दिवस की इस वर्ष की वैश्विक थीमबाधाओं पर विजय प्राप्त करना, एड्स प्रतिक्रिया को बदलनाको भी प्रमुखता से रेखांकित किया गया, जिसमें मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई गई।

झाड़ियों से मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, इलाके में दहशत

धनबाद (कासं) : झरिया के बोर्रागढ़ ओपी क्षेत्र अंतर्गत भूतगढ़िया पुराना कलाली से सुरेंद्र कॉलोनी जाने वाले रास्ते पर स्थित खेल मैदान के समीप झाड़ियों से एक व्यक्ति का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। रोज की तरह सुबह टहलने गए स्थानीय लोगों ने झाड़ी के अंदर संदिग्ध हालत में शव देखा और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। थोड़ी ही देर में घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर इकट्ठा हो गए।

सूचना पर बोर्रागढ़ ओपी प्रभारी निरंजन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। प्रारंभिक निरीक्षण में मृतक की बाईं आंख के पास गहरा कटा हुआ का जख्म पाया गया है, जिससे घटना को संदिग्ध माना जा रहा है। इसके अलावा सड़क से शव तक खून की बूंदें भी मिली हैं, जिससे यह आशंका जताई जा रही है की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई होगी और बाद में साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को यहां लाकर फेंका गया है।

मृतक की उम्र लगभग ५० वर्ष बताई जा रही है, हालांकि उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक की पहचान करने के लिए आसपास के थानों में सूचना भेज रही है।

वहीं, पुलिस ने शव को कैंजे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने कहा है कि रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों और पूरी घटना की दिशा स्पष्ट हो सकेगी। मामले की जांच जारी है।

जर्जर सड़कों को ले विधायक राज का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

धनबाद (कासं) : जिले में जर्जर सड़कों के निर्माण को लेकर लंबे

समय से चल रही मांग को मजबूती देने के लिए विधायक राज सिन्हा ने धनबाद नगर निगम कार्यालय के समक्ष अपने समर्थकों और सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बेमियादी धरना शुरू कर दिया है।

धरना स्थल पर सुबह से ही कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी रही। वहीं, विधायक ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ४८ घंटे के भीतर उनकी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं की गई तो वे नगर निगम कार्यालय के चौखट पर धरना देंगे। इसके बाद भी स्थिति नहीं सुधरी तो अगले ४८ घंटे में नगर आयुक्त के चैम्बर के बाहर धरना देकर तीव्र आंदोलन करेंगे।

राज सिन्हा ने आरोप लगाया कि पिछले छह वर्षों से धनबाद की प्रमुख सड़कों के निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन हर बार नगर निगम और राज्य सरकार द्वारा एसीबी जांच का हवाला देकर मामले को टाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शहर की जर्जर सड़कें आम जनता के लिए दुःख का कारण बनी हुई हैं, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही।

उन्होंने कहा कि शहर के कई महत्वपूर्ण मार्गों की हालत बेहद खराब है और प्रतिदिन लाखों लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जिन प्रमुख सड़कों को तत्काल बनाने की मांग की उनमें बरटांड़ रोड, पंडित क्लीनिक रोड, राजकीय पॉलीटेक्निक से पांडरपाला मार्ग, गांधी नगर रोड, सब्जी बगान सड़क, डीएस कॉलोनी रोड, माडा कॉलोनी रोड, विनोद नगर सड़क, मनईटांड़ और गोल बिल्डिंग से छठ तालाब होते हुए भोक्ता मेला मार्ग और पथराकुल्ही सड़क शामिल है।

उन्होंने कहा कि इन सभी सड़कों की स्थिति इतनी खराब है कि आवागमन जोखिम भरा हो गया है। बारिश के दौरान तो हालात और भी भयावह हो जाती हैं। यही नहीं धरना स्थल पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी नगर निगम प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि धनबाद में विकास कार्य ठप हैं जिससे जनता परेशान है। विधायक ने कहा कि जब तक सड़कों के निर्माण का स्पष्ट रोडमैप नहीं आता उनका धरना जारी रहेगा।

7 सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गयी भावपूर्ण विदाई

कतरास (ससे) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के बरोरा क्षेत्रीय कार्यालय में सेवानिवृत्त हो रहे सात कर्मियों के सम्मान में भावुक विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय महाप्रबंधक केके सिंह ने की, वहीं यूनियन प्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ा दी।

समारोह के दौरान महाप्रबंधक केके सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी लंबे समय की सेवा, अनुशासन और समर्पण के लिए सम्मानित किया। उन्होंने प्रत्येक कर्मचारी को स्मृति चिह्न, शॉल और उपयोगी उपहार भेंट कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल को मजबूत बनाने में इन कर्मियों की निष्ठा और मेहनत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

बीसीसीएल प्रबंधन ने भविष्य में भी ऐसे सम्मान समारोह नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा रहे और संगठन में सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा मिले। यूनियन प्रतिनिधियों ने भी कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सेवाओं को याद किया और कहा कि सेवानिवृत्त साथियों की कार्यशैली नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अधिकारियों, कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य रूप से अपर महाप्रबंधक पी.एस.के. सिन्हा, कार्मिक प्रबंधन विभाग से विकाश कुमार, यूनियन की ओर से तेज बहादुर सिंह, संतोष चंद्र गोराई, नंदू दुसाद, उमा कांत राय सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद (कासं) : धनबाद मंडल में विगत नवम्बर माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए समापक भुगतान एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विगतन माह में कुल २९ कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिनके सभी समापक भुगतान कर दिए गए ।

धनबाद मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और उनके हितों की रक्षा हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सुविधा के लिए समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं त्वरित बनाने की दिशा में मंडल द्वारा निरंतर सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान एवं सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएँ दी गयी इस अवसर पर मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बेटी की विवाह में ह्यूमन राइट्स काउंसिल ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

धनबाद (कासं) : राजगंज थाना अंतर्गत गोरगा गांव में सामाजिक सरोकार की मिसाल देखने को मिली, जहां डिफेंडर्स ऑफ इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स काउंसिल की झारखंड इकाई ने एक गरीब परिवार की बेटी के विवाह हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया। आर्थिक तंगी से जूझ रहे इस परिवार के लिए यह मदद किसी संजीवनी से कम नहीं रही। परिवार की स्थिति को देखते हुए संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आगे आकर विवाह के सभी आवश्यक खर्चों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। इस नेक पहल में विशेष योगदान देने वालों में भूषण राजक, उपाध्यक्ष (झारखंड), सूरज भुइयाँ, बजरंगी भुइयाँ, बनियादास भुइयाँ, गोराई मुंडा, और शिवम सिंह शामिल थे।

इन सभी सदस्यों ने मिलकर सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए परिवार को सहयोग प्रदान किया, जिसकी बदौलत बेटी का विवाह सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका। स्थानीय ग्रामीणों ने भी संगठन के इस कदम की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं तथा जरूरतमंदों को नई उम्मीद प्रदान करते हैं। संगठन ने आगे भी गरीब एवं असहाय परिवारों की मदद करने का आश्वासन दिया है। यह पहल साबित करती है कि यदि समाज के लोग संवेदनशीलता के साथ आगे आएं, तो किसी भी जरूरतमंद की मुश्किलें आसानी से दूर की जा सकती हैं।

विधायक ने किसानों के बीच किया बीज वितरण

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो व जिला परिषद सदस्य श्वेता कुमारी ने सोमवार को रघुनाथपुर पैक्स में किसानों के बीच बीज किया। तकरीबन पचास किसानों को सरसों व गेहूं का बीज दिया गया। प्रखंड कृषि पदाधिकारी अजय पासवान, बीटीएम देवेंद्र कुमार, पैक्स अध्यक्ष विजय कुमार महतो, पैक्स प्रबंधक सुबल चंद्र महतो के अलावा अनेक किसान मौजूद थे। इस संबंध में पैक्स प्रबंधक श्री महतो ने बताया कि विभाग की ओर से रवि खेती के लिए दो क्विंटल सरसों एवं २० क्विंटल गेहूं के बीज ५० अनुदान पर आपूर्ति किया गया है। मौके पर किसान अशोक कुमार महतो, ईश्वर मरांडी, यशोदा देवी, नमिता देवी, सुमन देवी, ईश्वर महतो आदि थे।

डब्ल्यू जे एरिया के तीन कर्मी हुए सेवानिवृत्त

पुटकी (ससे) : डबल्यू जे एरिया के मुनीडीह प्रोजेक्ट से तीन कर्मचारियों निरंजन सिंह, रविन्द्र रजक और सुभाष दर्सौंदी ने सेवा निवृत्ति हुए। परियोजना पदाधिकारी सन्नी राव, कार्मिक प्रबंधक कुमारी अनुपमा, जेवीटीसी मैनेजर सीताराम राउत एवं सेफ्टी ऑफिसर अजय रवानी ने तीनों कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, सील्ड, शॉल, ट्रॉली बैग, श्रीफल, घड़ी एवं मिठाई देकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने तीनों सेवानिवृत्त कर्मीयो के द्वारा सेवा काल में ईमानदारी से कंपनी हित में काम करने का प्रशंसा किये एवं उत्तम स्वास्थ्य, खुशहाल जीवन की मंगलकामना किये।

निदेशक ने दी समस्याओं के समाधान का आश्वासन

लोयाबाद (ससे) : बीसीसीएल एरिया पांच क्षेत्र अन्तर्गत कनकनी कोलियरी में संचालित राम अवतार आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा पिछले दिनों ओबी डंपिंग के दौरान लोयाबाद नं. ५ स्थित हनुमान मंदिर का चारदीवारी छतिग्रस्त होने और आसपास के प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों के द्वारा विरोध प्रदर्शन के सूचना पर कंपनी के निदेशक, अमरेश सिंह लोयाबाद नम्बर ५ में चल रहे आउटसोर्सिंग कार्य का निरीक्षण करने आए साथ ही आउटसोर्सिंग कंपनी से क्षतिग्रस्त शिव मंदिर की निरीक्षण कर ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान करने का आश्वासन दिया। मौके पर भाजपा विधायक प्रतिनिधि बिरेंद्र पासवान, समाजसेवी शंकर केसरी, पवन श्रीवास्तव, सुजन कुमार, शांति देवी, सूरजमनी देवी, पूनम देवी, गुलशन खातुन, सद्दाम अंसारी, विक्की कुमार, तरुण कुमार, सुमित कुमार, शिवा कुमार, राहुल कुमार, सूरज कुमार, मो. शाहिद, मो. कुर्बान आदि कार्यकर्ताओं सहित सैंकड़ों महिला पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त कर्मियों का सम्मान समारोह

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना क्षेत्र के अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। नवंबर माह में लोदना क्षेत्र के विभिन्न कोलियारियों से १५ पुरुष २ महिला कुल १७ कर्मी सेवानिवृत्त हुए। सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल ओढ़ाकर माला पहनाया गया उसके बाद कलाई घड़ी, ट्राली बैग, प्रशस्ति पत्र एवं मिठाई का डब्बा दिए। यह सम्मान लोदना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) अरिंदम कुंडू द्वारा दिया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) ने अपने उद्बोधन मे सभी कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना किए। इस सम्मान समारोह में कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन वरीय लिपिक विश्वनाथ धीबर ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में देवेंद्र कुमार साव, किशोर कुमार, राकेश कुमार, रौशन कुमार शर्मा, सुमित कुमार, हीरु सहिस, मुरली भुईया एवं अन्य ने सहयोग किये।

खनन सुरक्षा को सशक्त बनाने को ले क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद में पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा ईआईएसीपी कार्यक्रम केन्द्र के तत्वावधान में तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रायोजन में माइन सेफ्टी एंड रिस्क मैनेजमेंट पर तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम खनन क्षेत्र में कार्यरत अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की सुरक्षा क्षमता को सुदृढ़ करने और वैज्ञानिक खनन पद्धतियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में संस्थान का एक महत्वपूर्ण कदम है।

उद्घाटन सत्र में आईआईटी-आईएसएम के वरिष्ठ प्रोफेसरों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष एवं ईआईएसीपी केन्द्र के संयोजक प्रो. आलोक सिन्हा ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि ईआईएसीपी अकादमिक ज्ञान और फील्डआधारित सुरक्षा व्यवहारों के बीच एक प्रभावी सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खनन क्षेत्र में दुर्घटनाओं को कम करने और सतत् संचालन सुनिश्चित करने के लिए फील्ड स्तर पर मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों के कौशल उन्नयन का एक सराहनीय प्रयास बताया।

पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं ईआईएसीपी केन्द्र के सह-संयोजक प्रो. सुरेश पंडियन ने निरंतर व्यावहारिक प्रशिक्षण को खनन उद्योग में सुरक्षा सुदृढ़ीकरण का मुख्य आधार बताया। प्रो. एम. के. जैन ने खनन स्थलों पर मौजूद विभिन्न प्रकार के खतरों को समझने और डीजीएमएस के सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित खनन संचालन जागरूकता, अनुशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित होता है।

खनन अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. वी. जी. के. विल्लुरी ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि फील्डआधारित प्रशिक्षण वास्तविक परिस्थितियों को समझने तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति विकसित करने का सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने कहा कि खनन कर्मियों को वास्तविक स्थितियों का प्रत्यक्ष अनुभव होने से वे सुरक्षा प्रोटोकॉल को अधिक गंभीरता से अपनाते हैं और आपातकालीन स्थितियों में बेहतर निर्णय ले पाते हैं। प्रो. विल्लुरी ने आईआईटीआईएसएम धनबाद की सौ वर्षीय उत्कृष्ट विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्थान सदैव से वैज्ञानिक खनन और सुरक्षा प्रशिक्षण को प्राथमिकता देता आया है।

यह तीन दिवसीय कार्यक्रम संविदा आधारित खनिकों, मशीन ऑपरेटरों, ड्रिलरों, लोडरों, मेंटेनेंस स्टाफ, सहायक कर्मचारियों, शिफ्ट पर्यवेक्षकों और फोरमैन के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। अगले तीन दिनों तक प्रतिभागियों को व्यावहारिक खनन सुरक्षा, आकस्मिकता प्रबंधन, जोखिम आकलन और सुरक्षित परिचालन पद्धतियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रदर्शन और फील्ड एक्सपोजर प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी सुरक्षा मानकों को सरल और लागू करने योग्य रूप में प्रस्तुत कर खनन स्थलों पर जागरूकता, अनुशासन और सुरक्षा व्यवहार में उल्लेखनीय सुधार लाना है।

एक सप्ताह के भीतर सभी आवेदनों पर निष्पादन करें : डीसी

बोकारो (ससे): जिले में बैंकिंग गतिविधियों की धीमी गति और सरकारी योजनाओं के लक्ष्य पूरे नहीं होने पर सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय सभागार में आयोजित सितंबर तिमाही की डीसीसी/डीएलआरसी बैठक में कड़ा रुख अपनाते हुए सभी बैंक प्रतिनिधियों को डांट लगाई। बैठक में निर्धारित १२ बिंदुओं की क्रमवार गहन समीक्षा की गई।

एटीआर (जून तिमाही), सीडी-रेसियो, वार्षिक ऋण योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), मुद्रा, एसएचजी-मुद्रा, शिक्षा ऋण, अविकसित ग्रामीण केंद्र (यूआरसी) डेटा, पीएम-एफएमई, पीएमईजीपी, आरसेटीआई ऋण-संबद्धता और पीएम-स्वनिधि।

बैठक की शुरुआत में ही उपायुक्त ने बैंकों की अनुपस्थिति और सुस्त रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि - बैठक में अनुपस्थित रहने वाले बैंकों के उच्च अधिकारियों को कारण बताओ पत्र जारी किया जाए। जिले में जमा राशि तो बढ़ रही है लेकिन प्रदर्शन बेहद कमजोर है - यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन बैंकों में भारी डिपॉजिट हैं, वे अपनी सीएसआर गतिविधियों का विस्तृत ब्योरा तत्काल उपलब्ध कराएं। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन बैंकों का सीडी रेसियो ५०% से कम है, वे इसे तत्काल सुधारें। उन्होंने कहा कि सीडी-रेसियो किसी भी बैंक के वास्तविक कामकाज का दर्पण है। यह ५० प्रतिशत से नीचे नहीं रहना चाहिए। सुधार न करने पर कार्रवाई तय है।

उन्होंने पशुपालन विभाग (डीएओ) और जेएसएलपीएस को एक सप्ताह का विशेष केसीसी एवं मुद्रा अभियान चलाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण पर कहा कि जितना डिपॉज़िट है, उसके अनुपात में प्राथमिकता क्षेत्र में ऋण दिया जा रहा है या नहीं - यह स्पष्ट होना चाहिए। सभी बैंकों का डेटा विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

डीडीएम नाबार्ड ने बताया कि ५,००० आवेदन संकलित कर बैंकों को सौंप दिए गए हैं। इस पर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर सभी आवेदनों पर निष्पादन करें। किसी बैंक को कठिनाई हो तो तुरंत बताएं, बाद में बहाने स्वीकार नहीं होंगे। उपायुक्त ने शिक्षा ऋण की धीमी प्रगति पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि बोकारो एक प्रमुख शिक्षा केंद्र है। यहां शिक्षा ऋण की अपार संभावनाएं हैं। बैंक शिक्षा ऋण में देर करें या टालमटोल करें यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि समयबद्धता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बनाए रखें। लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा डालने वाले किसी भी बैंक या अधिकारी पर कड़ाई से कार्रवाई की जाएगी।

वित्तीय राजधानी भी प्रदूषण की चपेट में

मुंबई (ईएमएस): बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते देश की वित्तीय राजधानी मुंबई की भी सांसें फूल रही हैं। ऐसे में सरकार ने मुंबई में कई जगहों पर ग्रैप-४ की पाबंदियां लागू कर दी हैं। इसके साथ ही मुंबई भी दिल्ली के साथ उन शहरों की सूची में शामिल हो गया है, जहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। मुंबई में कई जगहों पर हवा की गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई है, इनमें मुंबई का मझगांव, देवनार, मलाड, बोरीवली ईस्ट, चकाला अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पवई और मुलुंड जैसे इलाके शामिल हैं।

बीएमसी ने इन इलाकों में किसी भी तरह के निर्माण कार्यों और धूल उड़ाने वाली गतिविधियों पर रोक लगा दी हैं, और इन इलाकों में विभिन्न निर्माण स्थलों की निगरानी की जा रही है। ५० से ज्यादा निर्माण स्थलों को काम रोकने के नोटिस जारी किए गए हैं। बेकरी और मार्बल कटिंग यूनिट्स समेत छोटे उद्योगों को साफ प्रक्रिया अपनाने या फिर कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

उपायुक्त ने बोकारो एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): उपायुक्त अजय नाथ झा ने सोमवार शाम बोकारो एयरपोर्ट का निरीक्षण कर एयरपोर्ट परिसर की तैयारियों, सुरक्षा प्रबंधों एवं स्वच्छता व्यवस्था का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई आवश्यक सुधारात्मक कदम तत्काल उठाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने एयरपोर्ट परिसर में हाई मास्क लाइट के क्रय एवं शीघ्र अधिष्ठापन का निर्देश देते हुए कहा कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुरक्षा और संचालन दोनों के लिए आवश्यक है। उन्होंने संबंधित विभागों को इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी नहीं करने की चेतावनी दी।

उन्होंने परिसर के अंदर एवं आसपास की झाड़ियों की समयबद्ध साफ-सफाई सुनिश्चित करने के भी स्पष्ट निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि एयरपोर्ट क्षेत्र की स्वच्छता, दृश्यता और सुरक्षा मानकों को उच्च स्तर पर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस संबंध में उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआइ) तथा बीएसएल प्रबंधन को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई पूरी करने का आदेश दिया।

निरीक्षण के दौरान एसी मो. मुमताज अंसारी, सिविल सर्जन डॉ ए बी प्रसाद, डीडीएमओ शक्ति कुमार, सीजीएम उन्नयन बीएसएल तथा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बोकारो प्रतिनिधि मौजूद थे। उपायुक्त ने कहा कि बोकारो एयरपोर्ट को उत्कृष्ट सुविधाओं एवं सुरक्षित वातावरण के साथ विकसित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

विवेक राष्ट्रीय साइकलिंग प्रतियोगिता के लिए चयनित

डुमरी (ससे): पारसनाथ महाविद्यालय के स्नातक सेमेस्टर ४ के विद्यार्थी विवेक कुमार ओडिशा के सम्बलपुर में आयोजित ३०वें राष्ट्रीय रोड साइकलिंग चैंपियनशिप २०२५ में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।विवेक पूर्व में राज्य स्तर के साइकलिंग प्रतियोगिता में अपनी कौशल का परिचय देते हुए मेडल प्राप्त कर चुके हैं।हिन्दी ऑनर्स के विद्यार्थी विवेक कुमार ओड़िशा में २ दिसम्बर से ६ दिसंबर तक होने वाले राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज मिश्रा स्पोर्ट्स सेल के मुज़फ्फर हुसैन व राज कुमार मेहता प्राध्यापक यशवंत सिन्हा,डॉ शशि भूषण,गौतम कुमार सिंह,पिन्टू पांडेय,कुबेर प्रसाद,संतोष पाठक सहित अन्य सभी कर्मियों ने विवेक को शुभकामनायें देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्व एड्स दिवस पर बीजीएच में निकाली गयी जागरूकता रैली

बोकारो (ससे): विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बीजीएच के प्रांगण मे एआईडीएस के प्रति एक जागरूकता रैली निकाली गई तथा अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डा. विभूति भूषण करुणामय के द्वारा गुब्बारा उड़ा कर इस जागरूकता अभियान को शुरू किया गया. रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्रनील चौधरी, बीजीएच के वरीय चिकित्सक, नर्सिंग स्कूल की छात्राऐं, कर्मचारी, तथा स्टाफ नर्स शामिल हुए.

रैली का उद्देश्य एचआईवी/एड्स की रोकथाम से संबंधित जानकारी का प्रसार करना तथा समाज में भेदभाव-रहित वातावरण को बढ़ावा देना था. डा. विभूति भूषण करुणामय ने कहा कि वर्ल्ड एड्स दिवस हर साल ०१ दिसंबर को पूरे विश्व मे मनाया जाता है।

डॉ विभूति भूषण करुणामय ने आगे कहा कि -एआईडीएस एक गंभीर बीमारी है इसलिए एचआईवी संक्रमण से बचाव, जागरूकता तथा समय पर जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है. एआईडीएस बीमारी का खतरा ग्लोबल लेवल पर बढ़ता हुआ देखा जा रहा है इसलिए विश्व एड्स दिवस के खास मौके पर क्षत संक्रमण के प्रति सभी लोगों को जागरूक किया जाता है. कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हाथ मिलाने, संक्रमित व्यक्ति के छींकने और खांसने से निकलने वाली ड्रॉपलेट, संक्रमित के साथ खाना खाने से ये संक्रमण नहीं फैलता है इसलिए ऐसे लोगों से किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए. सार्वभौमिक सावधानी लेकर खुद इस बीमारी से बचाव करें और इसके साथ ही दूसरों को भी बचाव के लिए प्रेरित करना चाहिए.

जिहाद को लेकर आमने-सामने आ गए मौलाना मदनी और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद

नई दिल्ली,(ईएमएस): इनदिनों जिहाद शब्द फिर से सुर्खियों में है। इस ज्वंलत मुद्दे पर मुस्लिम समाज के दो बड़े नेता अब आमने-सामने आ गए हैं। जमात-ए-उलेमा हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी और बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने जिहाद शब्द को लेकर एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दोनों ही जिहाद का अर्थ जुल्म के खिलाफ उठाई जाने वाली आवाज को बता रहे हैं। लेकिन उनके बीच मतभेद हैं?

मदनी ने जमीयत उलमा-ए-हिंद के कार्यक्रम में कहा कि इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने जिहाद जैसे इस्लाम के पवित्र विचारों को गलत इस्तेमाल, गड़बड़ी और हिंसा से जुड़े शब्दों में बदला है। जिहाद का प्रयोग जहां जंग के लिए हुआ है, वह भी जुल्म और फसाद के खात्मे के लिए हुआ है। इसकारण जब-जब जुल्म होगा, तब-तब जिहाद होगा।

वहीं, आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि किसी गरीब पर जुल्म और उत्पीड़ने के खिलाफ आवाज उठाना बेशक जिहाद है, लेकिन ये लोग बच्चों को जिहाद की परिभाषा क्या पढ़ाते हैं। दरअसल देवबंद में पढ़ाई जाने वाली कुछ पुस्तकों का हवाला देकर कहा कि बच्चों को शरीयत में जिहाद की परिभाषा बताते हैं कि कोई व्यक्ति इस्लाम को न माने, तब उसके खिलाफ लड़ना जिहाद है। उन्होंने कहा कि यह बात, मेरी नहीं बल्कि उनकी किताब से है। कुरान कभी भी जबरन धर्म परिवर्तन की बात नहीं करता। वास्तव में जिहाद का मतलब इंसानियत की रक्षा करना है।

जिहाद शब्द का अलग-अलग अर्थ निकाले जाते हैं, इसकारण आज समाज में जिहाद को नकारात्मक रूप में देखा जाता है। इसके बाद जिहाद को कुरान की रोशनी और पैगम्बर साहब के कथनों से लिहाज से देख सकते है। जिहाद अरबी का शब्द है, जिसका अर्थ संघर्ष करना। अरबी भाषा में हर प्रकार के संघर्ष के लिए जिहाद का उपयोग होता है।

हदीस के हवाले से चार तरह के जिहाद माने हैं, जो हैं, दिल से, जुबान से, हाथ से और तलवार से। इसमें दिल से जिहाद का अर्थ है अपने भीतर बसी बुराइयों के शैतान से लड़ना बताया गया है। वहीं जुबान से जिहाद का अर्थ है सच बोलना और इस्लाम के पैगाम को फैलाना है। हाथ से जिहाद का मतलब है अन्याय या गलत का शारीरिक बल से मुकाबला करना, जिसमें हथियार वर्जित बताया गया है। चौथा तलवारी या सशस्त्र जिहाद है, जो सब जानते ही हैं।

इस्लामी स्कॉलर मुफ्ती ओसामा नदवी कहते हैं कि जिहाद का अर्थ इस्लाम में युद्ध से नहीं है। जिहाद को महज युद्ध से जोड़कर नहीं देखना चाहिए, क्योंकि अरबी-इस्लाम में भाषा में युद्ध के लिए अलग शब्द गजवा या मगाजी का उपयोग होता है। जिहाद को लेकर बहुत गलतफहमियां हैं। मौजूदा दौर में मुस्लिम जगत के कट्टरपंथियों ने मारकाट को जिहाद का नाम दे दिया है। वहीं, पश्चिमी जगत जिहाद को पवित्र युद्ध के रूप में पेश करता है इस्लाम में कुरान और हदीस के हिसाब से दोनों व्याख्याएं गलत हैं।

किताली जिहाद को पैगम्बर हजरत मुहम्मद ने सैनिक शक्ति के प्रयोग के लिए किया है, लेकिन इसे निम्न जिहाद माना। इस अर्थ में यह शब्द अपने बचाव के लिए हैं। इसके अलावा, इस्लाम और मुसलमानों की रक्षा के लिए प्रयोग होता है। पैगंबर जब मक्के से मदीने गए, तब मक्के के उनके विरोधी जंग करने के लिए आए थे। इसके बाद नवगठित मुस्लिम समाज को सुरक्षा और स्थायित्व का खतरा, जिसके लिए किताली जिहाद किया गया। जिहाद सब्र से लेकर किताल यानी मक्का के अत्याचारियों के खिलाफ आत्मरक्षा में मारकाट और हत्याओं तक बदल गया। दुनिया भर में किताली जिहाद ही गुरिल्ला या सैनिक युद्ध ही सबसे बड़ा जिहाद बन गया है। जिहाद सब्र से सैफ तक बदल गया। सैफ का मतलब सशस्त्र युद्ध से है।

मुस्लिम जगत में कट्टरपंथियों का एक मुस्लिम गुट दूसरे मुस्लिम समूह के विरुद्ध जिहाद पुकारता है। इस तरह से जिहाद का अर्थ ही सशस्त्र युद्ध बन गया है। इस तरह जिहाद की कुरान की मूल संकल्पना से पूरी तरह से बदला हुआ दिखता है।

बार चुनाव के प्रत्याशियों ने किया अपने पक्ष में वोट की अपील

डुमरी (ससे): जिला बार एसोसिएशन गिरिडीह कार्य समिति के लिए ६ दिसंबर को होने वाले चुनाव में विभिन्न पदों पर भाग्य आजमा रहे प्रत्याशियों ने सोमवार को डुमरी अनुमंडल अधिवक्ता भवन पहुंचे जहां कार्यरत सभी अधिवक्ताओं से मिलकर अपनी अपनी जीत सुनिश्चित करने हेतु अधिवक्ताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।अभ्यर्थियों ने कहा कि डुमरी अनुमंडल अधिवक्ता संघ से जुड़े सभी अधिवक्ता मतदान अवश्य करें ताकि कर्मठ एवं अधिवक्ताओं के हक अधिकार के लिए संघर्षरत प्रत्याशी का जीत सुनिश्चित हो सके। इस दौरान डुमरी अनुमंडल अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत कुमार जायसवाल सचिव अशोक कुमार जैन अधिवक्ता हरि नारायण मेहता विजय कुमार एसएन शर्मा मुकेश शर्मा कुमारी अर्चना आदि सभी अधिवक्ता उपस्थित थे।

कसमार में छापामारी, सिमपुर से अवैध शराब बरामद

बोकारो (ससे): मुख्यालय रांची के अधीक्षक, उत्पाद ईआइबी, रांची के नेतृत्व में बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कम्पोजिट शराब दुकान बहादुरपुर, कसमार रोड कसमार एवं खैराछात्तर में औचक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित दुकानों पर आवश्यक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधीक्षक, उत्पाद ईआइबी रांची के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद विभाग की टीम ने पिरगुल और सिमपुर में प्राप्त शिकायतों के आधार पर छापामारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान पिरगुल में किसी भी प्रकार की अवैध शराब नहीं* मिली। वहीं सिमपुर में एक किराना दुकान और उससे सटे घर में छापामारी करने पर विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब बरामद की गई। बरामद विदेशी शराब पर लगे होलोग्राम प्रथम दृष्ट्या नकली या अवैध प्रतीत हो रहे हैं। इसे देखते हुए विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

स्किपिंग चौंपियनशिप में डीपीएस चास, बोकारो सर्वश्रेष्ठ घोषित

चास,बोकारो (ससे): विगत ३० नवंबर २०२५ को डीपीएस चास, बोकारो में ''प्रथम बोकारो जिला अंतर-विद्यालयी जम्प रोप/रोप स्किपिंग चैंपियनशिप २०२५ का आयोजन हुआ।

यह युवा प्रतिभाओं और खेल उत्कृष्टता का एक जीवंत उत्सव था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, भारतीय वॉलीबॉल टीम २०२३ के मुख्य प्रशिक्षक और ओलंपिक शिक्षक डॉ. जयदीप सरकार थे। इस अवसर पर उपस्थित अन्य अतिथियों में बोकारो जिला रोप स्किपिंग एसोशिएशन के अध्यक्ष और केवीएस बोकारो नंबर ३ के शारीरिक शिक्षक तथा अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो मास्टर श्री विजय भारती और झारखंड जंप रोप एसोसिएशन के तकनीकी निदेशक श्री समीर सिंह तथा डीएस मेमोरियल सोसाइटी चास के सचिव श्री सुरेश अग्रवाल की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और समृद्ध बनाया।

बोकारो को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। इस विद्यालय को २० स्वर्ण, २४ रजत और १९ कांस्य सहित कुल ६३ पदक प्राप्त हुए। विजेता खिलाड़िों में शिवांशी, कुमारी आकृति, वंशिका सुमन, नायरा कश्यप, कृतिका यादव, अनिमेष बाउरी, मुबारक अंसारी, रिषु, टियारा, अनुश्री जेना, कनिष्का सिंह, जोया सिद्दिकी, अमन, कौशलेंद्र, रमण सिंह, स्वतंत्र, रेहान सिद्दिकी, अमिनेष, प्रशांत, मो. शाद, श्वेता, रायना ठाकुर, प्रियदर्शनी, कायरा अग्रवाल,परी कुमारी, आदित्य प्रताप सिंह, आरोही, सोनी, कृदय, प्रिंस, निश्चल दूबे, विंध्याचल, आसना सरोज, अग्निका, रणवीर गोस्वामी,आकृति एवं श्रद्धा थे।

इस चैंपियनशिप में डीएवी सेक्टर-४, डीएवी सेक्टर-९ई, आदर्श विद्या मंदिर चास, बोकारो पब्लिक स्कूल, एमजीएम बोकारो, जीजीपीएस बोकारो, केवीएस चंद्रपुरा, केवीएस नंबर ३ बोकारो और केवीएस बीटीपीएस के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और असाधारण गति, समन्वय और अनुशासन का प्रदर्शन किया।

डीपीएस चास, बोकारो के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट टीम भावना और दृढ़ संकल्प के साथ प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान के साथ ही ओवरऑल चैंपियन के रूप में अपना परिचय दिया। डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर ४ ने प्रभावशाली कौशल और निरंतरता के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि डीएवी इस्पात विद्यालय, सेक्टर ९ ई ने तीसरा स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक सार्थक पौधा प्रस्तुति के साथ हुई, जिसके बाद दीप प्रज्वलन तथा एक सुंदर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटनोपरांत डीपीएस चास की निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने किया।

उन्होंने अपने उत्साहवर्धक शब्दों से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। युवा एथलीटों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा,'''यह चैंपियनशिप एकाग्रता, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का उत्सव है। रस्सी कूदना भले ही सरल लगे, लेकिन यह ताकत, सहनशक्ति और आत्मविश्वास का निर्माण करता है जो भविष्य के चैंपियनों को आकार देता है।''

मुख्य प्रशिक्षक डॉ. जयदीप सरकार ने भी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, '''इस तरह के आयोजन छात्रों में साहस और लचीलापन पैदा करते हैं। रस्सी कूदना, एक गुरुत्वाकर्षण-विरोधी खेल होने के कारण, एकाग्रता, चपलता और शक्ति की माँग करता है। आज मैंने जो ऊर्जा और उत्साह देखा, उससे मुझे विश्वास हो गया कि बोकारो में इस खेल का भविष्य वाकई उज्ज्वल है।''

इस टूर्नामेंट ने न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा दिया, बल्कि जिले के स्कूली छात्रों के बीच एक गतिशील प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में रस्सी कूद और रस्सी कूद की बढ़ती लोकप्रियता को भी उजागर किया।

जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड का प्रकोप बढ़ा

जम्मू (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। नवबंर के अंतिम दिनों में ही पूरे राज्य में रात का तापमान जमाव बिंदु से काफी नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान माइनस ५.६ डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। कुपवाड़ा में पारा माइनस ५.० डिग्री और श्रीनगर में माइनस ४.४ डिग्री सैल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार शुष्क मौसम और साफ रातों के कारण तापमान में तेज गिरावट आ रही है। ५ दिसंबर तक कोई बड़ा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं होने से मौसम मुख्यतः शुष्क बना रहेगा। ३ दिसम्बर तक पूरी तरह मौसम शुष्क रहेगा, जबकि ४ और ५ दिसम्बर को आंशिक बादल छा सकते हैं और ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। ६ से ११ दिसम्बर तक जम्मू कश्मीर में हल्के बादल छाए रहने वाले है। इसके साथ ही कश्मीर घाटी में कई जगहों पर सुबह-शाम हल्के से मध्यम कोहरा भी छा सकता है, जिससे यातायात पर असर पड़ सकता है।

स्कूल में नर्सरी की बच्ची से मारपीट

हैदराबाद (ईएमएस): हैदराबाद के प्राइवेट स्कूल में नर्सरी की बच्ची के साथ मारपीट का एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक महिला अटेंडेंट को बच्ची को बेरहमी से पीटते, धक्का देते और जमीन पर गिराकर लात मारते देखा जा सकता है। पुलिस ने आरोपी अटेंडेंट को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार की है। शिकायत के अनुसार, आरोपी महिला बच्ची को वॉशरूम ले गई। महिला अटेंडेंट ने बच्ची पर कई बार हमला किया और एक मौके पर उसे कुचलने की भी कोशिश की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में महिला को बच्ची को मारते, जमीन पर धक्का देकर गिराते, यहां तक कि गला दबाते हुए देखा गया। आरोपी की पहचान लक्ष्मी के रूप में हुई है। नर्सरी स्कूल के नजदीक रहने वाले शख्स ने इसका वीडियो बना लिया।

यूपीआई से 26.32 लाख करोड़ का लेनदेन

मुंबई (ईएमएस): नवंबर महीने में देशभर में यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) के जरिए २,०४७ करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जिसमें २६.३२ लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। सालाना आधार पर लेनदेन की संख्या ३२ प्रतिशत बढ़ी है। वहीं, ट्रांसफर की गई राशि में २२ प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

इस दौरान रोजाना औसतन ६८.२ करोड़ ट्रांजैक्शन हुए और ८७,७२१ करोड़ राशि ट्रांस्फर की गई। इससे पहले अक्टूबर में २,०७१ करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए २७.२८ लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे। यह अब तक किसी एक महीने में रिकॉर्ड है। यूपीआई को रेगुलेट करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने सोमवार को डेटा जारी किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

महुदा में बेखौफ जारी है अवैध बालू का कारोबार

महुदा (ससे) : बाघमारा अनुमंडल अंतर्गत महुदा थाना क्षेत्र के दामोदर नदी स्थित लोहापट्टी डोंगा घाट और तेलमोचो घाट में अवैध बालू का कारोबार धड़ल्ले से जारी है। रोकथाम के नाम पर पुलिस-प्रशासन की पहल नदारद रहने से बालू माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यह अवैध कारोबार महुदा पुलिस और खनन विभाग की मिलीभगत में फलफूल रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक लोहापट्टी डोंगा घाट पर राजू महतो और निरंजन महतो का कब्जा है बताया जाता है। ये सभी मिलकर पूरा सिंडिकेट चलाते हैं तथा बालू उठाव, परिवहन और दर तय करने से लेकर विभिन्न स्तरों पर टेबल मैनेजमेंट तक का काम संभालते हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि घाटों से रोजाना बड़ी मात्रा में बालू की निकासी होती है। जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान पहुंच रहा है। इस पूरी गतिविधि के बीच महुदा थानेदार की साख पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि इतने बड़े पैमाने पर संचालित अवैध कारोबार बिना स्थानीय पुलिस और विभागीय संरक्षण के संभव नहीं है।

पुलिस की विशेष कार्रवाई, जगहजगह वाहन जांच

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के आदेश पर धनबाद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ विशेष एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर अंकुश लगाना और जिले में कानूनब्यवस्था को और अधिक मजबूती प्रदान करना था। अभियान के दौरान कुल १५१४ वाहनों की गहन जांच की गई, जिनमें १०६५ दोपहिया और ४४९ चारपहिया वाहन शामिल थे। इस दौरान वाहन चालकों के दस्तावेजों की जाँच के साथसाथ नियमों का पालन न करने वालों पर विशेष नजर रखी गई। पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहनों और चालकों की पहचान की पड़ताल की तथा कई लोगों की तलाशी ली। कुछ लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर थाना लाया गया, जहाँ पहचान सत्यापित होने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

नदी में डूबने से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

धनबाद (कासं) : धनबाद के निरसा क्षेत्र के बार बेंदिया नदी घाट पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहाँ नहाने के दौरान लगभग ३५ वर्षीय युवक धनु रवानी की डूबने से मौत हो गई। जिसका शव गोताखोरों की मदद से नदी से बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार मृतक धनु रवानी सुबह अपने कुछ दोस्तों के साथ नदी घाट पर पार्टी करने पहुंचा था, बताया जा रहा है कि लगभग १०:३० बजे नहाने के क्रम में धनु गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।

इस घटना का सबसे चौंकाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह रहा कि साथ आए उनके दोस्तों ने उसे बचाने की कोई कोशिश नहीं की, बल्कि सभी मौके से भाग निकले। वे इतना घबराए हुए थे कि खानेपीने की सामग्री भी वहीं छोड़कर फरार हो गए और तो और उन्होंने घटना की सूचना देना भी धनु के परिवार को उचित नहीं समझा। धनु के डूबने की खबर किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से उनके परिवार तक पहुँची।

इसके बाद मृतक की पत्नी तुलसी रवानी ने एमपीएल ओपी पहुँचकर प्रभारी सुमन कुमारी को इस संबंध में लिखित आवेदन सौंपा। आवेदन मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की, लेकिन दिन डूबने और अंधेरा छा जाने के कारण रविवार को खोज अभियान सफल नहीं हो पाया। सुबह पुलिस टीम ने बारबेंदिया नदी घाट पर दोबारा तलाशी अभियान शुरू किया। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार करीब ११:३० बजे धनु रवानी का शव नदी से बरामद कर लिया गया।

इस दुखद घटना के बाद धनु के परिवार में कोहराम मच गया है। उनके परिजनों का रोसेकर बुरा हाल है। धनु रवानी अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस पूरे मामले की गहन जाँच कराने और घटना के समय मौके से भागने वाले दोषी दोस्तों के खिलाफ आवश्यक और सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

फूलपौधों के बगान का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : पदुगोड़ा पंचायत सचिवालय परिसर में फूल पौधों के बागान का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन मुखिया महेश कुमार पटवारी और जेएसपीएल की महिलाओं ने संयुक्त रूप से काम किया। मुखिया ने कहा कि पंचायत सचिवालय की सुंदरता को बनाए रखने के लिए फूल और पौधे लगाने का काम किया गया। ग्राम रोजगार सेवक मौसिम अख्तर, वार्ड सदस्य संजय कुमार दास, मुखिया प्रतिनिधि नामित कुमार अग्रवाल, जेएसपीएल ग्रुप के कुंती देवी, बाला देवी, मीना देवी, सुनीता देवी, बाला देवी, ममता देवी, कविता देवी, पूनम कुमारी, उषा देवी, सुनीति देवी, ममता देवी, आरती देवी, भारती देवी, पिंकी देवी, कृष्णा देवी, रंजू देवी, अनीता देवी, जोबा देवी, चिंता देवी, नमिता देवी कुमारी, रेखा देवी, तुलसी दास आदि मौजूद थे।

आईएसएम शताब्दी स्थापना सप्ताह का उद्घाटन 9 को

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद अपनी गौरवशाली यात्रा के सौवें वर्ष में प्रवेश करते हुए शताब्दी स्थापना सप्ताह के भव्य शुभारंभ की तैयारियों में जुट गया है। १९२६ में रॉयल स्कूल ऑफ माइंस, लंदन के मॉडल पर स्थापित इस संस्थान ने इंडियन स्कूल ऑफ माइंस एंड एप्लाइड जियोलॉजी के रूप में अपनी शुरुआत की थी। लॉर्ड इरविन की दूरदृष्टि और डेविड पेनमैन जैसे प्रारंभिक अग्रदूतों के मार्गदर्शन में बने इस संस्थान ने एक सदी में खनन शिक्षा से आगे बढ़ते हुए इंजीनियरिंग, भूविज्ञान, ऊर्जा, कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यावरण विज्ञान और उभरते तकनीकी क्षेत्रों में देश के विकास हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शताब्दी स्थापना सप्ताह का शुभारंभ प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्र द्वारा किया जाएगा, जो इस अवसर के मुख्य अतिथि होंगे। डॉ. मिश्र की उपस्थिति इस बात को रेखांकित करती है कि राष्ट्रीय विज्ञान, तकनीक और औद्योगिक विकास में आईआईटी (आईएसएम) की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण रही है। इस अवसर पर डीआरडीओ, ऊर्जा एवं खनन कंपनियों, सार्वजनिक प्रशासन, वैश्विक तकनीकी संगठनों तथा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से कई विशिष्ट जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

उद्घाटन समारोह वैदिक मंत्रोच्चार से आरंभ होगा, जिसके बाद विकसित भारत २०४७ विषय पर अमृतकाल विमर्श आयोजित किया जाएगा। सप्ताह के दौरान होने वाली बौद्धिक चर्चाओं के लिए यह विमर्श भावी तकनीकी एवं सामाजिक दिशा तय करने का आधार बनेगा। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण होगा ज्ञानविज्ञान प्रांगण का उद्घाटन, जिसमें ३ डी मेटावर्स माइनिंग, अत्याधुनिक सिस्मोलॉजी प्रणालियाँ, एआई संचालित डिजिटल ट्विन डैशबोर्ड, रोबोटिक्स और स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रांगण संस्थान की उस प्रगतिशील यात्रा का प्रतीक होगा जिसने इसे एक पारंपरिक खनन विद्यालय से आधुनिक तकनीकी संस्थान के रूप में रूपांतरित किया है।

पूरे सप्ताह के दौरान महत्वपूर्ण खनिज संसाधन, सतत ऊर्जा संक्रमण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिलानेतृत्व वाले नवाचार, माइनिंग ४.०, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, फ्रंटियर जियोसाइंसेस तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक आयोजन होंगे। इसके साथ ही विद्यालयी छात्रों के लिए कार्यशालाएँ, रोबोटिक्स गतिविधियाँ, नवाचार प्रतियोगिताएँ और विज्ञान-प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी आयोजित की जाएँगी। एसपीआईसी मैके, लोक कलाकारों, रंगमंच दलों और छात्र कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ समारोह को और ऊर्जावान बनाएँगी।

समरेश सिंह की पुण्यतिथि मनी

पुटकी (ससे) : पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता स्व. समरेश सिंह की तीसरी पुण्यतिथि पर धनबादबोकारो मुख्य मार्ग के पारबाद पुल के समीप स्थित समरेश सिंह मोड़ पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, शुभचिंतक उपस्थित हुए और दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम जनार्दन पासवान के नेतृत्व में आयोजित की गई। मौके पर सर्वानंद ओझा, महेंद्र सिंह मेनू, कमलाकांत सिंह, सरजू शर्मा, संतोष सिंह, बद्री नारायण सिंह, कृष्ण भुईया, हरेंद्र पासवान आदि उपस्थित थे।

टेबल टेनिस चैंपियनशिप में आयुष ने जीता गोल्ड

कतरास (ससे) : धनबाद डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस चैंपियनशिप २०२५ का आयोजन टीटी एरिना, नेहरू कॉम्प्लेक्स, कोयला नगर में झारखंड स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में धनबाद डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन द्वारा किया गया। विभिन्न आयु वर्गों में जिले भर से प्रतिभागियों ने बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया। इसी प्रतियोगिता में अंडर१५ (बॉयज़) कैटेगरी में आयुष कुमार ने सभी प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया और गोल्ड मेडल अपने

नाम किया। विजेता को एसोसिएशन की ओर से मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किया गया, जिसमें उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रमाणित किया गया है। आयुष कुमार जो सीआईएसएफ के जवान मिथिलेश कुमार के पुत्र हैं, ने अपनी इस उपलब्धि से न केवल धनबाद, बल्कि पूरे झारखंड राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता के दौरान आयुष के कौशल, फुर्ती और लगातार बेहतर प्रदर्शन को आयोजकों एवं दर्शकों ने खूब सराहा। आयोजकों ने कहा कि आयुष जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से जिले के खेलों का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आयुष आने वाले राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह बेहतरीन प्रदर्शन करते रहेंगे। आयुष की इस उपलब्धि से उनके परिवार, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है।

बच्चे सीख रहे आत्मरक्षा के गुर ग्रीन बेल्ट पाकर हुए सम्मानित

धनबाद (कासं) : बैंक मोड़ स्थित द राइट ट्रेक ताइक्वांडो अकेडमी के सेंटर पॉइंट में बेल्ट ग्रेडिंग टेस्ट तथा

सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रोटी बैंक के अध्यक्ष रवि शेखर ने बच्चों को बेल्ट तथा सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों को हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। सम्मानित हुए बच्चों में नूर व्यास, आराध्या पांडे, रितु कुमारी, लिखीता शर्मा, प्राची, श्रुति शर्मा, सांची गोस्वामी, मिस्बा, सोनाली कुमारी, आदिति श्रीवास्तव, पहल जैन, दीक्षा, युवान गोयल, समृद्ध, वैभव, रितेश, राज आर्य, आर्यन, सुनीरमल, रुद्र चौहान, फरहाद अंजुम, उदय पंडित, रजत गुप्ता, दीपक, अयान देय, अभिजीत प्रजापति तथा कोच विशाल कुमार पंडित, भवानी कुमार चौहान शामिल है। मौके पर समाजसेवी नीलकमल खवास ओर ताइक्वांडो एकाडेमी सेंटर प्वाइंट के सभी सदस्य उपस्थित थे।

पूर्व सांसद राजकिशोर महतो की पुण्यतिथि आज

बलियापुर (ससे) : झारखंड के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो के पुत्र व पूर्व सांसद राजकिशोर महतो की पांचवीं पुण्यतिथि २ को है। जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सुबह दस बजे से माल्यार्पण का कार्यक्रम किया जायेगा। इसके अलावा खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन विधायक चन्द्रदेव

महतो करेंगे। बैठक में कॉलेज के सचिव अधिवक्ता राहुल कुमार महतो, प्राचार्य डॉक्टर जितेंद्र महतो, सतीश प्रसाद, संतोष कुमार महतो, परिमल कुमार महतो, निर्मल कुमार महतो आदि थे।

आरएसपी कॉलेज में पॉक्सो एक्ट पर जागरूकता कार्यक्रम

बलियापुर (ससे) : आरएसपी कॉलेज, झरिया, बेलगड़िया में पॉक्सो एक्ट पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ,साथ ही लिंग समानता पर शपथ लिए गए जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. नीलेश कुमार सिंह ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ता डॉ अजय कुमार झा ने बतौर मुख्य अतिथि इस विषय पर छात्रों एव शिक्षकों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में डॉ. भावना और डॉ. मनोरंजन सिंह ने भी अपने विचार रखें. इस कार्यक्रम में पॉक्सो एक्ट, जेंडर समानता और कार्यस्थल पर महिलाओं के संरक्षण के विषय में जागरूकता बढ़ाने के लिए चर्चा की गई।

प्राचार्य ने उपस्थित सभी शिक्षकों, गैरशिक्षक कर्मचारियों और छात्रछात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों का

उद्देश्य केवल संकल्प लेना नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक जीवन मे अपनाना चाहिए। यह कार्यक्रम धनबाद क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थान में महिलाओं की सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल थी, जिसमें बीएड विभाग तथा अन्य विभागों के लोग शामिल थे। इस आयोजन का मुख्य फोकस कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति हो रहे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को रोकना और इसके प्रति संवेदनशीलता पैदा करना था। इस तरह के कार्यक्रम संस्थान में एक सुरक्षित, समान और सम्मानपूर्ण माहौल बनाने में सहायक होते हैं, जिससे सभी वर्गों के लोग अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होते हैं।

पांच की दिल्ली रैली प्रशासनिक रोक के बाद स्थगित

धनबाद (कासं) : टेट की अनिवार्यता के विरोध में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा केंद्र सरकार के समक्ष एक सम्मानजनक संख्या के साथ विशाल रैली आयोजित करने की घोषणा की गई थी। इस आंदोलन को देशभर के शिक्षकों का व्यापक समर्थन मिल रहा था, लेकिन प्रशासनिक प्रतिबंधों के कारण कार्यक्रम को तत्काल स्थगित करने की घोषणा की गई है। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ एवं टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के हवाले से शिक्षक नेता राजकुमार वर्मा ने यह जानकारी दी है। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा तथा महासचिव राममूर्ति ठाकुर के अनुसार एमसीडी, दिल्ली और दिल्ली पुलिस द्वारा प्रारंभिक स्वीकृति मिलने के बाद भी बिना किसी स्पष्ट कारण के रामलीला मैदान देने से इनकार कर दिया गया।

नवंबर में एनएमडीसी का उत्पादन 11 व बिक्री 4 प्रतिशत बढ़ी

हैदराबाद (ससे) : भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने नवंबर २०२५ और इस वित्तीय वर्ष का अब तक का मजबूत प्रचालन प्रदर्शन दर्ज किया, जो स्थापना के बाद इस माह और अप्रैलनवंबर अवधि, दोनों के लिए, अब तक के उच्चतम उत्पादन और बिक्री के आंकड़े दशति हैं। ये मजबूत आँकड़े वित्त वर्ष २०२५२६ के लिए वॉल्यूम में निरंतर वृद्धि, प्रचालन प्रबंध और आपूर्तिश्रृंखला की मजबूती को दर्शाती है।

नवंबर २०२५ को समाप्त माह के लिए, एनएमडीसी ने रिकार्ड स्तर पर किसी भी नवंबर माह के लिए अपना अबतक का सर्वश्रेष्ठ मासिक प्रदर्शन दर्ज किया, जिसमें उत्पादन बढ़कर ५.०१ मिलियन टन हो गया, जो नवंबर २०२४ में ४.५१ मिलियन टन से वर्षदर-वर्ष ११ प्रतिशत अधिक है, और बिक्री ४.१७ मिलियन टन तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में ४.० मिलियन टन से ४% अधिक है। उत्पादन भी मासिक लक्ष्य से १ प्रतिशत अधिक हुआ, जो कि खनन क्षमता के कुशल उपयोग और कंपनी की परिसंपत्तियों के उन्नत प्रचालन प्रबंध को दर्शाता है।

एनएमडीसी ने वित्तवर्ष २६ में मजबूत प्रचालन बनाए रखा, जिसमें उत्पादन बढ़कर ३१.४८ मिलियन टन हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में २६.०६ मिलियन टन से २१% अधिक है और अप्रैलनवंबर उत्पादन में रिकार्ड बनाया, जबकि बिक्री ३०.२८ मिलियन टन तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष २५ में इसी अवधि के दौरान २७.८४ मिलियन टन से ९ प्रतिशत अधिक है।

अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने इस प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा: नवंबर माह और इस वर्ष अबतक एनएमडीसी का प्रदर्शन दृढ़ प्रचालन प्रबंध और मजबूत निष्पादन को दर्शाता है। दक्षता में सुधार और उच्च-गुणवत्ता वाले लौह अयस्क की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करके, हम अपने हितधारकों को निरंतर मूल्यसंवर्धन प्रदान करते हुए भारत के इस्पात क्षेत्र का समर्थन जारी रखते हैं।

इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी की सभी तीन उत्पादन इकाइयों ने सामूहिक रूप से रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया है। इस्पात मंत्रालय के तहत एक नवरत्न सीपीएसई के रूप में, एनएमडीसी एक मजबूत रणनीतिक दृष्टिकोण बनाए रखता है, जो स्थिर घरेलू मांग और खनन उत्पादकता एवं लागत प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए की जा रही पहलों द्वारा समर्थित है।

सीएमडी बीसीसीएल ने करमाटांड टाउनशिप का किया दौरा

धनबाद (कासं) : सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने करमाटांड़ टाउनशिप का दौरा कर पुनर्वासित परिवारों से संवाद किया और उनकी आवश्यकताओं, समस्याओं एवं सुझावों का विस्तृत रूप से संज्ञान लिया। सीएमडी अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया सहित बीसीसीएल मुख्यालय तथा जेएमपी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ टाउनशिप पहुँचे और संशोधित झरिया मास्टर प्लान के तहत अग्नि-प्रभावित क्षेत्रों से स्थानांतरित परिवारों से मुलाकात कर उनके जीवनयापन से संबंधित विभिन्न पहलुओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने टाउनशिप में बिजली, पेयजल आपूर्ति, सड़क एवं स्वच्छता व्यवस्था, सामुदायिक सुविधाओं एवं रोजगार/आजीविका से जुड़ी स्थानीय आवश्यकताओं पर परिवारों से बातचीत की तथा उनके द्वारा साझा किए गए सुझावों और शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि सभी आवश्यक उपाय त्वरित गति से लागू कर टाउनशिप में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए। अपने संबोधन में श्री अग्रवाल ने कहा कि झरिया पुनर्वास भारत सरकार की प्राथमिक परियोजनाओं में से एक है और हाल ही में कोयला सचिव विक्रम देव दत्त तथा कोल इंडिया के अध्यक्ष सनोज कुमार झा द्वारा किए गए निरीक्षण एवं मार्गदर्शन के अनुरूप बीसीसीएल करमाटांड और बेलगड़िया टाउनशिपों को मॉडल पुनर्वास टाउनशिप के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंनें कहा की करमाटांड़ टाउनशिप का समुचित विकास हमारी शीर्ष प्राथमिकताओं में है, और पुनर्वासित परिवारों को सड़क, पानी, स्वास्थ्य सहित अन्य सार्वजनिक सुविधाएँ और आजीविका के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए हम सतत् प्रयत्नशील है।

सीएमडी श्री अग्रवाल ने इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए और कहा कि सभी संबंधित अधिकारी पुनर्वासित परिवारों से नियमित रूप से संवाद करें तथा उनकी शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करते हुए सुविधाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता पर सतत् निगरानी रखें। निरीक्षण कार्यक्रम में महाप्रबंधक (जेएमपी) राजीव चोपड़ा, महाप्रबंधक (असैनिक) सुमन कुमार, महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) आई.पी. सिंह, महाप्रबंधक (एस्टेट) नन्दलाल अग्रवाल, अपर महाप्रबंधक (लोदना) परवेज़ आलम सहित बीसीसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्र के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

टीनएजर्स ऑनलाइन ठगी और ब्लैकमेलिंग का हो रहे ज्यादा शिकार, सेक्सटॉर्शन ने बढ़ाया खतरा

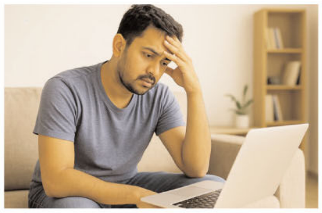

नई दिल्ली,(ईएमएस): देशभर में टीनएजर्स ऑनलाइन ठगी और ब्लैकमेलिंग के नए जाल में फंसते जा रहे हैं। सोशल मीडिया और चैटिंग प्लेटफॉर्म पर युवाओं की बढ़ती सक्रियता अपराधियों के लिए आसानी पैदा करती है। विशेषज्ञों के मुताबिक १३ से १९ वर्ष की उम्र के अधिकांश बच्चे रोजाना ६ से ८ घंटे इंटरनेट पर बिताते हैं, जहां वे अनजाने लोगों से दोस्ती करते हैं और धीरे-धीरे इसका दुरुपयोग शुरू हो जाता है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो ब्लैकमेलिंग का तरीका लगभग हर मामले में समान है, अपराधी लड़कियों के फर्जी प्रोफाइल से लड़कों और लड़कों के प्रोफाइल से लड़कियों से दोस्ती करते हैं। बातचीत रोमांस तक पहुंचती है, फिर वीडियो कॉल या निजी चैट के जरिए बच्चों को जाल में फंसाया जाता है। जब वे मानसिक दबाव में तस्वीरें या वीडियो साझा कर बैठते हैं, तो ब्लैकमेलिंग शुरू हो जाती है। कई पीड़ित युवा अपनी व माता-पिता की गाढ़ी कमाई गंवा देते हैं।

ऐसे मामलों कोई लाख-दो लाख रुपये देकर अपनी जान छुड़ाता है, तो कई परिवार के बच्चे खुद को बचाने के लिए कीमती गहने तक बेच देते हैं।

इस मामले में साइबर क्राइम पोर्टल के आंकड़े स्थिति की गंभीरता बताते हैं। जानकारी अनुसार २०२३ में सेक्सटॉर्शन, साइबर बुलिंग और स्टॉकिंग के १०७० केस दर्ज हुए थे।

२०२४ में यह संख्या बढ़कर ११५९ हो गई। सिर्फ पिछले १० महीनों में ही ९४० शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि असल संख्या इससे कई गुना अधिक है, क्योंकि बदनामी के डर से कई बच्चे और परिवार मामले को पुलिस तक पहुंचाते ही नहीं। स्टेट साइबर क्राइम एसपी दमनवीर सिंह ने मीडिया को बताया, कि पोर्टल पर दर्ज शिकायतें सीधे संबंधित थानों को भेज दी जाती हैं, जहां से विस्तृत जांच शुरू होती है। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि बच्चे समय रहते सतर्क हो सकें।

विशेषज्ञों का कहना है कि टीनएजर्स को सबसे पहले परिवार से 'डिजिटल संस्कार' मिलने चाहिए। पैरेंट्स की थोड़ी-सी सजगता बच्चों को बड़े खतरे से बचा सकती है। इसके लिए जरुरी हो जाता है कि टीनएजर्स को स्मार्टफोन देने के साथ ही साथ उन्हें डिजिटल संस्कार भी दिए जाएं ताकि वो ऐसे किसी जाल में न फंसने पाएं। **अकाउंट 'प्राइवेट' करें:** बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पब्लिक न रहें। फ्रेंड लिस्ट में सिर्फ वही लोग रहें जिन्हें वे असल जिंदगी में जानते हों।

'अनफ्रेंड' की हिम्मत दें: अगर कोई ऑनलाइन दोस्त संदिग्ध बातें करे या निजी जानकारी मांगे तो तुरंत अनफ्रेंड करें। पैरेंट्स बच्चों को भरोसा दिलाएं कि गलती होने पर भी वे डांटेंगे नहीं।

वीडियो की धमकी से न डरें: ब्लैकमेलर अक्सर कहते हैं, वीडियो वायरल कर दूंगा, लेकिन यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म न्यूडिटी को तुरंत ब्लॉक कर देते हैं।

संवाद सबसे बड़ा सुरक्षा कवच: घर में इन खतरों पर खुलकर बात होनी चाहिए। बच्चे को पता होना चाहिए कि किसी भी मुसीबत में सबसे पहले माता-पिता को बताना है।

सबूत न मिटाएं: चैट, स्क्रीनशॉट और ट्रांजेक्शन डिटेल पुलिस के लिए सबसे अहम सबूत हैं। ऐसे किसी भी मामले में शिकायत साईबरक्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर घर बैठे की जा सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता और समय पर संवाद ही बच्चों को डिजिटल अपराधियों से सुरक्षित रख सकता है।

मशहूर वुलर झील विदेशी पक्षियों से हुई गुलजार

श्रीनगर,(ईएमएस): कश्मीर में शीतलहर तेज हो गई है। इस बीच मशहूर वुलर झील ने सर्दियों की रौनक वापस बढ़ गई है। ठंड बढ़ते ही हजारों प्रवासी पक्षी पहुंच गए हैं, जिससे यह इलाका पक्षी प्रेमियों और प्रकृति के चाहने वालों के लिए अद्भुत बन गया है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से हजारों प्रवासी पक्षी कश्मीर के जलाशयों की ओर पहुंच रहे हैं और मशहूर वुलर झील इन विदेशी पक्षियों से भरी हुई है। झील में पक्षियों के झुंड पानी में उतरते, गोते लगाकर उड़ान भरते दिखाई दे रहे हैं। वुलर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी के अधिकारी शोएब मकबूल बताते हैं कि इन दिनों झील के अलगअलग हिस्सों में हजारों प्रवासी पक्षी देखे जा सकते हैं। मकबूल, जो लगातार पक्षियों के आगमन का दस्तावेज आदि तैयार कर रहे हैं, वे बताते हैं कि ये परिंदे साफ और शांत इलाकों को पसंद करते हैं, जहां सूक्ष्म जीव और छोटी मछलियां भरपूर हों। कीचड़ हटाए गए हिस्सों में सालभर पानी रहता है, जिससे अलगअलग प्रजातियों के लिए अनुकूल माहौल बनता है।

पड़ोसी मुल्क को लेकर बोले नौसेना प्रमुख हमें थोड़ा इंतजार करना होगा

नई दिल्ली(ईएमएस): नौसेना प्रमुख ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह बांग्लादेश को मित्र के अलावा कुछ और कहने से अब भी परहेज करेंगे, क्योंकि यह एक अस्थायी और क्षणिक दौर हो सकता है। उन्होंने कहा, हमें इंतजार करना होगा। बांग्लादेश में अभी चुनाव होने बाकी हैं, इसलिए हमें अभी अपनी टिप्पणी बचाकर रखनी चाहिए। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि वह अब भी बांग्लादेश को मित्र कहना पसंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि पड़ोसी देश में स्थिति सुधरेगी। पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध-प्रदर्शन के कारण शेख हसीना सरकार गिर गई थी, जिसके बाद वहां एक ऐसी सरकार बनी, जिसका भारत के प्रति दोस्ताना रुख नहीं रहा है।

वह यहां नौसेना फाउंडेशन पुणे इकाई द्वारा आयोजित 'भारतीय नौसेना : भू-राजनीति, प्रौद्योगिकी और रणनीति के बीच नौवहन' विषय पर एडमिरल जेजी नाडकर्णी स्मारक व्याख्यान देने के बाद प्रश्न-उत्तर सत्र में आप शामिल हुए थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत में शरण लेने वाली हसीना को १७ नवंबर को एक विशेष न्यायाधिकरण ने उनकी गैरमौजूदगी में 'मानवता के खिलाफ अपराध' का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी। बांग्लादेश ने कहा है कि वह भारत से जल्द से जल्द हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। नौसेना प्रमुख ने कहा, हम यहां उनके कर्मियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। मैंने आज सुबह ही एनडीए से पास आउट हुए एक बांग्लादेशी अधिकारी कैडेट से मुलाकात की। सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण करने के बाद, मेरी पहली यात्रा बांग्लादेश की निर्धारित थी। एक और राजधानी की यात्रा का भी प्रस्ताव था, लेकिन मैंने मना कर दिया। (मैंने कहा) मुझे बांग्लादेश जाना चाहिए, जो हमारा पहला साझेदार है। गर्मजोशी, आतिथ्य और भारत ने जो कुछ किया है, उसके प्रति अद्भुत भावना थी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा आशावादी और आश्वस्त रहेंगे कि जहां तक बांग्लादेश का सवाल है, चीजें बदल जाएंगी।

पाकिस्तानी नौसेना द्वारा स्वदेशी हाइपरसोनिक पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल एसएमएएसएच के सफल परीक्षण से जुड़े सवाल पर एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, हम भी राष्ट्रीय स्तर पर इसकी तैयारी कर रहे हैं। हमारे कई वैज्ञानिक इस पर काम कर रहे हैं। यह विघटनकारी और विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में से एक है, जिस पर हम डीआरडीओ और उद्योग के साथ सहयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमने यह चुनौती सभी प्रतिभाशाली लोगों के सामने रखी है और हम आपके सुझावों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि सरकारी स्तर पर खतरे और आवश्यक प्रतिक्रियाओं को पूरी तरह से स्वीकार किया गया है और बहुत से लोग इस पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय नौसेना को उसी तरह एकीकृत किया गया है, जिस तरह 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय वायु सेना और सशस्त्र बलों की वायु रक्षा को एकीकृत किया गया था, एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है और इससे जुड़ी किसी भी चीज पर चर्चा से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, तीनों सेनाओं की वायु रक्षा एकीकृत है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ऐसा किया गया था और नौसेना पूरी तरह से इस राह पर है। यह पूछे जाने पर कि क्या दक्षिण चीन सागर में चीन के जासूसी जहाजों की मौजूदगी मिसाइल परीक्षणों में देरी का कारण बन रही है, नौसेना प्रमुख ने 'न' में जवाब दिया। उन्होंने कहा, मैंने भी चीनी जासूसी जहाजों की मौजूदगी से जुड़ी खबरें पढ़ी हैं, लेकिन मुझे इसके चलते किसी भी परीक्षण में देरी होने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। यह किसी की मनगढ़ंत कहानी हो सकती है, या फिर किसी उद्देश्य के चलते फैलाया जा रहा विमर्श भी हो सकता है।

शशि थरूर ने सेहत के बहाने कांग्रेस से बनाई दूरी

नई दिल्ली(ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों की कई बार तारीफ कर चुके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को झटका दिया है। हाल ही में एसआईआर के विरोध में रणनीत बनाने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी शशि थरूर शामिल नहीं हुए। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। वहीं अब संसद के शीतकालीन सत्र की रणनीति को लेकर हुई बैठक में भी वह गैरहाजिर रहे। अब सवाल यह है कि एक दिन पहले ही वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हाजिर थे। वहीं एक दिन बाद ही कांग्रेस की बैठक से किनारा कर गए।

थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था। अब सोशल मीडिया पर भी शशि थरूर के रवैये को लेकर हलचल है। लोगों का कहना है कि क्या शशि थरूर बीजेपी में जाने का प्लान कर रहे हैं? बीते दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे तब शशि थरूर ने उनका भाषण सुना और फिर जमकर तारीफ की। उन्होंने शिक्षा पर की गई उनकी टिप्पणी को भी सराहा था। जबकि इस भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलामी की मानसिकता बताते हुए कांग्रेस की खूब आलोचना की थी।पीएम मोदी की तारीफ को लेकर कांग्रेस के अन्य नेताओं ने उन्हें निशाने पर भी लिया था। थरूर ने सफाई देते हुए बताया कि वह केरल में थे। वह ९० वर्षीय मां के साथ थे और इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो सके। इस बैठख में कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल नहीं हो पाए थे।

Government of Jharkhand
Urban Development and Housing Department
PHUSRO NAGAR PARISHAD (BOKARO)

Very Short Term Notice Inviting Tender
E-Tender Notice No. : - PMC/02/2025-26

Group No.	Tender Reference No.	Description	Estimated Cost in Rs.	Earnest Money in Rs.	BOQ Document Fees in Rs.	Duration for Work
1	2	3	4	5	6	7
1	PMC/01/02 /2025-26	Repair and Maintenance work of PCC Road in Ward No.01 (Bermo Seem) Near Peepal tree at Ganesh Mandap to Balgovind Bhuiya's House, Main Road Durga Mandap to Dilip Singh's House, Near Main Road Anugrah Nagar, Main Road to Anil Singh's House and Ward No.2 (Ramnagar) Manoj Ram's House to main raod near Hanuman mandir, Shamsulhak's Shop to Samudaik Bhavan upto a Length of 705.400 mtr Under Phusro Nagar Parishad (Bokaro).	18,51,289	37,100	5000	04 Month
2	PMC/02/02 /2025-26	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80 mm thick (M35) near Shiv Mandir in Birsa Nagar Ward No. 4 upto Area 1953.596 Sqm Under Phusro Nagar Parishad (Bokaro).	24,50,822	49,100	5000	04 Month
3	PMC/03/02 /2025-26	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80 mm Thick (M35) near Bicky Kumar House to Shambhu Rawani House in Subhash Nagar Ward No. 05 upto Area upto 222.00 Sqm Under Phusro Nagar Parishad (Bokaro).	3,36,482	6,800	1000	04 Month
4	PMC/04/02 /2025-26	Repair and Maintenance work of PCC Road Work Ward-08 sanjay chouhan house to Dr R K Ram house via well. Ward-14 Sbi bank to vijay saw house Under Phusro Nagar Parishad.	20,51,582	41,100	5000	04 Month
5	PMC/05/02 /2025-26	Providing and Constructing of PCC Road work from devi asthan to sampa devi house,sampa devi house to mahendra prajapati house,mahendra prajapati house to jodianalapar road upto 515 M Length Ward 09 Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro).	18,00,887	36,100	5000	04 Month
6	PMC/06/02 /2025-26	Providing and Constructing of PCC Road work from near kantaghar to jeetan singh house via shantighar house More upto 655 M Length Ward-09 Under Phusro Nagar Parishad.	22,90,448	45,900	5000	04 Month
7	PMC/07/02 /2025-26	Providing and Constructing of PCC Road work from dalo devi house to nala, shiv nandan paswan to Arvind singh house, uday paswan house to football round boundary via Deepak paswan house and lal singh house & Repair and maintenance of road from main road to prahlal house near handpump, anugrah singh house to chandan ram house, Zakir hussain house to bhola rai house upto 489 M Ward - 10, 13 & 14 Under Phusro Nagar Parishad.	20,73,278	41,500	5000	04 Month
8	PMC/08/02 /2025-26	Providing and Constructing of PCC Road work from chotka house to rajesh munda house, satyendra chouhan house to upendra shani house, biswanath bhuiya house to hiralal bhuiya house and Repair & Maintenance of road form ramesh bhuiya house to dara singh house upto 295 M Length Ward No.-11 Under Phusro Nagar Parishad.	8,93,087	17,900	5000	04 Month
9	PMC/09/02 /2025-26	Repair and Maintenance of PCC Road work from old ccl office opposite to sbi bank to niche dhoura road Ward 08 and Central Colony Ward 10 to 07 digital studion neat sai mandir to culvert upto 203 M Length Under Nagar Parishad Phusro(Bokaro)	9,96,987	20,000	5,000	04 Month
10	PMC/10/02 /2025-26	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80 mm Thick (M35) ward 13 & 14 Railway Crossing via Mahi ladies beauty Parlour via Mandir to Bhardawaj Hotel to Shiv Narayan Mandir.	24,99,012	50,000	5,000	04 Month
11	PMC/11/02 /2025-26	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80 mm Thick (M35) Ward 13 Jeevanand house to neera fashion, near opposite to mandir shop,near dhori school, razzak house to pinku house (opp. To niranjari bhavan), Masjid Campus.	23,29,829	46,600	5,000	04 Month
12	PMC/12/02 /2025-26	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80 mm Thick (M35) Ward 08 Niche Dauda front of Sabha Bhavan, Sabhaghar Middle School, Upar dauda near bajrang bali mandir campus, Near Samudayik Bhavan Magazine Dauda	22,97,747	46,000	5,000	04 Month
13	PMC/13/02 /2025-26	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80 mm Thick (M35) Ward 09 Karipani Middle School Karipani campus,Gram devta Asthal, Shiv Mandir Campus, Ganesh Mandap Campus.	24,28,347	48,600	5,000	04 Month
14	PMC/14/02 /2025-26	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80 mm Thick (M35) Ward 10 sharda colony hanuman mandir,nav prathmik vidya sharda colony, near karma puja place, satnam bhavan.	12,11,389	24,300	5,000	04 Month
15	PMC/15/02 /2025-26	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80 mm Thick (M35) Ward. No-14 Behind Veer Kunwar Singh Club and Ward No-12 Sadhu Bhuiya house via Parmeswar house to Bachiya Devi house, Shakti house to Sadhu Bhuiya house, Sadhu Bhuiya house to Rajni Devi house, Near Mansa Mandir Ramroop house,Ashok Chauhan house to Sudama Yadav house via Poona Nonia.	6,29,011	12,600	5,000	04 Month

1. Date of Publication of Tender on website (Online) - 12.12.2025 From 10:30 AM (Uploading of Bid Online Only)
2. Date of Downloading of Tender on website (Online) - 13.12.2025 From 10:30 AM (Downloading Bid Online Only)
3. Last Date and Time of Submitting of Bids (Online) - 20.12.2025 up to 05:00 PM (Submitting Bid Online Only)
4. Date and Time of Opening of Bid (Online Only) – 22.12.2025 From 10:30 AM (Opening of Bid Online Only)
5. Name of E-Tender Notice Inviting Officer (Online) - Mr. Rajeev Ranjan (Administrator, Phusro Nagar Parishad)
6. Name and Address of E-Tender Notice Inviting Office - Office of The Administrator, Phusro Nagar Parishad (Bokaro)
7. Contact No. of E-Procurement Officer – 06549-356303
8. Help Line No. of E-Procurement Office - 06549-356303
9. Only E-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Administrator
Phusro Nagar Parishad, Bokaro

PR 367447 Urban Development(25-26)#D

जिला परिषद कार्यालय, जामताड़ा

(आम सूचना)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चिचुरबिल फेरिघाट का बन्दोवस्ती डाक द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 (बन्दोवस्ती तिथि से माह मार्च-2026 तक) के लिए किया जाना है। डाक दिनांक 10.12.2025 को 12:30 बजे अपराह्न से जिला परिषद कार्यालय (कम्बाईण्ड बिल्डिंग के पीछे), जामताड़ा में अधोहस्ताक्षरी के द्वारा किया जायेगा। जिसका न्यूनतम डाक राशि 54,570/- (चौवन हजार पाँच सौ सत्तर) रूपये प्रतिमाह की दर से है। इच्छुक व्यक्ति उक्त तिथि को उपस्थित होकर नाजिर जिला परिषद जामताड़ा से 5500/-(पाँच हजार पाँच सौ) रूपये जमा कर डाक में भाग लें सकते है।

ह0/-
उप विकास आयुक्त-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद जामताड़ा।

PR 367405 (Rural Development) 25-26 (D)

जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा।
(जिला पंचायत राज शाखा)
Email Id :- dprojamtara1@gmail.com

नगरपालिका आम निर्वाचन 2025–26 के निमित्त अति अल्पकालीन पुनर्निविदा का आमंत्रण की सूचना

आगामी नगरपालिका आम निर्वाचन 2025–26 के सफल संचालन हेतु मतपेटिकाओं की आवश्यकतानुसार तैलीयकरण, रंगाई–पोताई एवं मरम्मति हेतु अति अल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रित किया जा रहा है:–

कम	आमंत्रित सामग्री की विवरणी	निविदा डालने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	निविदा खोलने का स्थल
1	3	4	5	6
1	मतपेटिकाओं की आवष्यकतानुसार तैलीयकरण, रंगाई–पोताई एवं मरम्मति	06.12.2025 अप0 03:00 बजे तक	08.12.2025 अप0 03:00 बजे तक	जिला समाहरणालय सभाकक्ष, जामताड़ा।

उपरोक्त आमंत्रित की जा रही निविदा की पूर्ण विवरणी जिला के वेबसाईट www.jamtara.nic.in पर अपलोड कर दिया गया है।

अतः वैसे निविदादाता जो निविदा शर्त के अनुरूप निविदा भरने के इच्छुक हैं, वे अपना पूर्ण भरा हुआ निविदा लिफाफा दिनांक 06.12.2025 के अप0 03:00 बजे तक जिला पंचायत राज कार्यालय, जामताड़ा में जमा कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)
–सह–उपायुक्त, जामताड़ा।

PR 367406 Jamtara(25-26)D

कार्यालय, चास नगर निगम
चास (बोकारो)
E-mail.Id:- chasmunicipalcorporation@gmail.com., Phone No-06542-265416

ज्ञापांक :–3530 **–: आम सूचना :–** दिनांक 01/12/2025

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत चास शहरी जलापूर्ति योजना फेज–01 एवं 02 में नये उपभोक्ताओं को निःशुल्क मीटर सहित जल संयोजन का कार्य जुडको राँची द्वारा चयनित एजेंसी जुस्को जमशेदपुर के माध्यम से किया जा रहा है। नये जल संयोजन हेतु आवेदकों को आधार कार्ड की छायाप्रति, होल्डिंग टैक्स की प्रति एवं आवेदन फॉर्म कार्यालय में जमा करना आवश्यक है। साथ ही जल संयोजन में अधिष्ठापित मीटर का संरक्षण किया जाना उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी है। यदि किसी परिस्थिति में मीटर के साथ कोई भी व्यक्ति, जो जानबूझ कर/उपेक्षा से किसी मीटर या मीटर के किन्हीं जोड़ो को क्षति पहुँचाता है, तो जुर्माना के तौर पर 10,000/– रुपयें वसूला जायेगा।

मीटर खराब होने की स्थिति में इसकी सूचना उपभोक्ता द्वारा कार्यालय चास नगर निगम में देना होगा एवं मीटर खराब रहने की स्थिति में मासिक जलसंयोजन का निर्धारण उपभोक्ताओ के विगत तीन माह का विपत्र का औसत गणना करते हुए वसूल की जायेगी।

जल उपभोक्तओं का जल शुल्क का भुगतान लगातार दो माह तक नहीं किए जाने की स्थिति में कार्यालय चास नगर निगम द्वारा उपभोक्ताओं से 1.5% प्रतिमाह ब्याज के साथ मासिक जल शुल्क की वसूली की जायेगी।

जल संयोजन में अधिष्ठापित मीटर की चोरी/गायब/छेड़–छाड़ से संबंधित शिकायत निगम कार्यालय को प्राप्त होने की स्थिति में मीटर चोरी करने वाले व्यक्ति एवं खरीदने वाले व्यक्तिओं पर नगरपालिका अधिनियम, 2011 के तहत कार्रवाई की जायेगी।

प्रशासक–सह–अपर नगर आयुक्त
चास नगर निगम

PR 367474 Urban Development(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 960 दिनांक 27.11.2025 द्वारा प्रकाशित निविदा संख्या WRD/MID/DHANBAD/F_2-22/2025-26, Dated 27-11-2025 का पी0 आर0 संख्या 367252 Irrigation (25-26) D एवं में अंकित योजना- Renovation of Chanchi M.I. Scheme, Block-Tundi,Dist.- Dhanbad निर्माण में निम्नांकित संशोधन किया जाता है।

1. यह निविदा Single BID होगा।
2. निविदा से संबंधित शष भार्ते पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद।

PR.NO.367446 Minor Irrigation(25-26):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो

ई–प्रोक्युरमेंट सूचना
(एस0बी0डी0 आधारित ई–निविदा)

ई–निविदा प्रसंग संख्या–RCD/BOKARO/1673 /F.Y. 2025-26
दिनांक–01.12.2025

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमण्डल, बोकारो अन्तर्गत अमलो प्रोजेक्ट से गांधी चौक पथ के IRQP (Improvement of Riding Quality) कार्य (कुल लम्बाई 4.30 कि0मी0) वर्ष 2025–26
2.	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रू0 7,11,35,358.00 (सात करोड़ ग्यारह लाख पैंतीस हजार तीन सौ अठावन रूपये) मात्र।
3.	कार्य पूर्ण होने की अवधि	02 (दो) माह।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन होने की तिथि एवं समय	10.12.2025, 12.00 बजे दोपहर।
5.	बिड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	31.12.2025, 12.00 बजे दोपहर तक।
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यालय, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो
7.	प्रोक्युरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	06542–265569
8.	ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2400210

नोट :– प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकती है।
विस्तृत ब्यौरा के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल, बोकारो

PR 367460 Road(25-26).D

पूर्व मंत्री प्रेम कुमार ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति से यह बड़ी खबर सामने आई है कि भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री प्रेम कुमार ने बिहार विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है. गया सदर विधानसभा क्षेत्र से लगातार जीत हासिल करने वाले प्रेम कुमार का निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना लगभग पक्का माना जा रहा है. उनके नामांकन के समय, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा जैसे वरिष्ठ नेता उनके साथ मौजूद रहे. यह बिहार की १८वीं विधानसभा के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है.

बिहार की १८वीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो चुका है. सत्र की शुरुआत एक संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हुई, जहाँ प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने अपनी भूमिका निभाई और एक-एक करके सभी नवनिर्वाचित विधायकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. विधायकों के शपथ ग्रहण करने के बाद, विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई. प्रेम कुमार ने इसी मौके पर अध्यक्ष पद के लिए अपना पर्चा दाखिल किया. चूंकि विपक्ष या किसी अन्य दल की ओर से कोई और उम्मीदवार मैदान में नहीं आया है, इसलिए उनका निर्विरोध चुना जाना तय है.

प्रेम कुमार को यह बड़ी जिम्मेदारी उनकी लंबी और सफल राजनीतिक यात्रा के कारण मिली है.

भाजपा के एक वरिष्ठ और मजबूत नेता हैं. उन्होंने गया सदर विधानसभा सीट से लगातार नौवीं बार विधायक बनकर एक रिकॉर्ड कायम किया है. इसके अलावा, उन्होंने बिहार सरकार में विभिन्न विभागों के मंत्री के रूप में सफलतापूर्वक कार्य किया है और उन्हें विधानसभा में विपक्ष के नेता रहने का भी गहन अनुभव है. उनके पास सदन के अंदर और बाहर, दोनों जगह काम करने का विशाल अनुभव है, जो उन्हें इस प्रतिष्ठित पद के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है.

प्रेम कुमार के निर्विरोध निर्वाचन के पीछे सदन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की मजबूत पकड़ सबसे बड़ा कारण है. हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों में, भाजपा ने ८९ सीटों पर जीत हासिल की और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) ने ८५ सीटें जीतीं.

इस गठबंधन में, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (आर) ने १९ सीटें जीतकर अपनी मज़बूती साबित की, जबकि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को ५ और राष्ट्रीय लोक मोर्चा को ४ सीटों पर जीत मिली. वहीं, मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) केवल २५ सीटें और कांग्रेस सिर्फ ६ सीटें जीत पाई है.

एनडीए का यह स्पष्ट बहुमत दर्शाता है कि प्रेम कुमार को अध्यक्ष पद पर चुनौती मिलना लगभग असंभव था.

विभा देवी नहीं पढ़ पाईं शपथ

पटना (ईएमएस): १८वीं विधानसभा के पहले सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी और नवादा से जदयू विधायक विभा देवी शपथ पत्र नहीं पढ़ पाई। अटक-अटक के किसी तरह से शपथ पढ़ रही थीं। इस बीच उन्होंने पास बैठी विधायक मनोरमा देवी से बताने को कहा। फिर मनोरमा देवी के प्रॉम्प्ट करने के बाद उन्होंने टूट-फूटे शब्दों में शपथ ली।

वहीं बाहुबली अशोक महतो की पत्नी और वारिसलीगंज विधायक अनीता देवी ने बहुजन के नेताओं कोट करते हुए शपथ लेना शुरू किया। उन्होंने कहा, मैं बहुजन समाज की बेटी अनीता, रुहानी आशीर्वाद लेते हुए बाबा साहब को याद करते हुए शपथ लेती हूं.... जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका।

तेजस्वी यादव ने ईश्वर की शपथ लेकर संभाला विधायक पद

पटना (ईएमएस): बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र का सोमवार से आगाज हो गया। सत्र के पहले दिन राघोपुर सीट से पुनः निर्वाचित हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने ईश्वर की शपथ लेकर विधायक पद की शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण के साथ ही स्पष्ट हो गया कि वे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे, जिससे आने वाले दिनों में सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव तेज होने की संभावना है।

सत्र के आरंभ में सबसे पहले उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शपथ ली, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने विधिवत शपथ ग्रहण किया। इसके बाद मंत्रियों और विधायकों को वरीयता क्रम के अनुसार शपथ दिलाई गई। विधानसभा सचिव द्वारा क्रमवार रूप से विधायकों को मंच पर बुलाया गया। शपथ ग्रहण से पूर्व प्रोटेम स्पीकर ने सदन को संबोधित किया, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहे। शीतकालीन सत्र का यह पहला दिन राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण रहा क्योंकि कुल २४३ नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण होना था। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई। दो दिसंबर को नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। यह १८वीं विधानसभा का पहला सत्र है, जो हालिया चुनाव और नई सरकार के गठन के बाद बुलाया गया है। आगामी पाँच दिनों तक चलने वाले इस सत्र में कुल पाँच बैठकें होंगी।

सदन के भीतर राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है। विपक्ष, विशेषकर राजद, शपथ ग्रहण के साथ ही सरकार को घेरने की तैयारी में जुट गया है। नेता प्रतिपक्ष बनने जा रहे तेजस्वी यादव ने सदन पहुंचते ही संकेत दे दिए कि वे महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और चुनाव के दौरान उठे 'वोट चोरी' के मुद्दे पर सरकार से कठोर सवाल पूछेंगे। वहीं सत्ता पक्ष भी विपक्ष के सवालों का जवाब देने को पूरी तरह तैयार है, जिसकी झलक शपथ ग्रहण के बाद नेताओं के बीच हुई चर्चा में भी दिखाई दी। सिर्फ विधानसभा ही नहीं, विधान परिषद का भी तीन दिवसीय सत्र ३ दिसंबर से ५ दिसंबर तक आयोजित होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे और विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा होगी।

तेजस्वी यादव के शपथ ग्रहण के साथ ही राजनीति के एक नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है, जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों ही अपनी-अपनी भूमिका को बेहद सक्रियता के साथ निभाने के मूड में दिख रहे हैं।

भगत सिंह के इंकलाब का बीज आजमगढ़ की माटी में जीवित

लखनऊ,(ईएमएस): उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन, नौजवान भारत सभा की शताब्दी पर भगत सिंह के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर एक राष्ट्रीय परिसंवाद (सेमिनार) हुआ। इस कार्यक्रम में प्रो. जगमोहन सिंह (भगत सिंह के भांजे) का संबोधन हुआ , जो शहीद भगत सिंह शताब्दी फाउंडेशन के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के इंकलाब (क्रांति) का बीज आजमगढ़ की माटी में जीवित है। उन्होंने शिब्ली मंजिल, राहुल जन्म स्थान पंदहा और निजामाबाद गुरुद्वारे का उल्लेख करते हुए भगत सिंह के विचारों को आज भी प्रासंगिक बताया। भगत सिंह ने २३ साल की उम्र में ३५० किताबों का अध्ययन किया था। उनका मानना था कि युवाओं को अध्ययन करना चाहिए ताकि वे हर सवाल का जवाब दे सकें।

भगत सिंह की सोच के ५ बिंदुः धर्म के जुनून से मुक्ति, जाति से मुक्ति, महिलाओं की आजादी, समाज में गैरबराबरी का अंत और देश से पूंजीवाद का खात्मा करना था। उन्होंने कहा कि भगत सिंह समाज को एक सूत्र में जोड़ने का प्रयास कर रहे थे, जबकि संघ और बीजेपी गांधी और नेहरू को कमतर करके खुद को ऊंचा दिखाना चाहते हैं। उन्होंने आजमगढ़ की यात्रा को तीर्थ यात्रा नहीं, बल्कि एक क्रांति यात्रा बताया।

इस कार्यक्रम में अरविंद राज स्वरूप (भाकपा राज्य सचिव) ने कहा कि भगत सिंह १९१७ की रूसी क्रांति से बहुत प्रभावित थे। उनका मानना था कि अगर भगत सिंह को फाँसी नहीं दी गई होती, तो वे कम्युनिस्ट पार्टी में होते। उनका प्रिय नारा इंकलाब जिंदाबाद था, जिसका अर्थ सामाजिक परिवर्तन है। उन्होंने कार्ल मार्क्स के सिद्धांत का उल्लेख किया कि आज जो है, वह कल नहीं रहेगा।कार्यक्रम में जयप्रकाश सिंह (अधिवक्ता) ने कहा कि समाज में बदलाव के लिए भगत सिंह की तरह किताबें पढ़नी होंगी। उन्होंने भगत सिंह की जेल डायरी मैं नास्तिक क्यों हूं का उल्लेख किया, जिसमें समग्र दर्शन है। कार्यक्रम में पहुंचे धर्मेंद्र यादव आजमगढ़ के सांसद, समावादी पार्टी ने आजमगढ़ को समाजवादियों की धरती बताया, जहाँ के लोग हमेशा फासिस्टवादी ताकतों का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने कॉर्पोरेट-परस्त और किसान-मजदूर विरोधी बीजेपी को हटाने की बात कही। भाकपा से जुड़े स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के परिजनों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. शाहीन के घर एनआईए ने की छापेमारी पिता-भाई से 5 घंटे तक की पूछताछ

लखनऊ (ईएमएस): दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर पर सोमवार को एनआईए (नेशनल इंवेस्टीगेशन एजेन्सी) की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान एटीएस भी मौजूद रही। टीम ने शाहीन के पिता और भाई से पांच घंटे तक पूछताछ की। डिजिटल उपकरण समेत अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए। इस दौरान पूरे मोहल्ले में पुलिस का सख्त पहरा रहा। टीम घर के अंदर दरवाजा बंद कर पूछताछ करती रही जबकि बाहर पुलिस तैनात रही। लखनऊ के अलावा टीम ने जम्मू कश्मीर में भी ९ जगहों पर छापेमारी की।

सोमवार की सुबह एटीएस के साथ एनआईए की टीम लखनऊ के लालबाग स्थित खंदारी बाजार पहुंची। यहां पर डॉ. शाहीन का घर है। शाहीन के पिता सईद अंसारी और उनका बड़ा बेटा शोएब इसी घर में रहते हैं। काफी देर तक एनआईए की टीम ने शाहीन के पिता और बड़े भाई से पूछताछ की। टीम सुबह से करीब दोपहर ११:४५ तक दोनों से पूछताछ करती रही। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में हलचल रही। टीम ने करीब ५ घंटे तक छापेमारी की। टीम में एक महिला अफसर समेत करीब १० लोग शामिल थे। टीम के बाहर निकलते समय मीडिया ने अफसरों से रेड के बारे में पूछताछ की, लेकिन कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं हुआ। कुछ ही देर में अफसर कार में बैठकर निकल गए।

इससे पहले जम्मू कश्मीर पुलिस और एटीएस की टीम ने ११ नवंबर को भी शाहीन के घर छापेमारी की थी। २० दिन बाद एएनआई की टीम रेड डालने पहुंची। छापेमारी के बाद शाहीन के पिता ने अंदर से घर का दरवाजा बंद कर लिया था। उन्होंने घर से बाहर निकलना तक बंद कर दिया था। उनका कहना था कि बेटी ऐसा कुछ कर रही है, इस पर विश्वास नहीं हो रहा है। उस दौरान भी पुलिस ने डॉ. शाहीन के घर के आसपास पहरा बैठा दिया था। वहां पर किसी भी तरह के वाहनों के आने जाने व लोगों के निकलने पर पाबंदी लगा दी थी। सोमवार की छापमारी के बाद भी घर के सदस्यों ने टीम के जाते ही दरवाजा बंद कर लिया।

वहीं चर्चा थी कि एनआईए की टीम अपने साथ डॉ. शाहीन को भी लेकर लखनऊ आई थी, टीम उसे लेकर उसके घर नहीं गई।

डीजल के दाम हुए कम

पटना (एजेंसी): इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर-रुपया के एक्सचेंज रेट का सीधा असर हमारे जेब पर पड़ता है, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों के अनुसार ही देश में तेल की कीमतें तय होती हैं. दिसंबर के पहले ही दिन अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल के दामों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है. देश की तेल विपणन कंपनियों ने भी हर रोज की तरह आज (सोमवार, ०१ दिसंबर) भी सुबह ६ बजे पेट्रोल-डीजल की कीमतें जारी कर दी हैं. ये कीमतें विदेशी बाजार में तेल की कीमतों पर तय होती हैं और ये बदलाव हर किसी की रोजमर्रा की जिंदगी में महसूस किए जाते हैं.

बिहार की राजधानी पटना में आज (सोमवार, ०१ दिसंबर) पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है. आज पटना में एक लीटर पेट्रोल की कीमत १०५.२३ रुपये है, जबकि रविवार को पेट्रोल की कीमत में ०.८८ पैसे की गिरावट दर्ज की गई थी. रविवार की सुबह ६ बजे एक लीटर पेट्रोल की कीमत १०५.२३ रुपये की गई थी.

सीएम योगी ने लखनऊ में लगाया जनता दरबार, सुनी समस्याएं

लखनऊ,(ईएमएस): यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में जनता दर्शन के दौरान जन शिकायतों और चिंताओं का समाधान किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। सीएम योगी ने नागरिकों द्वारा प्रस्तुत लिखित आवेदनों की समीक्षा की और उन्हें समय पर सहायता और समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों से भी बातचीत की, उनकी चिंताओं का समाधान किया और उन्हें सामुदायिक विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले १८ नवंबर को भी सीएम योगी ने गोरखपुर में जनता दर्शन किया था। १६ नवंबर को लखनऊ में जनता दर्शन के दौरान जन शिकायतों और चिंताओं का समाधान किया।

जनता दर्शन बैठक में सीएम योगी ने महिलाओं और बच्चों से मुलाकात की और आम जनता द्वारा प्रस्तुत उनकी शिकायतों को सुना। योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरियाणा के झज्जर स्थित सिद्ध बाबा पालननाथ आश्रम में प्राण प्रतिष्ठा और आत्म-भंडारे में भाग लिया और सनातन संस्कृति के महत्व पर बल देते हुए मानव विकास में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि कैलाश के शिव से लेकर रामेश्वरम के मंदिर तक, भारत की आध्यात्मिक विरासत को जोड़ने वाली सनातन संस्कृति, देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है। सीएम योगी ने संभल में चल रहे विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की स्थिति का आकलन करते हुए समीक्षा बैठक भी की।

कोडीन सिरप और नशीली टैबलेट के साथ 5 गिरफ्तार

पटना (एजेंसी): बिहार में साल २०१६ से शराबबंदी कानून लागू है, इसके बावजूद प्रदेश में शराब पीने-पिलाने की खबरें सामने आती रहती हैं. इसको लेकर पुलिस कड़ी कार्रवाई भी करती है. इसी कड़ी में कटिहार पुलिस ने कुर्सेला थाना क्षेत्र में अवैध शराब के काले कारोबार की रीढ़ तोड़ने का काम किया है.

पुलिस ने यहां दियारा क्षेत्र में चल रहे कच्चा शराब निर्माण के ठिकानों पर छापेमारी की. पुलिस अधीक्षक के विशेष निर्देश पर थानाध्यक्ष राकेश कुमार, पुलिस पदाधिकारी सुनील बैठा के नेतृत्व में संयुक्त कार्रवाई रविवार (३० दिसंबर) को देर शाम की गई. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कटरिया कोशी-गंगा नदी के दियारा क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब बनाई जा रही है.

सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर लगभग एक हजार लीटर कच्चा शराब विनष्ट कर दिया तथा चार बड़े भट्ठों को ध्वस्त कर दिया. छापेमारी के दौरान मौके से अवैध शराब निर्माण में उपयोग होने वाली भारी मात्रा में सामग्री भी बरामद की गई. पुलिस ने १०० लीटर देशी शराब, ३१ ड्रम, ०२ बड़े हांडी, ०१ गैस सिलेंडर तथा ०२ मोटरसाइकिल को जब्त किया है. दियारा क्षेत्र में बने अस्थायी ठिकानों को पुलिस टीम ने ध्वस्त करते हुए पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया. बताया जा रहा है कि दियारा क्षेत्र में नदी के बीच बसे टापुओं का फायदा उठाकर कुछ लोगों द्वारा लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार चलाया जा रहा था. पुलिस अब मुख्य आरोपियों की पहचान करने में जुटी है. जल्द ही उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम तैनात की जाएगी.

उधर पटना पुलिस ने नशा माफिया पर बड़ी कार्रवाई करते हुए शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के सीडीए कॉलोनी में भारी मात्रा में अवैध नशीली दवाएं बरामद की हैं. मिली गुप्त सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया. टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापामारी की. छापेमारी के दौरान पुलिस ने ८३०४ लीटर कोडीन सिरप और ७२०० नशीली टैबलेट बरामद की, जिसे अवैध तरीके से परिवहन किया जा रहा था. मौके से नशा तस्करी में शामिल ०५ अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया

इसके साथ ही अवैध परिवहन में उपयोग किए जा रहे वाहन को भी जब्त कर लिया गया है. फिलहाल गिरफ्तार अभियुक्तो से पूछताछ कर आगे की करवाई की जा रही है.

सर्दी का सितम, दो-तीन दिनों में हो सकती है बारिश

पटना (एजेंसी): बिहार में अब सर्दी का असर दिखने लगा है. दिसंबर के पहले दिन से ही कड़ाके की ठंड का भी आगाज हो गया है. रात को सर्दीली हवाओं के कारण काफी ठिठुरन महसूस की गई और सोमवार सुबह-सुबह काफी कोहरा देखने को मिल रहा है. कोहरे के कारण विजिबिलिटी ५०० मीटर तक पहुंच गई है. मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में पछुआ के कारण धीरे-धीरे ठंड में वृद्धि की संभावना है. मौसम विभाग ने इस सप्ताह अधिकतम तापमान की तुलना में न्यूनतम तापमान में गिरावट आने का पूर्वानुमान जताया है, इससे रात में काफी ठंड महसूस होगी.

पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, आज (सोमवार, ०१ दिसंबर) राजधानी सहित सभी जिलों में सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा देखने को मिल सकता है. इसके साथ ही पछुआ हवाओं के कारण गलन महसूस होगी. हालांकि, दिन के वक्त धूप निकलने से राहत मिलने की संभावना है. मौसम विभाग के मुताबिक, बीते २४ घंटों के दौरान पटना सहित प्रदेश के १३ जिलों के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई.

मौसम विभाग ने बताया कि पिछले कई दिनों से कैमूर जिला पूरे बिहार का सबसे ठंडा जिला बना हुआ है. पिछले २४ घंटों के दौरान प्रदेश का सबसे कम तापमान ९.४ डिग्री सेल्सियस कैमूर जिला के अधौरा प्रखंड में दर्ज किया गया है. वहीं राजधानी पटना समेत कई जिलों का न्यूनतम तापमान १० डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है. मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में रात के तापमान में और अधिक गिरावट देखने को मिल सकती है. इसके अलावा चक्रवाती तूफान 'दित्वा' के कारण प्रदेश के कुछ हिस्सों बारिश होने की संभावना भी जताई जा रही है. जिसके चलते भी तापमान में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है.

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के मुखारविंद से कल्कि कथा का वाचन

संभल,(ईएमएस) : यूपी के संभल स्थित एचौड़ा कंबोह में सोमवार से सात दिवसीय भव्य कल्कि महोत्सव का आगाज हो रहा है। यह आयोजन इस बार बहुत खास है क्योंकि इसमें जगद्गुरु रामभद्राचार्य विश्व में पहली बार कल्कि कथा का वाचन करने वाले है। इस कथा का शुभारंभ हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा के साथ होगा। संभल को धार्मिक ग्रंथों में भगवान कल्कि की अवतरण स्थली माना जाता है।

कल्कि महोत्सव के आयोजक कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बताया कि जिस तरह सदियों से राम कथा और कृष्ण कथा होती आ रही है, इसी कड़ी में अब पहली बार भगवान कल्कि की कथा का वाचन होगा। हमारे वेद-पुराणों में इस बात का साफ वर्णन है कि भगवान का अंतिम अवतार कल्कि के रूप में संभल की पावन धरती पर होगा।

आचार्य कृष्णम ने कहा कि यह विश्व की पहली कल्कि कथा है, जो कलयुग में पापों के विनाश का मार्ग प्रशस्त करेगी, जिसका मुख्य उद्घोष है....श्री कल्कि का अवतार, कलयुग का उद्धार। इस कल्कि महोत्सव के लिए १० हजार लोगों के बैठने की क्षमता वाला विशाल पंडाल तैयार किया गया है। साथ ही, करीब एक हजार साधु-संतों के प्रवास हेतु टेंट की कुटिया भी तैयार हैं। महोत्सव में देश के कई बड़े साधु संत और विभिन्न प्रदेशों के मंत्री भी शामिल होने के लिए पहुंचने वाले है। बड़े कार्यक्रमों को देखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं, जिसके तहत एक डिप्टी एसपी, तीन थानों की पुलिस और पीएसी को तैनात किया गया है।

कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य कृष्णम ने ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों सहित कई बड़े राजनेताओं को निमंत्रण भेजा है। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान कैबिनेट मंत्री दिगंबर कामत भी कार्यक्रम में शामिल होने वाले है। प्रमोद कृष्णम ने कहा कि श्री कल्कि धाम का निर्माण कार्य लगातार जारी है, और इस बीच कथा का आरंभ होना एक अद्वितीय धार्मिक आयोजन है।

शैक्षणिक सत्र खत्म होने से पहले छात्रवृत्ति बांटें, मंत्री चमरा लिंडा का निर्देश, कहा- लंबित मामलों पर तुरंत फैसला करें

रांची (एजेंसी): सोमवार को कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र समाप्त होने से पहले हर हाल में छात्रवृत्ति का भुगतान पूरा होना चाहिए।

मंत्री ने बोकारो, चतरा और गिरिडीह जिलों में वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के प्री-मैट्रिक (कक्षा १-८, कक्षा ९-१०) और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण की बेहद धीमी रफ्तार पर गहरी नाराजगी जताई।

समीक्षा बैठक में उन्होंने इन तीनों जिलों के जिला कल्याण पदाधिकारियों से देरी के कारणों पर तत्काल स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। उन्होंने साफ कहा कि छात्रों को उनका अधिकार समय पर मिलना चाहिए और यदि लापरवाही पाई गई तो कार्रवाई तय है।

मंत्री लिंडा ने जिला कल्याण पदाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि शैक्षणिक सत्र खत्म होने से पहले सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही, उन्होंने सभी जिलों के उपायुक्तों को आदेश दिया कि वे जल्द से जल्द जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित करें और लंबित छात्रवृत्ति आवेदनों पर तत्काल स्वीकृति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाएं सरकार की प्राथमिकता हैं और इनकी गति में किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

रमा खलखो ने संभाली प्रदेश अध्यक्ष की कमान अलका लांबा ने केंद्र की नीतियों पर किया सीधा हमला

रांची (एजेंसी): झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस का पदभार ग्रहण समारोह कांग्रेस भवन में आयोजित हुआ, जहां नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रमा खलखो ने निवर्तमान अध्यक्ष गुंजन सिंह से जिम्मेदारी संभाली। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर मतदान अधिकार दिया। कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सत्ता में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए ३३% आरक्षण की राह बनाई, जिसका नतीजा है कि आज देशभर में लगभग १५ लाख महिलाएं सरपंच, मुखिया और पार्षद जैसे पदों पर चुनी गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद से गुजरने के बाद भी केंद्र सरकार

महिलाओं के लिए ३३% आरक्षण कानून लागू नहीं कर रही है-यह महिलाओं के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस का लक्ष्य महिलाओं की आधी आबादी को सशक्त करना है और झारखंड में पूर्ण महिला आयोग के गठन की मांग पर संगठन जोर देगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संगठन में महिलाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, और महिला कांग्रेस की मजबूती ही कांग्रेस की मजबूती है। उन्होंने भरोसा जताया कि रमा खलको संगठन को समाज के सबसे निचले स्तर तक ले जाएंगी और सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला सशक्तिकरण योजनाओं को अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

अपनी पहली प्रतिक्रिया में रमा ने कहा कि संगठन की चुनौतियों को सामूहिक शक्ति से पूरा करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में एक सशक्त महिला संगठन खड़ा करना, महिलाओं के बीच जाकर उनका भरोसा जीतना और उनकी समस्याओं का समाधान कराना ही संगठन का मूल उद्देश्य है।

कार्यक्रम में मंत्री दीपिका पांडे सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, डॉक्टर इरफान अंसारी, रविंद्र सिंह, प्रदीप कुमार बालमुचू समेत कई नेताओं ने संबोधित किया। समारोह में निवर्तमान अध्यक्ष गुंजन सिंह, आभा सिन्हा, सुंदरी तिर्की, बॉबी भगत, मीनू सिंह, सविता कुजूर, नीतू देवी, मेरी तिर्की, कल्पना भगत, नलिनी सिंह, मंजू जोशी, सीता राणा, अनीता सिंह, नीरू देवी सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

रांची में पति ने पत्नी की हत्या के बाद खुद का गला काट की आत्महत्या की कोशिश

रांची (एजेंसी): रांची के अनगड़ा थाना अंतर्गत रिंगरोड स्थित हेहल टोल प्लाजा के पास सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां पति-पत्नी के बीच चल रहे लंबे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इसी दौरान पति लालू करमाली ने गुस्से में आकर धारदार हथियार से अपनी पत्नी ममता देवी की निर्मम हत्या कर दी। पत्नी का कत्ल करने के बाद उसने उसी हथियार से अपना गला काटकर खुदकुशी करने का प्रयास किया।

गंभीर रूप से घायल लालू करमाली को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उसका इलाज जारी है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच में जुटी है।

सूत्रों की मानें तो लालू करमाली हेहल टोल प्लाजा में काम करता था और वहीं उसका आवास भी है। उसकी लव मैरिज थी। लेकिन लंबे समय से रिश्तों में खटास बनी हुई थी। घटना के बाद आरोपी ने भागने की कोशिश भी नहीं की।

जामताड़ा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 45 लाख की अवैध नकली विदेशी शराब जब्त, 4 तस्कर गिरफ्तार

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा पुलिस ने अवैध नकली विदेशी शराब की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक और दो चारपहिया वाहनों से भारी मात्रा में शराब पकड़ी है। यह शराब धनबाद के गोविंदपुर से होकर नारायणपुर थाना क्षेत्र के पाण्डेयडीह मोड़ होते हुए बिहार भेजी जा रही थी। शराब तस्करों ने इस रास्ते को सॉफ्ट कॉर्नर समझकर चुना था और ट्रक को दो चारचक्का वाहनों से स्कॉर्ट किया जा रहा था।

एसपी राजकुमार मेहता को मिली गुप्त सूचना के बाद जामताड़ा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने पाण्डेयडीह मोड़ के पास वाहन जांच अभियान चलाया और संदेह होने पर डब्ल्यू.बी.-५१ सी-५७५२ नंबर की ऊउच् गाड़ी को रोका। तलाशी के दौरान कुरकुरे की बोरियों के पीछे छिपाकर रखी गई २१० पेटी अवैध नकली विदेशी शराब रॉयल स्टैगरॉयल स्टैग और ७८ पेटी स्पिरिट बरामद की गई।

पुलिस ने ट्रक का स्कॉर्ट कर रही हुंडई ऑरा- (जेएच ०९-ए डब्ल्यू-१७३४) से ८ पेटी और स्विफ्ट कार (जेएच१०-सी-४७८२) से ०७ पेटी नकली विदेशी शराब भी जब्त की। मौके से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों में ट्रक और दोनों स्कॉर्टिंग वाहनों के चालक शामिल हैं। सभी आरोपी धनबाद जिले के विभिन्न इलाकों के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि झारखंड में जब्त शराब का कुल मूल्य लगभग १५.९५ लाख रुपये है, जबकि बिहार में यह कीमत करीब ४५ लाख रुपये के आसपास है। इसके साथ ही तीन वाहन, मोबाइल फोन और ३३ हजार रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं।

रांची में गांजा बेचते हुए एक युवक गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): रांची के चुटिया थाना पुलिस ने स्टेशन रोड इलाके से एक युवक को गांजा के साथ पकड़कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार युवक की पहचान अंकित कुमार दत्ता, निवासी अयोध्यापुरी, चुटिया के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चुटिया पटेल चौक के पास स्थित एक गुमटी से गांजा और ब्राउन शुगर की अवैध बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी पूनम कुजूर ने पुलिस टीम के साथ शनिवार देर रात छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान गुमटी से ७० पुड़िया गांजा बरामद किया गया और मौके से आरोपी को पकड़ा गया। पूछताछ में युवक ने स्वीकार किया कि वह गांजा खरीदकर लाता था और फिर उसे महंगे दामों पर बाजार में बेचता था। पुलिस ने मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

झारखंड के बैंकों में 1,490 करोड़ रुपये का नहीं है कोई दावेदार के, 10 साल से नहीं हुआ लेनदेन

रांची (एजेंसी): झारखंड के विभिन्न बैंकों में जमा १,४९० करोड़ रुपये पिछले दस वर्षों से बिना दावेदार पड़े हैं। यह राशि कुल ३८,१४,५७९ खातों से जुड़ी है, जिनमें एक दशक से कोई लेनदेन नहीं हुआ। बैंकिंग नियमों के तहत इन रकमों को 'अनक्लेम्ड' घोषित कर जानकारी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को भेज दी गई है। सबसे ज्यादा ५३० करोड़ रुपये स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के निष्क्रिय खातों में जमा हैं। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया के खातों में ४०८ करोड़ रुपये बिना दावेदार पड़े हुए हैं। अन्य बैंकों में भी बड़ी मात्रा में राशि वर्षों से बिना लेनदार की प्रतीक्षा कर रही है।

बैंकवार अनक्लेम्ड रकम- एक्सिस बैंक-२० करोड़, बैंक ऑफ बड़ौदा-५० करोड़, केनरा बैंक-८९ करोड़, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया-४ करोड़, डीसीसीबी बैंक-८ करोड़, एचडीएफसी बैंक-६ करोड़, आईडीबीआई बैंक-७ करोड़, इंडियन बैंक-१०३ करोड़, इंडियन ओवरसीज बैंक-२५ करोड़, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक-१०५ करोड़, पंजाब एंड सिंध बैंक-१२२ करोड़।

सूत्रों के अनुसार, इन खातों से जुड़ी जानकारी अक्सर परिवारों को भी नहीं होती। कई खाताधारकों ने अपनी जमा राशि या बैंक खातों की जानकारी परिजनों से साझा नहीं की, जिसके कारण यह रकम वर्षों से असंचालित पड़ी है। इसमें बचत खातों के साथ-साथ बड़ी संख्या में फिक्स्ड डिपॉजिट भी शामिल हैं। आरबीआई के निर्देशानुसार, बैंक ऐसे सभी असंचालित और अनक्लेम्ड खातों की सूचना केंद्रीय बैंक को भेजते हैं, ताकि 'उद्गम/उदयन' जैसे पोर्टल के माध्यम से खाताधारकों तक जानकारी पहुंचाई जा सके। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) झारखंड के उप महाप्रबंधक संतोष कुमार सिन्हा के मुताबिक, पिछले १० वर्षों से इन राशियों पर किसी ने दावा नहीं किया है। नियमानुसार बैंक जल्द ही यह राशि रिजर्व बैंक को हस्तांतरित करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि परिवार बैंक खातों और वित्तीय जानकारियों को साझा करने की आदत विकसित करें तो ऐसी बड़ी रकम बेवारिस होने से बच सकती है।

पृष्ठ एक का शेषांश

संसद का शीतकालीन सत्र---

उत्पादों की बिक्री पर ४० प्रतिशत जीएसटी और उत्पाद शुल्क लगेगा, जबकि पान मसाला पर ४० प्रतिशत जीएसटी और स्वास्थ्य सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सेस भी लगेगा। केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन बिल में सिगार/चुरूट/सिगरेट पर ५,००० रुपए से लेकर १,००० स्टिक पर ११,००० रुपए तक उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, इसमें कच्चा तंबाकू पर ६०-७० प्रतिशत और निकोटीन और सूंघने वाले उत्पादों पर १०० प्रतिशत टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। अभी सिगरेट पर कीमत के अनुसार ५ प्रतिशत क्षतिपूर्ति सेस और १,००० स्टिक पर २,०७६-३,६६८ रुपए का सेस लगता है। लोजपा(आर) सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि २०१४ में जब वे संसद आए थे, तो एक दिन का भी स्थगन होने पर उन्हें दुख होता था क्योंकि वे अपने क्षेत्र के मुद्दे नहीं उठा पाते। उन्होंने कहा कि अगर कोई केवल हंगामा करने और अपनी छवि चमकाने के लिए ऐसा करता है, तो यह लोकतंत्र के खिलाफ है।

स्कूटर में छिपाकर रखा---

पर्स भी जब्त किया है, जिसमें ९,६०० रुपए नकद थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार किया गया और नाइजीरियाई वाणिज्य दूतावास को इसकी सूचना दे दी गई है।

झारखंड विधानसभा का---

विपक्ष की संभावित रणनीति का मुकाबला करने, विभागीय तैयारियों के आकलन और गठबंधन के भीतर कांग्रेस की एक आवाज बनाए रखने पर केंद्रित होगी। उधर, सत्ता पक्ष की बड़ी रणनीतिक बैठक ४ दिसंबर को शाम साढ़े चार बजे एटीआई सभागार में होगी, जिसकी अध्यक्षता स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। इस बैठक में गठबंधन के भीतर समन्वय को मजबूत करने, विपक्षी सवालों के तत्पर और प्रभावी जवाब तैयार करने तथा सत्र के फ्लोर मैनेजमेंट पर खास निर्देश दिए जाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रश्नकाल में विपक्ष को जवाब देने, ८ दिसंबर के अनुपूरक बजट पर सरकार का पक्ष मजबूत रखने और विधेयकों को बिना बाधा पारित कराने की योजनाओं पर अंतिम मुहर इसी बैठक में लगेगी। झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता होगी कि पूरे सत्र के दौरान गठबंधन एकजुट दिखे और विपक्ष को किसी भी मुद्दे पर मौका न मिले-ठीक वैसा ही आक्रामक फ्लो जैसा मानसून सत्र में देखने को मिला था।

सीएम ममता एसआईआर के ---

गया है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इन तीन सीमावर्ती जिलों में अल्पसंख्यक, प्रवासी और विस्थापित आबादी काफी ज्यादा है और एसआईआर से उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। मालदा की रैली गजोले में और मुर्शिदाबाद की रैली बेहरामपुर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कूचबिहार की रैली ९ दिसंबर को ऐतिहासिक रास मेला मैदान में होगी और इस ठंड के मौसम में उत्तर भारत में सीएम ममता की सबसे बड़ी रैली के रूप में पेश किया जा रहा है। बीजेपी ने टीएमसी पर अवैध प्रवासियों को बचाने और राजनीतिक लाभ के लिए मतदाता सूची के संशोधन का विरोध करने का आरोप लगाया है। यहां २०२६ के विधानसभा चुनावों से पहले दोनों पार्टियां एसआईआर मुद्दे का लाभ उठाकर अपनी-अपनी विचारधारा को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

विशाखापट्टनम में बनेगा---

करने की घोषणा कर चुका है, जबकि ओपन आई भी १ गीगावॉट क्षमता वाला डेटा सेंटर स्थापित करने की तैयारी है। इसी बीच, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने भी अपने एआई-आधारित डेटा सेंटर्स को विस्तार देने के लिए टीपीजी इंक.से १ अरब डॉलर का निवेश प्राप्त किया है।

चंडीगढ़ में नहीं बनेगी---

जमीन देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन जनवरी २०२४ में यूनियन टेरेटरी प्रशासन ने विस्तृत सर्वे के बाद इसे खारिज कर दिया। शहरी नियोजन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार यह जमीन नीची थी, बीच से नाला गुजरता था और कनेक्टिविटी भी उचित नहीं थी। इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए अनुपयुक्त बताया गया।

डिजिटल अरेस्ट स्कैम की---

की जांच के लिए विशेष मंजूरी देनी होगी ताकि देशभर में कार्रवाई एक साथ चल सके। कोर्ट ने सीबीआई को यह भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर इंटरपोल के साथ समन्वय कर कार्रवाई करें।

किस रुट से भारत---

और कई रणनीतिक समझौते डील कर सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा कि आखिर पुतिन भारत कैसे आएंगे? किस रूट से आएंगे? भारत कानूनी रूप से बाध्य नहीं है कि वह आईसीसी के वारंट के आधार पर पुतिन को गिरफ्तार करें, लेकिन यह पहली बार नहीं है। २०१५ में सूडान के तत्कालीन राष्ट्रपति उमर अल बशीर के खिलाफ भी आईसीसी वारंट था। फिर भी वह भारत आए और भारत ने उन्हें किसी कानूनी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा तो ४ से ५ दिसंबर की यात्रा पुतिन की पूरी तरह से सुरक्षित है। दरअसल, कई देशों के हवाई क्षेत्र यानी एयर स्पेस में प्रवेश करते ही वेसी के अधिकार में आ जाते हैं। इसलिए रूस को ध्यान से रूट चुनना होगा। सूत्रों के आधार पर छह संभावित रूट सामने आए हैं। पहला रूस, तेहरान, भारत, ईरान वाला रूट्। दूसरा रूस बाकू अज़रबैजान से भारत आने वाला रास्ता। तीसरा रूस काबुल से भारत आना। चौथा रूस से डायरेक्ट भारत आना। बता दें कुछ समय पहले पुतिन ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया था। चौंकाने वाली बात यह थी कि उन्होंने यूरोप के ऊपर से १फीसदी भी एयर स्पेस इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने एक असामान्य लंबा और अत्यधिक घुमावदार रास्ता चुना था, क्योंकि यूरोप के करीब सभी देश आईसीसी के सदस्य हैं। उनके एयर स्पेस में प्रवेश करते ही कानूनी रूप से गिरफ्तारी एक्शन शुरू किया जा सकता है। रूस ने यह रिस्क नहीं लिया और एक ऐसी एयर ट्रेजरी बनाई जो आईसीसी देशों को पूरी तरह से बायपास करती है।

वंदे मातरम और जय---

स्वच्छ हवा के अधिकार को पूरा करने का आह्वान करते हुए, उन्होंने कहा कि लोग दिल्ली में प्रदूषण पर चर्चा चाहते हैं... यह देश का प्राथमिक एजेंडा बनना चाहिए। स्वच्छ हवा का अधिकार हमारा मूल अधिकार है।

कोहरा और धुंध के बीच बढ़ेगा तापमान, फिर लौटेगी ठंड

रांची (एजेंसी): झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट बदलने की तैयारी में है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज से इस सप्ताह के लिए राज्य के तापमान और आसमान की स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। बीते २४ घंटों के दौरान मौसम पूरी तरह शुष्क रहा, जबकि अधिकांश जिलों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य उतार-चढ़ाव के साथ स्थिर बने रहे। आने वाले दिनों में कोहरा, धुंध और तापमान में बदलाव लोगों को मौसम का अलग असर महसूस कराएंगे।

राज्य में बीते दिन कहीं भी वर्षा दर्ज नहीं की गई। चाईबासा २९.८ डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म स्थान रहा, जो सामान्य से ३.७ डिग्री अधिक था। गुमला में न्यूनतम तापमान ८.३ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा। अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की स्थिति नहीं बनी और यह सामान्य से -२.० से +२.० डिग्री के बीच रहा। वहीं बोकारो का न्यूनतम तापमान सामान्य से २.७ डिग्री सेल्सियस कम रहा।

कोहरा और धुंध की दस्तक

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, २ दिसंबर २०२५ तक झारखंड के कई जिलों में सुबह के समय कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है। दिन में आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रह सकता है। ३ दिसंबर से ६ दिसंबर के दौरान भी सुबह कोहरा-धुंध जारी रहेगा, लेकिन दोपहर बाद आसमान मुख्यतः साफ रहेगा।

मौसम विभाग ने अगले २४ घंटों में न्यूनतम तापमान में २-३ डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की संभावना जताई है। इसके बाद आगामी चार दिनों में तापमान में ३-४ डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है, जिससे राज्य में ठंड एक बार फिर तेजी पकड़ेगी। इस सप्ताह किसी भी जिले के लिए कोई विशेष मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

रांची और आसपास के क्षेत्रों में आने वाले दिनों में सुबह कोहरा-धुंध, जबकि दिन में आंशिक बादल छाए रहेंगे। ३ दिसंबर से आसमान साफ होने के साथ ठंड में बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है।

सीआरपीएफ कैंप में तैनात जवान की तबीयत बिगड़ने से मौत

रांची (एजेंसी): पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराइकेला थाना क्षेत्र स्थित सारंडा के दीघा सीआरपीएफ कैंप में तैनात सीआरपीएफ-१३४ बटालियन के एसआई भुलन राम (५९) की रविवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। घटना के बाद कैंप में शोक का माहौल है।

बहुचर्चित वन भूमि घोटाले में आईएएस विनय चौबे की जमानत पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

हजारीबाग (एजेंसी): राज्य में सुर्खियों में रहे बहुचर्चित वन भूमि घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल आईएएस अधिकारी विनय चौबे की जमानत याचिका पर आज हजारीबाग एसीबी की विशेष अदालत में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। विनय चौबे हजारीबाग के तात्कालीन उपायुक्त रहे थे और उन्हीं के कार्यकाल के दौरान इस कथित घोटाले के सामने आने के बाद निगरानी विभाग द्वारा जांच शुरू की गई थी। वर्तमान में चौबे इसी मामले में न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस सुनवाई पर राज्यभर की निगाहें टिकी हुई थीं।

सोमवार को यह सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय-सह-विशेष न्यायाधीश (निगरानी) आशा देवी भट्ट की अदालत में हुई, जहां अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष दोनों ने अपने-अपने तर्क मजबूती से पेश किए। अदालत में लगभग पूरे मामले की पृष्ठभूमि, एसीबी की जांच रिपोर्ट, केस डायरी में दर्ज बिंदु और जमानत आवेदन में दिए गए आधारों पर विस्तार से चर्चा हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि वह सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख रही है।

कोर्ट ने जमानत याचिका पर अंतिम आदेश की तारीख तीन दिसंबर निर्धारित की है। बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने दलील देते हुए कहा कि उनके मुवक्किल इस मामले में बेगुनाह हैं और जांच एजेंसी ने तथ्यों का गलत व्याख्यान किया है। वहीं, अभियोजन पक्ष ने यह तर्क दिया कि मामले में कई महत्वपूर्ण साक्ष्य विनय चौबे की भूमिका की ओर इशारा करते हैं और उन्हें जमानत देने से जांच एवं मुकदमे की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। दोनों ही पक्षों की ओर से कई दस्तावेज और तर्क अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

सूत्रों के अनुसार यह पूरा मामला निगरानी वाद संख्या ११/२५ से संबंधित है, जिसकी जांच निगरानी विभाग लंबे समय से कर रहा है। इस मामले में पहले भी विनय चौबे को रिमांड पर लिया गया था, जहां उनसे कई घंटे तक पूछताछ की गई थी। रिमांड के दौरान उनसे भूमि आवंटन, फाइल अनुमोदन, सरकारी भूमि के स्वामित्व परिवर्तन और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की भूमिका से जुड़े सवाल पूछे गए थे। विभाग का दावा है कि पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं।

आरोप है कि हजारीबाग डीसी के रूप में कार्यरत रहते हुए विनय चौबे ने वन विभाग की भूमि को अवैध तरीके से परिवर्तित करने, गलत तरीके से स्वीकृति देने और सरकारी परिसंपत्तियों को निजी लाभ के लिए उपलब्ध कराने जैसी गतिविधियों में भूमिका निभाई थी। हालांकि बचाव पक्ष इन आरोपों से साफ इनकार करते हुए कहता है कि चौबे ने सभी प्रक्रियाएं नियमों के तहत की थीं और उनके खिलाफ लगाए गए आरोप राजनीतिक एवं प्रशासनिक द्वेष का परिणाम हैं। विनय चौबे की ओर से जमानत आवेदन १४ नवंबर २०२५ को दायर किया गया था। पहली सुनवाई १७ नवंबर को हुई, जहां अदालत ने अभियोजन पक्ष से केस डायरी तलब की थी। केस डायरी उपलब्ध होने के बाद अदालत ने इसे गंभीरता से पढ़ा और प्रत्येक बिंदु का अवलोकन किया।

देसी नहीं इस बार कोरियन खिचड़ी खाकर रहें फिट

क्या किसी टीवी शो में खिचड़ी को देखकर आप इतना टेंप्ट हो सकते हैं कि उसे बनाने के बारे में सोचें? नहीं न... पर मैं हुई थी, जब मैंने कोरियन ड्रामा देखा था। वैसे तो हर कोरियन ड्रामा देखने के बाद, उसमें दिखाई गई डिशेज को खाने का मेरा बड़ा मन करता है, लेकिन यह कुछ अलग था। खिचड़ी कोई कैसे इतनी टेंप्टिंग बना सकता है कि उसे देखकर ही खाने का मन कर जाए। इस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा में सिर्फ लीड एक्टर्स की ही केमिस्ट्री आपको पसंद नहीं आएगी, बल्कि इसके अलावा बहुत चीजें हैं जो आपको ड्रामा से बांधकर रखेंगी। उन्हीं में से एक ही, शो में दिखाई गई तमाम खाने-पीने की चीजें।

जिस डिश ने मेरा सबसे ज्यादा ध्यान खींचा वो खिचड़ी थी। दरअसल, शो में एक सीन है जहां एक्टर की तबीयत खराब हो जाती है। तब लीड एक्ट्रेस उससे मिलने आती है। वो देखती है कि एक्टर बुखार में तप रहा है। वो उसकी दवा करके उसके लिए एक लाइट मील बनाती है, जो दक जुक है यानी खिचड़ी। मैंने इस रेसिपी को जब देखा था, तो मेरा बड़ा मन किया था कि इसे ट्राई करूं। ट्राई किया भी तो और अब मैं कभी-कभी इसी रेसिपी को बनाती हूं। यह शो बीते दिनों फिर से देखा, तो सोचा आपके साथ भी इस रेसिपी को शेयर करूं। इसके बारे में आपको विस्तार से बताऊं। आइए इस आर्टिकल में और हमारी के-ऑब्सेस्ड सीरीज में आपको एक नई और लोकप्रिय डिश के बारे में बताएं।

क्या है जुक?

जैसे हमारे यहां खिचड़ी बनती है। कोरिया में भी चावल की खिचड़ी बनाई जाती है, जो कई सारे फॉर्म्स में तैयार की जाती है। इसमें तरह-तरह की सब्जियां डाली डा सकती है। वहीं, इसे चिकन के साथ भी बनाया जाता है। इसके टेक्सचर भारतीय खिचड़ी की तरह ही सॉफ्ट होता है और फ्लेवर भी अन्य कोरियन डिशेज से काफी हल्का होता है। सब्जियों से तैयार इस रेसिपी में चिकन के टुकड़ों भी डाला जाता है। यह एक हल्की और हेल्दी मील होती है, जो आपके शरीर को पूरा पोषण देती है। इसे बनाने से पहले चावलों को तेल में कुछ देर के लिए सॉते किया जाता है और फिर ब्रॉथ इसमें डाला जाता है। यह आपको इटैलियन रिजॉतो की तरह लग सकता है।

दकजुक बनाने के लिए सामग्री

- 1 कप छोटे चावल
- 500 ग्राम चिकन
- 5-6 लहसुन
- 1 छोटा इंच टुकड़ा अदरक
- 2 हरे प्याज
- 1 बड़ा चम्मच तिल का तेल
- 1 छोटी गाजर, बारीक कटी हुई
- 1 छोटा प्याज, बारीक कटा हुआ
- 1 जुकिनी, बारीक कटी हुई
- नमक स्वादानुसार

दकजुक बनाने का तरीका

- सबसे पहले चावलों को साफ करके 3-4 बार धो लें और फिर एक कटोरे में 1 घंटे के लिए भिगोकर रख दें।
- अब एक बड़े पतीले में 4 कप पानी डालकर उसे गर्म करने के लिए रख दें। जब पानी में एक उबाल आ जाए, तो उसमें लहसुन, अदरक, हरा प्याज डालकर धीमी आंच पर पका लें। इसे ढककर कम से कम 30 मिनट के लिए पकाएं।
- 30 मिनट बाज टिकन को अलग निकाल लें और फिर पानी को छानकर अलग रख लें।
- अब एक कुकर में तेल गर्म करें और उसमें चावल को छानकर डालें। इसे धीमी आंच पर 3-4 मिनट के लिए अच्छी तरह से सॉते करें। अब इसमें गाजर, प्याज और जुकिनी डालकर भूनें। जब सब्जियां सॉफ्ट हो जाएं, तो उसमें नमक डालकर अच्छी तरह हिलाएं और फिर ढककर 2 मिनट पकाएं।
- इसमें 1 लीटर ब्रॉथ डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे एक बार सिमर होने दें और फिर तब तक पकने दें, जब तक खिचड़ी सॉफ्ट और गाढ़ी नहीं हो जाती।
- चिकन को अच्छी तरह से श्रेड कर लें। उसकी हड्डियां निकालकर फेंक दें। अब गाढ़ी हुई खिचड़ी में थोड़ा सा ब्रॉथ और डालें। इसमें हरा प्याज, लहसुन और श्रेडेड चिकन डालकर मिक्स करें और 4-5 मिनट और पकाएं।
- आखिर में ऊपर से तिल डालकर गार्निश करें और गर्मागर्म पौष्टिक खिचड़ी का मजा लें। सर्दियों में यह लाइट मील एक भरपूर भोजन का काम करेगी और आपको स्वस्थ रखेगी।
- अगर आप इसमें चिकन न डालना चाहें, तो इसे बिना चिकन के खूब सारी सब्जियों के साथ बना सकते हैं।

बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर

करेगा निर्णय की सही गणना

घर के हिसाब को सही रखने के लिए साधारण कैलकुलेटर का इस्तेमाल किया ही होगा, अब बीमा का सही हिसाब बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर से जांच लें। बीमा प्रदाता के माध्यम से दी गई जानकारी सही है या नहीं, इसका आकलन आप स्वयं से भी कर सकते हैं, बस इसके लिए आपको जानकारी होनी चाहिए बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर की। तो जानिए कैसे ये आपके लिए मददगार है और साथ ही कैसे आप इसे स्वयं भी जांच सकते हैं।

क्या है बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर

बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर आपके बीमा प्रीमियम की गणना करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए ऑनलाइन उपकरण हैं। ये जीवन बीमा प्रदाताओं की तरह ही कार्य करते हैं। हालांकि बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर पहले से ही तैयार किए गए ऑनलाइन फॉर्मूले पर काम करते हैं। और इस कैलकुलेटर पर आपके द्वारा प्रदान की गई जानकारी और विवरण के आधार पर ही सारी गणना की जाती है। इस गणना को बस कुछ ही मिनटों में पूरा करते ही उपयुक्त परिणाम आपकी स्क्रीन पर प्रदर्शित होने लगते हैं।

क्या होगा फ़ायदा

किसी घर को ख़रीदने से पहले हम ये जांचते हैं कि घर जिस क्षेत्र में है वहां बाक़ी की ज़मीन का रेट इतना ही है जितने का हम ले रहे हैं या नहीं, घर को मरम्मत की ज़रूरत तो नहीं है आदि। इस तरह प्राप्त जानकारी के आधार पर ही हम ये तय करते हैं कि वहां घर ख़रीदेंगे या नहीं। ठीक इसी प्रकार किसी भी बीमा पॉलिसी को लेने से पहले प्रीमियम कैलकुलेटर की मदद से गणना का विवरण प्राप्त किया जा सकता है। इसे एक प्रीमियम उद्धरण या कोटेशन (लिखित रूप में प्राप्त किया गया प्रीमियम का अनुमान) तैयार किया जाता है जिसे आप अपनी पॉलिसी पर भुगतान कर सकते हैं। यह जीवन बीमा प्रदाताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली गणना के समान ही है जो आपकी पॉलिसी प्रीमियम को निर्धारित करते हैं। हालांकि, इस प्रीमियम कैलकुलेटर का उपयोग करना आसान है, जिसके चलते आपको प्रीमियम की मैन्युअल गणना करने के ज़रूरत नहीं होती। किसी प्रकार की बीमा योजना की तलाश करते समय प्रीमियम कोटेशन काफ़ी फायदेमंद हो जाता है। इस स्थिति में आप कोटेशन के आधार पर लागत, लाभ आदि के बारे में विश्लेषण कर सकते हैं। और अपनी पसंद के अनुसार पॉलिसी का चयन कर सकते हैं। साथ ही कौन-सी पॉलिसी आपके लिए बेहतर रहेगी इसके लिए ऑनलाइन ही अन्य कंपनियों से तुलना भी करके एक बेहतर विकल्प चुन सकते हैं।

ऐसे करें गणना

- जिस भी संस्था से आप बीमा ले रहे हैं उसकी वेबसाइट को खोलें। कैलकुलेटर वाले विकल्प को चुनें। अब आप जिस भी योजना के लिए बीमा ले रहे हैं उसे चुनें।
- इसके बाद रिक्त स्थानों में भरी जाने वाली जानकारी या विवरण लिखें जैसे कि आपका नाम, जन्म तिथि, लिंग, फोन नंबर और ईमेल आईडी आदि।
- इन विवरणों को पूरा करने के बाद, एक नया पेज खुलेगा जिसमें पॉलिसीधारक के रूप में आपकी वित्तीय क्षमता का आकलन किया जाएगा। इसमें आपकी वर्तमान आय, आप जिस प्रकार की पॉलिसी चाहते हैं, आप कितनी प्रीमियम राशि का भुगतान कर सकते हैं, आदि जैसे विवरण का जवाब देना होगा।
- अगल-अगल पॉलिसी के आधार पर कैलकुलेटर कुछ अन्य प्रश्न भी पूछ सकता है जैसे- यदि आप जीवन बीमा बचत योजना कैलकुलेटर का उपयोग करते हैं, तो आपको तय वर्षों के बाद बचत के रूप में कितनी राशि चाहिए आदि।
- सभी प्रश्नों के उत्तर देने के पश्चात, बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर के माध्यम से सारा विवरण आपकी स्क्रीन पर प्रदर्शित होने लगेगा। इससे न सिर्फ़ आप सारे विवरण को कम समय में बेहतर तरीक़े से समझ पाएंगे बल्कि कई अन्य प्रकार की पॉलिसी का चयन भी कर सकेंगे।

हाइपर बच्चे को कैसे संभाले

छोटे बच्चे अक्सर दूसरे बच्चों को देखकर जिद्द करते हैं। कई बच्चें बहुत ज्यादा गुस्से वाले होते हैं। इस तरह के बच्चों को कई बार सम्भालना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि उन्हें समझाने के लिए काफी मेहनत लगती है। कई बार मां-बाप बच्चों से परेशान हो जाते हैं जिसकी वजह से बच्चे और भी ज्यादा चिढ़चिढ़े होने लगते हैं। जिसकी वजह से आगे कभी बच्चों को शांत करना मुश्किल होता है।

अक्सर गुस्से में आकर माता पिता बच्चों पर हाथ उठा देते हैं, जो बड़े होकर बच्चों के लिए परेशानी का सबब बनते हैं। वो भी यही सीख लेते हैं कि किसी के गुस्से को शांत करने के लिए हाथ उठाना जरूरी है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं बच्चे को शांत करने के तरीकों के बारे में।

काउंटिंग

गुस्सा आने पर आप बच्चे से कहें कि वह गिनती गिनना शुरू कर दें। ऐसा करवाने के लिए आपको शुरू से ही बच्चों को ये आदत डालनी होगी। गिनती गिनना एक ऐसा तरीका है जो हमेशा काम आता है। ये बड़ों के गुस्से को कम करने में भी कामयाब होता है।

वॉक

अगर आपका बच्चा बहुत ज्यादा टीवी या फिर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता है और आप चाहते हैं कि बच्चा इन सभी चीजों से दूर रहे तो आपको बच्चे को आराम से समझाने की जरूरत है। जैसे ही आप बच्चे को टीवी या मोबाइल चलाने से मना करते हैं तो बच्चे गुस्सा हो जाते हैं ऐसे में आपको उन्हें प्यार से समझाने की जरूरत है। साथ ही उसके अलावा उन्हें पार्क में जाकर वॉक या फिर नेचर के बारे में बताएं। कुछ ऐसी चीज को बताएं जिससे आपका बच्चा आपकी बातों में इंटरेस्ट दिखाने लगे।

बच्चों की बात सुनें

गुस्सा किसी को भी आ सकता है और आपको इस बात को समझने की जरूरत है। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे के गुस्से को शांत किया जाए तो आप बच्चों को समझाने से पहले उसकी बात को सुनें। बच्चे को सुनना बहुत जरूरी है। ऐसा करने से बच्चे को अपनी जरूरत का एहसास होता है।

बच्चे को दें स्पेस

बच्चा चाहें छोटा हो या बड़े गुस्सा होने पर वह अपने पसंदीदा स्पॉट पर बैठता ही है। ऐसे में बच्चों को उसके चिलिंग स्पॉट में बैठने दें और फिर थोड़ी देर बाद आप उस जगह पर जा सकते हैं और अपने बच्चे को समझाने की कोशिश करें।

सहानुभूति

कई माता-पिता की आदत होती है कि वह हर चीज में बच्चे को कोसने लगते हैं और उसकी गलतियां निकालते हैं। ऐसा करने से बच्चों में गुस्सा बढ़ता है और वह जिद्दी हो जाते हैं। ऐसा करने से अच्छा है कि आप अपने बच्चे की बात सुनें और समझाएं। इससे आपके बच्चे के दिल में सहानुभूति की भावना बढ़ती है।

सीड ट्रे से सीडलिंग को कब करें ट्रांसप्लांट

जो भी गार्डनर बीजों से पौधों को बढ़ते हुए देखना चाहते हैं, वे अक्सर सीड्स को सीड ट्रे में बोना पसंद करते हैं। इससे वे एक साथ कई बीज बो पाते हैं। साथ ही साथ, सीड ट्रे के कारण नमी और तापमान को नियंत्रित करना अधिक आसान हो जाता है। जिससे बीज जल्दी अंकुरित हो पाते हैं। लेकिन एक बार जब बीज अंकुरित हो जाते हैं, तो फिर उन्हें बढ़ने के लिए अधिक स्पेस की जरूरत होती है। ऐसे में अगर उसे सीड ट्रे में ही छोड़ दिया जाए तो इससे उनकी ग्रोथ पर विपरीत असर पड़ता है और उन्हें पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। हालांकि, अधिकतर लोगों को इस बात का पता ही नहीं होता है कि सीड ट्रे से सीडलिंग को कब ट्रांसप्लांट करना चाहिए।

डेवलपमेंट पर दें ध्यान

अगर आप सीडलिंग को सीड ट्रे से ट्रांसप्लांट करने का मन बना रहे हैं तो ऐसे में पहले आपको उसकी डेवलपमेंट पर ध्यान देना चाहिए। सीडलिंग का साइज और उसकी ग्रोथ से आपको यह पता चल जाएगा कि ट्रांसप्लांट करना सही है या नहीं। आपको सीडलिंग को तब तक ट्रांसप्लांट नहीं करना चाहिए, जब तक कि उस पर पत्तियां ना आ जाएं। आपको यह समझना चाहिए कि सीडलिंग पर नजर आने वाली पहली पत्तियां वास्तव में सीड लीव्स होती हैं। आपको इसके बाद ही ट्रांसप्लांट करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित हो जाता है कि सीडलिंग ट्रांसप्लांटेशन स्ट्रेस को आसानी से हैंडल कर सकती हैं।

साइज पर दें ध्यान

सीडलिंग की ग्रोथ के साथ-साथ उनके साइज पर भी ध्यान दिया जाना उतना ही महत्वपूर्ण है। हमेशा ध्यान रखें कि आप सीडलिंग को तभी ट्रांसप्लांट करें, जब आपके छोटे पौधों की लंबाई लगभग 4 से 8 इंच के बीच हो जाए। इस दौरान उन्हें ट्रांसप्लांट करने से वे ट्रांसप्लांटिंग शॉक को हैंडल कर पाते हैं।

रूट सिस्टम पर दें ध्यान

कभी भी सीडलिंग को ट्रांसप्लांट करने से पहले रूट सिस्टम पर खासतौर पर ध्यान देना चाहिए। आप पहले सीडलिंग के रूट्स को चेक करें। अगर रूट्स सीड्स ट्रे में गुच्छे में नजर आ रहे हैं तो इसका मतलब यह है कि रूट सिस्टम अच्छी तरह डेवलप हो गया है। इस दौरान सीडलिंग को बिना किसी परेशानी के ट्रांसप्लांट किया जा सकता है।

मौसम पर दें ध्यान

सीडलिंग को सीड्स ट्रे से ट्रांसप्लांट करते समय मौसम पर विशेष ध्यान दिया जाना बेहद महत्वपूर्ण है। हमेशा आप पौधे की मौसम संबंधी जरूरतों को समझें और फिर मौसम का मिजाज देखें। अगर मौसम अनुकूल होता है तो इससे सीडलिंग पर ट्रांसप्लांट के दौरान अधिक स्ट्रेस नहीं आता है। कोशिश करें कि आप अत्यधिक गर्मी या तेज़ हवाओं के दौरान ट्रांसप्लांटिंग ना करें।

प्लेस पर दें ध्यान

ट्रांसप्लांटिंग से पहले आपको यह भी समझना चाहिए कि आपका प्लांट बाहरी मौसम की मार को झेलने के लिए तैयार है या नहीं। मसलन, अगर आपने इनडोर सीडलिंग शुरू की है तो आपको उन्हें ट्रांसप्लांट से पहले धीरे-धीरे उन्हें बाहरी मौसम के अनुकूल बनाएं। इस प्रोसेस को हार्डनिंग ऑफ के रूप में जाना जाता है, जिसकी मदद से सीडलिंग को तापमान, प्रकाश और हवा में होने वाले बदलाव के साथ खुद को एडजस्ट करने में मदद मिलती है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में शुभमन गिल के खेलने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हुए थे, जिसके बाद वह अगला टेस्ट नहीं खेल सके। गिल मेहमान टीम के खिलाफ वनडे सीरीज का भी हिस्सा नहीं हैं, लेकिन अब उनके टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद है। शुभमन गिल के सोमवार से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होने की उम्मीद है। गिल अपनी गर्दन की चोट की रिकवरी के लिए तुरंत रिहैब शुरू करेंगे। उम्मीद है कि सीओई टी20 फॉर्मेट के उपकप्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फिर से शुरू करने की इजाजत दे सकता है। शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में चौका लगाने के दौरान चोटिल हुए थे। इसके बाद गिल दोबारा इस सीरीज में नहीं खेल सके। इसके बाद गिल अपनी गर्दन की चोट को लेकर सलाह लेने के लिए मुंबई में स्पेशलिस्ट के पास गए। उन्होंने अपने घर लौटने से पहले तीन दिन वहीं बिताए। उस बीच गिल ने अपना पर्सनल रिहैब जारी रखा। सोमवार को वह बेंगलुरु के लिए निकले।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी। अगले कुछ दिनों में इसके लिए भारतीय टीम के चुने जाने की उम्मीद है। शुभमन गिल ने अपनी रिकवरी पर कड़ी मेहनत की है। वह जल्द से जल्द मैदान पर लौटने के लिए बहुत उत्सुक हैं। सूत्रों ने क्रिकबज से कहा, 'गिल ने रिहैब प्रोसेस के दौरान बहुत मेहनत की है। अब वह सीओई में है। अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा, तो गिल 6-7 दिसंबर तक कटक में होंगे, जब टी20 टीम के इकट्ठा होने की उम्मीद है।' ऐसी उम्मीद की जा रही है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलते नजर आ सकते हैं। बुमराह को वनडे सीरीज से आराम दिया गया है।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 9 दिसंबर को कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा, जिसके बाद 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में अगले मैच का आयोजन होगा। दोनों देश धर्मशाला में 14 दिसंबर को सीरीज का तीसरा मैच खेलेंगे। लखनऊ में 17 दिसंबर को सीरीज का चौथा मैच खेला जाएगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में सीरीज के पांचवें मैच का आयोजन होगा।

मेरा करियर एक फॉर्मेट तक सीमित है : विराट कोहली

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद विराट कोहली की टेस्ट फॉर्मेट में फिर से वापसी की चर्चा शुरू हो गई थी। रांची वनडे में विराट के शतक के बाद उनकी टेस्ट वापसी की चर्चा और जोर-शोर से शुरू हुई, लेकिन विराट ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। विराट कोहली ने रांची वनडे के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान यह स्पष्ट कर दिया कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर अब सिर्फ एक फॉर्मेट, वनडे, तक सीमित है, उससे आगे कुछ नही। विराट से पूछा गया कि क्या उनका इरादा सिर्फ वनडे में ही खेलना है, तो उन्होंने कहा, 'हां, और हमेशा ऐसा ही रहेगा। मैं सिर्फ एक तरह का गेम खेल रहा हूं। कोहली ने समझाया, 'अगर आपने 300 के आस-पास गेम खेले हैं, तो आपको पता होता है कि लंबे समय तक बैटिंग करने की फिजिकल क्षमता कब होती है। जब तक आप बॉल को अच्छी तरह से हिट कर रहे हैं, यह फिजिकली फिट, मेंटली तैयार और एक्साइटेड होने के बारे में है। कोहली के इस बयान से स्पष्ट हो गया कि उनका ध्यान वनडे विश्व कप 2027 पर है।

दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार...

कोहली-रोहित के बिना 2027 वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते...

इस भारतीय दिग्गज ने चयनकर्ताओं को दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तानों विराट कोहली और रोहित शर्मा के ओडीआई फ्यचूर को लेकर हालिया समय में काफी अटकलें लगी हैं. दोनों टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कई क्रिकेट विशेषज्ञ यह सवाल उठा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक खेल पाएंगे. तब तक कोहली की उम्र करीब 39 साल जाएगी. वहीं रोहित शर्मा तब तक 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे. अब रांची वनडे में दोनों की शानदार बल्लेबाजी ने यह बहस खत्म कर दी है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची वनडे में विराट कोहली ने शानदार 135 रन बनाए. वहीं रोहित शर्मा के बल्ले से 57 रन निकले. रोहित-कोहली ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की पार्टनरशिप की, जिसके दम पर भारत ने 349 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया. भारत ने इस मैच को 17 रनों से जीता और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली. इस एक साझेदारी ने दिखा दिया कि रोहित-कोहली अभी भी पहले जैसे ही खतरनाक हैं. अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व चीफ सेलेक्टर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने इन दोनों स्टार बल्लेबाजों की जमक तारीफ की है. श्रीकांत का कहना है कि 2027 का वनडे वर्ल्ड कप रोहित और कोहली के बिना भारतीय टीम जीत ही नहीं सकती ।

कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'रोहित और कोहली अलग ही लेवल पर खेल रहे हैं. क्रिकेट के इस दौर में इतने कठिन मैच खेलना आसान नहीं है. लेकिन वे दोनों सिर्फ एक फॉर्मेट खेलकर भी अपनी फिटनेस और मानसिकता बेहतरीन बनाए हुए हैं. इन दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार है. 2027 वर्ल्ड कप जीतना है तो रोहित और विराट टीम में होने ही चाहिए ।

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम, अब स्विट्ज़रलैंड से होगा सामना

मदुरै, एजेंसी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी और अब उसका सामना एफआईएच जूनियर विश्व कप में अपने अंतिम ग्रुप मैच में मंगलवार को स्विट्जरलैंड से होगा। भारतीय टीम अच्छी फॉर्म में चल रही है, लेकिन उसे अब तक असली चुनौती नहीं मिली है। भारत की कोशिश रहेगी कि नॉकआउट चरण से पहले टीम अपने कमजोर पक्ष को दूर करे।

भारत-स्विट्जरलैंड की टीमें चल रही हैं अजेय - भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं।

भारत के सामने कुछ चिंताएं - पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। कप्तान रोहित की अगुआई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल वैरिएशन और रिबाउंड से किए गए। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा। यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की वजह से स्थगित हुई ये बड़ी क्रिकेट लीग

नई तारीखों के साथ शेड्यूल का हुआ एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन 7 फरवरी से 8 मार्च तक होगा, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे. इसकी तैयारियों के चलते एक बड़ी क्रिकेट लीग के आयोजन को रीशेड्यूल किया गया है. आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का फुल शेड्यूल जारी हो चुका है. भारत और श्रीलंका के कुल 8 वेन्यू पर 20 टीमों के बीच 55 मैच खेले जाएंगे. टूर्नामेंट 7 फरवरी को शुरू होगा, पहले ही दिन भारत और पाकिस्तान जैसी टीमें मैदान में होंगी. ग्रुप स्टेज में प्रत्येक दिन 3 मुकाबले होंगे. वर्ल्ड कप का फाइनल 8 मार्च को होगा, जिसके एक हफ्ते बाद इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन शुरू हो सकता है. लेकिन वर्ल्ड कप से पहले होने वाली लंका प्रीमियर लीग को स्थगित कर दिया गया है, जो अब अगले साल जुलाई-अगस्त में होगा. लंका प्रीमियर लीग श्रीलंका क्रिकेट द्वारा आयोजित किया जाता है. एलपीएल का आयोजन इसी महीने (दिसंबर, 2025) में होना था, लेकिन श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड अभी वर्ल्ड कप की तैयारियों में व्यस्त है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 को भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट कर रहे हैं, पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा. अगर पाक टीम फाइनल में पहुंची तो खिताबी मुकाबला भी कोलंबो में होगा.

कब होगा लंका प्रीमियर लीग - टी20 वर्ल्ड कप 2026 के कारण लंका प्रीमियर लीग के आयोजन को 8 महीने आगे बढ़ा दिया गया है. श्रीलंका क्रिकेट ने आधिकारिक रूप से पोस्ट करते हुए बताया कि एलपीएल के छठे संस्करण का आयोजन 8 जुलाई से 8 अगस्त 2026 के बीच होगा. श्रीलंका क्रिकेट ने अपने पोस्ट में लिखा, 'आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 'होस्ट वेन्यू' को काफी पहले से तैयार करने की बड़ी ज़रूरत को देखते हुए लंका प्रीमियर लीग को स्थगित किया गया. वर्ल्ड कप फरवरी-मार्च 2026 के दौरान श्रीलंका और भारत मिलकर होस्ट करेंगे. इस फैसले के साथ, पांच टीमों का यह टूर्नामेंट, श्रीलंका का सबसे बड़ा घरेलू ज्ञ20 कॉम्पिटिशन, पिछले कई एडिशन की तरह, साल के बीच में वापस आएगा।

श्रीलंका के 3 वेन्यू पर होंगे टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मुकाबले कुल 8 वेन्यू पर होंगे. भारत के 5 (अहमदाबाद, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता और मुंबई) शहरों में इसके मैच होंगे. श्रीलंका के 3 वेन्यू के तौर पर आर प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो), एसएससी क्रिकेट ग्राउंड (कोलंबो) और पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम (कैंडी) को चुना गया है. भारत बनाम पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा.

हैदराबाद में लियोनल मेसी का जादू! तेलंगाना के मुख्यमंत्री करेंगे फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरुआत

हैदराबाद, एजेंसी। 28 नवंबर को मुख्यमंत्री ने पुष्टि की थी कि वह भारत में होने वाले GOAT Tour to India 2025 के तहत मेसी का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। हैदराबाद उनका दूसरा पड़ाव होगा, इससे पहले वह कोलकाता पहुंचेंगे। दुनिया के महानतम

फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेसी जल्द ही भारत आने वाले हैं, और उनके इस दौरे को लेकर उत्साह चरम पर है। खबर है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मेसी की मौजूदगी में होने वाले एक फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरुआत करेंगे। यह मैच 13 दिसंबर को हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

सरकारी जश्न का हिस्सा होगा फुटबॉल मुकाबला - यह फ्रेंडली मैच तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले बड़े समारोह का हिस्सा है। हालांकि मैच के अन्य विवरणों की आधिकारिक घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी, लेकिन मेसी की मौजूदगी को लेकर पहले ही बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है।

क्या आईपीएल के मैच बेंगलुरु में नहीं होंगे

कमेटी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम पर सवाल उठाए थे; पास करना होगा फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है। स्टेडियम में दोबारा मैच कराने से पहले विशेषज्ञों से सुरक्षा मंजूरी और फिटनेस टेस्ट दोनों पास करना जरूरी होगा। विमेंस वर्ल्ड कप के समय जस्टिस डी'कुन्हा कमेटी ने भी इस ग्राउंड को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया था। इस साल आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के बाद स्टेडियम में विक्ट्री परेड हुई थी। लेकिन उसके बाहर भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

- **कमेटी ने स्टेडियम में खामियां बताई** - स्टेडियम में 4 जून को हुई भगदड़ के बाद इस घटना की जांच के लिए जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा की अगुआई में एक कमेटी बनाई गई थी। जिसकी रिपोर्ट में स्टेडियम से जुड़ी कई कमियां सामने आईं। इस रिपोर्ट के बाद आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के मैच भी बेंगलुरु से हटाकर नवी मुंबई में कराए गए।

लंदन चेस क्लासिक में चमके प्रज्ञानंद, बने को-लीडर ; विश्व रैंकिंग में भी बनाए रखा दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लंदन चेस क्लासिक ओपन 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए टूर्नामेंट के को-लीडर बन गए हैं। उन्होंने छठे राउंड तक 5/6 अंक हासिल किए हैं और इस समय सर्बिया के ग्रैंडमास्टर वेलिमिर इविक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। उनका अगला मुकाबला अब वेलिमिर इविक से होगा, जो टूर्नामेंट का निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

विश्व रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों की स्थिति - ताजा फीडे दिसंबर 2025 रेटिंग सूची में प्रज्ञानानंदा ने कुछ रेटिंग अंक गंवाने के बावजूद अपनी विश्व नंबर 7 रैंकिंग बरकरार रखी है। वहीं, भारत के एक और युवा सितारे अरुण एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6.4 श्दश्रथ अंक जोड़े और वह फिर से विश्व नंबर 5 पर पहुंच गए हैं।

भारतीयों ने ही अमेरिका को सुपरपावर बनाया: एलन मस्क

मस्क ने बताया- उनकी पत्नी को गोद लिया गया था

पॉडकास्ट के दौरान एलन मस्क ने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि आप इस बारे में जानते हैं या नहीं, लेकिन मेरी पार्टनर शिवॉन आधी भारतीय हैं। मेरे और उसके एक बेटे का मध्य नाम शेखर है, जो चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।' मस्क ने बताया कि उनकी पार्टनर शिवॉन जिलिस कनाडा में पली-बढ़ी हैं और जब वे एक छोटी बच्ची थीं, तब उन्हें गोद लिया गया था। शिवॉन जिलिस ने साल 2017 में मस्क की कंपनी न्यूरालिंक जॉइन की थी और वे फिलहाल कंपनी में डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस एंड स्पेशल प्रोजेक्ट्स के तौर पर काम कर रही हैं। शिवॉन ने येल यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की है।

अमेरिका को कुशल भारतीय प्रतिभाओं के आने से भारी लाभ हुआ है

वाशिंगटन, एजेंसी।
दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने रविवार को कई दिनों की अटकलों के बाद आखिरकार जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ के पॉडकास्ट पिपुल बाय डब्ल्यूटीएफ में साफ कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका को कुशल भारतीय प्रतिभाओं के आने से भारी लाभ हुआ है।

दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने आखिरकार वो बात बोल ही दी, जिसे सुनकर अमेरिका के अंदरूनी इमिग्रेशन-विरोधी गुटों के होश उड़ गए। जीरोधा के निखिल कामथ के पॉडकास्ट में मस्क ने साफ-साफ कहा कि अमेरिका को पिछले दशकों में जितना फायदा हुआ है, उसका बड़ा हिस्सा भारतीय टैलेंट की वजह से हुआ है। सत्या नडेला, सुंदर पिचाई जैसे लोग इसका जीता-जागता सबूत हैं। और तो और, जब एच1-बी वीजा को लेकर ट्रंप कैंप में घमासान मचा हुआ है, तब मस्क ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस प्रोग्राम का दुरुपयोग हुआ है, इसे ठीक करो, लेकिन बंद करोगे तो अमेरिका खुद अपनी सबसे बड़ी ताकत को मार डालेगा।

यह बयान ऐसे वक्त आया है जब हजारों भारतीयों का सदियों पुराना अमेरिकी सपना (ऊंची पढ़ाई, मोटी सैलरी वाली नौकरियां, बेहतर लाइफस्टाइल और तरक्की का वादा) सख्त होते वीजा नियमों और अचानक नीतिगत बदलावों की वजह से तेजी से फीका पड़ता दिख रहा है। मस्क ने कहा कि मेरा मानना है कि अमेरिका को यहां आए टैलेंटेड भारतीयों से बहुत फायदा हुआ है। इस दौरान निखिल कामथ ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे सफल भारतीयों का उदाहरण दिया, जो दशकों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं।

दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के एच1-बी प्रोग्राम का समर्थन करने के कुछ ही दिन बाद रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने इसे धीरे-धीरे खत्म करने का बिल पेश कर दिया और दावा किया कि यह अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीन रहा है। ऐसे कदम भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए बड़ा खतरा हैं, क्योंकि एच1-बी उनके लिए ग्रीन कार्ड और फिर अमेरिकी नागरिकता का सबसे आम रास्ता रहा है। ट्रंप 2.0 सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के हेड रहे मस्क ने कहा कि बाइडेन प्रशासन में बॉर्डर कंट्रोल नाम की कोई चीज नहीं थी। बिना बॉर्डर कंट्रोल के आप देश नहीं कहला सकते।

बॉर्डर कंट्रोल न होना बिल्कुल बेतुका था

उन्होंने आगे कहा कि अगर अवैध तरीके से अमेरिका आकर ढेर सारे सरकारी लाभ मिल रहे हैं, तो आप गलत तरह के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह एक गलत इंसेंटिव स्ट्रक्चर है। बॉर्डर कंट्रोल न होना बिल्कुल बेतुका था। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से पहले की इमिग्रेशन पॉलिसी पर बोलते हुए मस्क ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि आम अमेरिकी नागरिकों का यह डर बहुत वास्तविक है कि विदेशी टैलेंट उनकी नौकरियां छीन रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा अपना अनुभव यही है कि टॉप टैलेंट हमेशा कम पड़ता है। मुश्किल काम करवाने के लिए आपको असाधारण लोग चाहिए। कुछ कंपनियां इसे सिर्फ कॉस्ट का खेल बना देती हैं। अगर अमेरिकी नागरिक से आधे या उससे भी कम पैसों में कोई काम कर दे तो वे उसे हायर कर लेती हैं। स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स जैसे अपने खुद के टॉप अमेरिकी कंपनियों का उदाहरण देते हुए मस्क ने कहा कि उनकी कंपनियां हमेशा बेस्ट टैलेंट ढूंढती हैं और उन्हें एवरेज से कहीं ज्यादा सैलरी देती हैं।

संक्षिप्त समाचार

नक्शा विवाद के बीच नेपाल ने चीनी कंपनी को दिया नोट छपाई का ठेका

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली नोट पर अंकित नक्शे को लेकर जारी विवाद के बीच काठमांडो ने विभिन्न मूल्यों के अपने नोटों की छपाई का ठेका चीनी कंपनी को दे दिया है। 100 रुपये के नेपाली नोट पर अंकित नक्शे में भारत के तीन क्षेत्रों को अपने हिस्से में दर्शाया गया है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि एनआरबी ने चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50, 500 व 1,000 के नेपाली रुपये के नोट छापने का ठेका दिया है। पौडेल ने कहा कि हाल में दिए गए ठेके के अनुसार चीनी प्रेस नौ महीने के भीतर नेपाली बैंक नोटों का डिजाइन, प्रिंट व आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एनआरबी चीनी कंपनी को जानकारी उपलब्ध कराएगा जिसके आधार पर वह नोट को डिजाइन करेगा। डिजाइन को एनआरबी मंजूर करेगा जिसके बाद ही नोटों की छपाई होगी। महीने की शुरुआत में इसी चीनी कंपनी के साथ 1,000 रुपये के 4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए करार हुआ था। नेपाली रुपये के 1,000 के नोट पर दूसरी चीजों के साथ सात रोडोडेंड्रोन होंगे, जो नेपाल का राष्ट्रीय फूल है। नोट पर सात प्रांत दिखाए गए हैं। दरअसल, नेपाल के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया है, जिसमें देश का संशोधित नक्शा छपा है। इस नक्शे में भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। भारत ने इसको लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नेपाल के नक्शे की निंदा की और कहा कि यह एकतरफा कृत्य है, जो जमीनी हकीकत नहीं बदलता। नक्शे को लेकर विवाद पिछले एक साल से चल रहा है और भारत ने नेपाल को आगाह किया था कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा कृत्रिम विस्तार स्वीकार्य नहीं होगा। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) की ओर से जारी नया नोट पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर वाला है। नोट पर छपाई वर्ष 2081 बीएस (साल 2024) दर्ज है। वर्ष 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने संसद से मंजूरी लेकर इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था।

बलूचिस्तान में हो रहे अत्याचार पर ब्रिटिश सांसद ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी के सांसद जॉन मैकडॉनेल ने बलूचिस्तान में मानवाधिकार स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पाकिस्तानी बलों के जरिये सरकार समर्थित अपहरणों और ड्रोन हमलों पर ध्यान आकर्षित किया। मैकडॉनेल ने हाउस ऑफ कॉमन्स में तीन लिखित संसदीय प्रश्न और एक अर्ली डे मोशन दायर किया है।

घर में लगी आग में दंपती समेत पांच लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। पूर्वी फ्रांस के एक कस्बे में आग लगने से एक घर में मौजूद पांच लोगों की मौत हो गई। म्यूर्थ-ए-मोसेले विभाग ने रविवार को बताया कि न्यूवेस-मैसंस शहर में लगी आग पर काबू पाने के लिए रातभर 70 दमकलकर्मी व लगभग 40 वाहनों को तैनात किया गया था। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी महसूस करने वाले छठे व्यक्ति का इलाज किया जा रहा है। वह खतरे से बाहर है। पीड़ितों में दंपती और 17 से 20 वर्ष की आयु के तीन युवा शामिल थे।

चीन में रिकॉर्ड 37 लाख लोगों ने दी सिविल सेवा की परीक्षा

बीजिंग, एजेंसी। चीन में रविवार को 37 लाख से अधिक लोगों ने राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा दी। चीन में सिविल सेवा के लिए उम्र सीमा को 35 साल से अधिक बढ़ाने के बाद यह पहली राष्ट्रीय परीक्षा थी। यह रिकॉर्ड संख्या देश में बढ़ती बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों की मांग को दर्शाती है। राज्य संचालित समाचार एजेंसी ने बताया कि इस परीक्षा में औसतन प्रति सीट 98 आवेदक प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इन रिक्तियों में से लगभग 70 प्रतिशत कॉलेज के नए स्नातकों के लिए आरक्षित हैं।

सीरिया में लोकतंत्र अभी दूर, पर सुधार अच्छा: एमनेस्टी इंटरनेशनल

दमिश्क, एजेंसी। गैर सरकारी वैश्विक मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने शनिवार को कहा कि सीरिया में नई सरकार ने सुधारों और संक्रमणकालीन न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है, लेकिन लोकतंत्र की कमी अभी भी है। बशर असद की सरकार गिरने के एक साल बाद कैलामार्ड का कहना है कि कानूनी सुधार योजनाओं और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों का स्वागत होना सकारात्मक संकेत है।

चीनी सेना के 25 विमानों ने क्रॉस की मध्य रेखा

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उनके क्षेत्र के आसपास चीन के पीएलए के 27 विमानों, 11 नौसैनिक जहाजों और तीन सरकारी जहाजों को देखा गया। एमएनडी के अनुसार, 27 विमानों में से 25 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। इन विमानों में शेनयांग जे-16 और भारी बॉम्बर शियान एच-6 शामिल थे। एमएनडी ने कहा कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जवाब दे रहे हैं।

इंडियन शब्द का इस्तेमाल अमेरिका में नहीं होगा!

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में एक बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका में अब इंडियन शब्द का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। यह सुनकर कई भारतीय नागरिकों को हैरानी हो सकती है, लेकिन ट्रंप का यह बयान भारत के इंडियंस के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के मूल निवासियों (जिन्हें नेटिव अमेरिकन्स या इंडिजिनस पीपुल कहा जाता है) के संदर्भ में था। ट्रंप का यह कमेंट एक लंबे समय से चली आ रही सांस्कृतिक और नस्लीय बहस से जुड़ा हुआ है। कई अमेरिकी संगठन लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं कि इंडियन शब्द पुराना हो चुका है और नस्लीय रूप से असंवेदनशील है। उनका तर्क है कि नेटिव अमेरिकन, इंडिजिनस या जनजातीय नाम जैसे शब्द ही ज्यादा सम्मानजनक और सही हैं। लेकिन ट्रंप ने इस बहस को एक नया मोड़ दिया है। उन्होंने यह तर्क दिया है कि इंडियन शब्द भारत के इंडियन्स के लिए ही

आरक्षित रहना चाहिए और इसे नेटिव ट्राइब्स के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप स्वदेशी समूहों से जुड़े विवादों में घिरे हों। वह लंबे समय से वाशिंगटन रेडस्किन्स और क्लीवलैंड इंडियन्स जैसी स्पोर्ट्स टीमों के नाम बदलने का विरोध करते रहे हैं। उनका मानना था कि मूल निवासी पुराने नाम ही वापस चाहते हैं। इसके अलावा 1993 में उन्होंने एक कांग्रेस सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी भी की थी कि क्या कुछ जनजातियां दिखने में असली भारतीय हैं।

गलत पहचान से आया इंडियन शब्द

यह पूरा भ्रम 1492 में शुरू हुआ था। जब क्रिस्टोफर कोलंबस भारत पहुंचने के लिए एक नए समुद्री रास्ते की तलाश में पश्चिम की ओर निकले। गलती से वह एक बिल्कुल नए महाद्वीप (अमेरिका) पर पहुंच गए। उन्हें लगा कि वह भारत के बाहरी इलाके में आ गए हैं और इसी भ्रम में उन्होंने वहां के स्थानीय लोगों को इंडियन्स नाम दे दिया। बाद में यह साफ हो गया कि कोलंबस ने एक नया महाद्वीप खोज लिया था, लेकिन यह नाम कॉलोनियल संधियों, सरकारी नीतियों और सदियों पुरानी अमेरिकी शब्दावली में शामिल हो गया। इंडियन शब्द बसाना और ऐतिहासिक गलतियों की याद दिलाता है, इसीलिए इसे एक अपमानजनक और असहज शब्द माना जाता है।

पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों के बेस में घुस गए हमलावर, खुद को बम से उड़ाया; तीन मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 24 घंटे के अंदर ही कम से कम सात धमाके हुए। वहीं बलूचिस्तान के नोकुंडी में फ्रंटियर कॉर्प्स के हेडक्वार्टर के गेट पर फिदायीन हमला किया गया। हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया। इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। प्रशासन का कहना है कि यह हमला तहरीक-ए-तालिबान ने किया है। पाकिस्तान के अर्द्धसैनिक बलों के हेडक्वार्टर पर हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन में तीन हमलावरों को मार गिराने का दावा किया गया है। बलूचिस्तान साउथ के फ्रंटियर कॉर्प्स के मुताबिक हेडक्वार्टर के गेट पर ही जबरदस्त आवाज हुई। इसके बाद तुरंत सुरक्षाबलों ने अभइयान शुरू कर दिया। बताया गया कि कम से कम 6 हमलावर हेडक्वार्टर में दाखिल हुए थे। एफी के प्रवक्ता ने बताया कि जब तक सभी आतंकियों को मारा नहीं जाता, ऑपरेशन खत्म नहीं होगा। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षाबल हर कमरे की ठीक से जांच कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले पेशावर में फ्रंटियर कॉर्प्स के परिसर में फिदायीन हमला हुआ था जिसमें तीन की जान चली गई थी। वहीं क्वेटा में पैरामिलिट्री बेस में कार में हुए धमाके से भी इलाका दहल गया था। पाकिस्तान में बीते कुछ महीनों से इस तरह के हमले तेजी से बढ़े हैं। साभर में ही बलूचिस्तान में सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। कई बार बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी हमलों की जिम्मेदारी ली है। बता दें कि उग्रवादियों ने बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा और डेरा मुराद जमाली को धमाकों से दहला दिया। शनिवार को क्वेटा में एक पुलिस चौकी पर हैंड ग्रेनेड फेंके गए थे। इसके बाद आतंकरोधी विभाग की गाड़ी के पास ही विस्फोट हो गया। एसएसपी खान ने बताया कि उग्रवादियों ने रेलवे ट्रैक पर आईईडी लगाए थे और जब ट्रेन क्वेटा स्टेशन पहुंचने वाली थी, तो विस्फोट हो गया। इस विस्फोट के कारण पटरी को नुकसान पहुंचा, जिसके कारण रेल सेवाएं निलंबित कर दी गईं। इसके अलावा, डेरा मुराद जमाली में एक गश्ती पुलिस वाहन पर भी हमला किया गया जिसमें हमलावरों ने हाथगोले फेंके।

ऑस्ट्रियन इंफ्लूएंसर की हत्या

एक्स ने शव को सूटकेस में भरकर जंगल में फेंका; कबूल किया जुर्म

स्लोवेनिया, एजेंसी। ऑस्ट्रिया की एक जानी मानी हस्ती पिछले काफी दिनों से लापता थी। परिजनों की शिकायत पर जब पुलिस ने छानबीन शुरू की, तो उसकी लाश स्लोवेनिया के जंगलों में सूटकेस के अंदर मिली। इस घटना से पूरे यूरोप में सनसनी फैल गई है।

लाश की पहचान ऑस्ट्रिया की मशहूर इंफ्लूएंसर स्टेफनी पीपर के रूप में हुई है। 31 वर्षीय स्टेफनी की मौत से उनके फैंस को भी गहरा धक्का लगा है। इस हत्याकांड को स्टेफनी के पूर्व प्रेमी ने अंजाम दिया।

घर से हुई थी लापता: पुलिस के अनुसार, 23 नवंबर को एक पार्टी से घर लौटने के बाद स्टेफनी अचानक गायब हो गईं थीं। 23 नवंबर की रात स्टेफनी ने अपनी एक दोस्त को मैसेज करते हुए बताया था कि वो सुरक्षित घर पहुंच चुकी हैं। इसके कुछ देर बाद ही स्टेफनी ने दूसरा मैसेज किया कि शायद उनके घर की सीढ़ियों में कोई छिपा है। स्टेफनी के पड़ोसियों ने बताया कि देर रात उनके घर से लड़ाई-झगड़े की आवाज आ रही थी। लोगों ने स्टेफनी के पूर्व प्रेमी को भी बिल्डिंग में देखा था। स्टेफनी के परिजन भी लाख कोशिशों के बाद उन तक नहीं पहुंच पा रहे थे। पुलिस ने जब स्टेफनी के पूर्व प्रेमी की तलाश शुरू की, तो उसे स्लोवानिया में एक जलती हुई कार के पास से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, कई बार ऑस्ट्रिया से स्लोवानिया जाने के कारण 24 नवंबर को उसकी कार में आग लग गई। यह कार ऑस्ट्रिया और स्लोवानिया की सीमा पर मौजूद एक कैसीनो की पार्किंग में खड़ी थी। पुलिस ने जब आरोपी को पकड़कर पूछताछ शुरू की, तो उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि स्टीफेन की हत्या करने के बाद उनके शव को सूटकेस में भरकर स्लोवेन फॉरेस्ट में फेंक दिया है। पुलिस ने आरोपी के 2 अन्य संबंधियों को भी हिरासत में लिया है।

रूबेन्स की खोई कृति ने मचाया धमाल

ईसा मसीह की दुर्लभ पेंटिंग रिकॉर्ड कीमत पर नीलाम!

रूबेन्स, एजेंसी। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ओसेना ने बताया, ''मुझे इस पेंटिंग को देखकर तुरंत एक एहसास हुआ और मैंने इसे प्रमाणित करवाने के लिए हर संभव प्रयास किया और अंत में हम इसे एंटवर्प स्थित रूबेन्स समिति 'रुबेनियानम से प्रमाणित करवाने में सफल हुए। रूबेन्स पर शोध के लिए प्रसिद्ध विशेषज्ञ निल्स ब्यूट्नर ने नीलामी से पहले बताया कि मशहूर कलाकार ने सूली पर चढ़ाए

जाने के दृश्य अक्सर चित्रित किए लेकिन ''उन्होंने बहुत कम अवसरों पर सूली पर मृत अवस्था में ईसा मसीह को दर्शाया। उन्होंने कहा, ''यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व-घाव से रक्त और पानी बहते हुए दिखाया गया है और रूबेन्स ने इसे सिर्फ एक बार बनाया था। ओसेना नीलामी हाउस ने बताया कि वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद इस पेंटिंग की प्रामाणिकता और उत्पत्ति की पुष्टि की गई। कला विशेषज्ञ एरिक टुर्किन ने कहा कि यह पेंटिंग 1600 के शुरुआती दशक में लगभग गायब हो गई थी। ऐसी जानकारी है कि 19वीं सदी के फ्रांसीसी क्लासिक चित्रकार विलियम बूगुएरो के पास यह पेंटिंग थी, जिसके बाद यह परिवार के पास पीढ़ियों तक रही।

फांसी व 21 साल कैद बाद अब कोर्ट ने सुनाई नई सजा

शेख हसीना को एक और कानूनी झटका

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना को सोमवार को ढाका की एक विशेष अदालत से बड़ा कानूनी झटका लगा है। अदालत ने पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में उन्हें दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। इससे पहले इस साल (2025) ही अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना को क्राइम्स एगेन्स्ट ह्यूमैनिटी (2024 छात्र-आन्दोलन खूनखराबे) के लिए फांसी सुनाई थी। और इसके कुछ दिन बाद ही ढाका कोर्ट विशेष न्यायाधीश न्यायालय-5 ने हाल ही मेंशेख हसीना को तीन

भ्रष्टाचार-मामलों में 21 साल की जेल की सजा सुनाई है।जमीन घोटाला मामले में अदालत ने कुल तीन लोगों को दोषी करार दिया है। शेख हसीना (पूर्व प्रधानमंत्री), शेख रेहाना (हसीना की बहन),तुलिप रिजवाना सिद्दीक (शेख रेहाना की बेटी व ब्रिटिश सांसद)। ये तीनों राजुक द्वारा किए गए प्लॉट आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले में दोषी पाए गए। विभित्र आर्थिक और प्रशासनिक अनियमितताओं के मामले चल रहे हैं। अब एक और मामले में दोषी ठहराया जाना उनकी राजनीतिक और कानूनी स्थिति को कमजोर करता है। ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सांसद हैं का नाम इस फैसले में शामिल होने से यह मामला अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया है। ब्रिटेन की राजनीति और मीडिया में भी इस पर चर्चा शुरू हो चुकी है। अवामी लीग के नेताओं ने इस फैसले को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उनका कहना है कि विपक्षी सरकार हसीना परिवार को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।मामले के जानकारों के अनुसार हसीना की कानूनी टीम उच्च अदालत में अपील दाखिल करेगी। अगर सजा बरकरार रहती है तो हसीना और उनका परिवार लंबे समय तक राजनीतिक संकट में रह सकता है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट से संबंधित है, जो ढाका के पास राजुक द्वारा विकसित एक बड़ा आवासीय प्रोजेक्ट है। आरोप था कि हसीना और उनके परिवार ने अपने प्रभाव का उपयोग करके इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट में प्लॉट अवैध तरीके से हासिल किए। मामला कई सालों से जांच में था, और हाल ही में गवाही व दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुनाया। ढाका की विशेष अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाया और तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया गया। अदालत ने कारावास की सजा सुनाई, जिसकी अवधि को लेकर आधिकारिक बयान विस्तृत रूप से सार्वजनिक होना बाकी है। हसीना पहले से ही कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद, नहीं प्रभावित होंगे संबंध: विदेश सलाहकार हुसैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। लेकिन इस मुद्दे को नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में बाधा नहीं बनने देगा। ढाका में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत हसीना को प्रत्यर्पित किए बिना बेहतर संबंधों की उम्मीद की जा सकती है तो हुसैन ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे (द्विपक्षीय) संबंध केवल एक मुद्दे पर अटके नहीं रहेंगे। हालांकि हुसैन ने कहा कि चूंकि हसीना अब एक घोषित अपराधी हैं, बांग्लादेश उनके जल्द से जल्द भारत से प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। हसीना के खिलाफ पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। जिस दौरान कई प्रदर्शनकारी मारे गए थे। कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पांच अगस्त 2024 को उनकी सरकार का पतन हो गया। इसके बाद हसीना ने भागकर भारत में शरण ली। इस साल 17 नवंबर को एक विशेष न्यायाधिकरण ने गैरहाजिर होने पर पूर्व प्रधानमंत्री को मृत्युंद की सजा सुनाई गई। इससे पहले बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। ढाका में मोहम्मद यूनुस नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत भारत के साथ संबंधों के बारे में एक अन्य सवाल के जवाब में हुसैन ने कहा, भारत को नई वास्तविकताओं के साथ तालमेलन होने के लिए कुछ समय चाहिए। हालांकि सलाहकार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ बेहतर संबंध रखना चाहेंगे, जो दोनों पक्षों के हितों पर आधारित हों। पहले की गई मांग पर कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन ढाका अब नई दिल्ली से जवाब की उम्मीद करता है।

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा

पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।

दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए :

पूर्व दिशा :

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा :

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें :

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा :

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें : यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें : सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें : सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप : यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।

वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत: वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत: घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।

पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं ।अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।